हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 मार्च, 1980

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 5 मार्च, 1980

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उतर	(3)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर	(3)21
अतारांकित प्र न एवं उतर	(3)29
अध्यक्ष द्वारा घोशणाः–	
सदन की बैठकों के समय संबंधी	(3)42
अध्यक्ष द्वारा रूलिंगः–	
राज्यपाल के अभिभाशण में पहली सरकार की उपलब्धियों के वर्णन सम्बन्धी	(3)43
ध्यानाकर्शण सूचनाः–	
आव यक वस्तुओं अर्थात् मिट्टी का तेल, चीनी, सीमेंट, वनस्पति–घी आदि की कमी संबंधी	(3)44
वक्तव्यः–	

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री द्वारा डीजल की भारी कमी तथा त्रुटिपूर्ण एवं अनुचित तकसीम सम्बन्धी	(3)46
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)48
वैयक्तिक स्पश्टीकरणः—	
डाक्टर मंगल सैन द्वारा	(3)84
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)84
वैयक्तिक स्पश्टीकरणः—	
स्वामी आदित्यवे ा द्वारा	(3)88
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)89

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 5 मार्च, 1980

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Number of F.I. Rs.

***1437. sh. Hira Nand Arya:** Will the Chief Minister be pleased to state the district-wise number of F.I. Rs. lodged since Sh. Bhajan Lal took over as Chief Minister to-date together with number of cases not traced-out so far in the State?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उक्त विधान सभा प्र न से सम्बन्धित सूचना एकत्रित करने में लगने वाले समय व परिश्रम के तुल्य उससे उत्पन्न कोई वि ोश लाभ नहीं होगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, यह ला एंड आर्डर का सवाल है। अगर इतनी इनऐफिि ाएन्सी है कि ये सवाल का जवाब भी नहीं दे सकते तो इन्हें गवर्नमैंट चलाने का क्या हक है ?

Mr. Speaker: I must ask the Hon. Members not to cast aspersions like this. According to the Rules, the Government is perfectly within its rights to say that the time and labour involved in collecting the information will not be commensurate with any possible benefit to be derived there-from.

श्री हीरा नन्द आर्य: आपके द्वारा हम रिक्वैस्ट तो कर सकते हैं कि वे हमारे सवाल का जवाब दें।

Mr. Speaker: I would request you to put your point in a polite language.

चौधरी राम लाल वधवा: अध्यक्ष महोदय, ये भाायद इसलिए जवाब नहीं देना चाहते क्योंकि क्राइम्ज बढ़ गए होंगे।

Mr. Speaker: Next question, please.

Appointment of work charged Employees

***1434. Master Jogi Ram:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) the number of work charged employees appointed in the Grid Sub-Station Construction Division,

Fazilpur (Sonepat) of Haryana State Electricity Board since 1-4-1979 to date;

(b) the number of employees out of those mentioned in part(a) above belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes, respectively;

(c) the agency through which the said employees have been recruited; and

(d) the number of employees out of those mentioned in part(a) above recruited through the Employment Exchanges?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) 45

(ख) अनुसूचित जाति 1

अनुसूचित कबीले 2

पिछड़े वर्ग 5

(ग) वि ोश कार्ययुक्त श्रमिकों को कार्यकारी अभियंता ग्रिड कन्सट्रक ान डिवीजन, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड फाजिलपुर (सोनीपत) द्वारा अपने चार्ज के अधीन उप मंडल के आव यक कार्य की आव यकताओं को पूरा करने के लिए भर्ती किया गया था।

(घ) यह आव यक कार्य हूतु लगाये गये वि ोश कार्ययुक्त श्रमिक रोजगार कार्यालय के माध्यम से नहीं लिये जा सके थे।

मास्टर जोगी रामः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि 45 कर्मचारियों मे से अनुसूचित जाति का केवल एक कर्माचारी लेने चाहिए थे?

चौधरी मेहर सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, हमने अनुसूचित जाति, अनुसूचित कबीले और पिछड़े वर्ग से कुल मिलाकर 8 कर्मचारी भर्ती किए हैं। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज कर दूं कि तीन महीने के कम समय के लिए जो भर्ती होती हैं, वह एम्पीलायमैंट ऐक्सचेंज के थ्रू नहीं की जाती बल्कि आन द स्पौट लेबर लगाई जाती हैं, उसमें यह बात भी नहीं देखी जाती कि 20 परसैंट का कोटा अव य पूरा हो।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अभी बताया नहीं कि आरक्षण का नियम इस तरह के वर्क–चार्जड ऐम्पालाइज की भर्ती के समय लागू नहीं किया जाता। क्या मंत्री महोदय बातएंगे कि इस नियम का उल्लघंन क्यों किया जाता हैं?

श्री अध्यक्षः इसका जवाब आ चुका हैं। उन्होंनें कहा हैं कि वर्कचार्जड वैकेन्सीज के अगेन्सट जो आदमी मौके पर अवेलेबल होते है उनको लगा देते हैं और पर्मानैन्ट वैकेन्सीज के विरूद्ध लगाने के लिए ऐम्पालायमैंट ऐक्सचेंजिज से नाम आते हैं।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि ये जो वर्कज लगाए गए है ये कितने अर्से से लगे हुए हैं?

चौधरी मेहर सिंह राठी: ये तीन महीने से कम अवधि के लिए लगाए गए थे लेकिन अध्यक्ष महोदय अगर कई बार महकमे का काम तीन चार दिन फालतू भी चला जाए और वर्कर्ज कुछ दिन फालतू काम रह जाएं तो कोई गलत बात नहीं होती क्योंकि ऐसा तो हो नहीं सकता कि उन्हें काम बंद करके एकदम भगा दिया जाए।

श्रीमति डा0 कमला वर्मा: क्या मंत्री महोदय जी बताएंगे कि वर्कचार्जड ड्यूटी करने वाले कर्मचारी ऐडहांक बेसिज पर ही चलते रहेंगे या इन्हें रैगुलर करने का कोई विचार हैं?

चौधरी मेहर सिंह राठी: इसके लिए ये सैपरेट नोटिस दें क्योंकि मूल प्र न से इसका कोई सम्बन्ध नहीं हैं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि इस किस्म के जो ऐडहॉक कर्मचारी हैं जिनकी सर्विस 10–10, 15–15 साल से चल रही हैं, इनके बारे में सरकार सहानुभूति विचार करेगी और जिस हद तक स्थान होंगे उस हद तक इनको रैगुलर करने की बहुत जल्दी कोि ा ा करेगी।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब अब नोटिस में लाए हैं कि तीन महीने से कम अवधि के लिए वाली भर्ती पर हरिजनों के लिए रिजर्वे ान की कोई फीसदी मुकर्रर नहीं हैं। क्या मैं मंत्री महोदय से यह पूछ सकता हूं कि यह चीज हाउस के नोटिस में आने के बाद सरकार इस बात पर ध्यान देगी कि ऐसी भर्ती के लिए रिजर्वे ान हो?

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, यह क्वैं चन इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड से सम्बन्ध रखता हैं और उसका मैंने जवाब दिया हैं।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महोदय जी ने बताया कि वर्कचार्जड ऐम्पलाइज को रैगुलर करने की कोि ा ा की जाएगी। लेकिन मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि जब 45 में से अनुसूचित जाति का केवल एक व्यक्ति इन्होंनें भर्ती किया हैं तो 20 परसैंट रिजर्व ान का कोटा कैसे पूरा किया जाएगा?

चौधरी मेरठ सिंह राठीः स्पीकर साहब, सड़को पर कई बार हम सैन्ट परसैंट लेबर हरिजनों को लगाते हैं, लेकिन नहीं मिलते तो दूसरे लोग भी लगा लिए जाते हैं। (विघ्न)

श्री गुलजारन सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी कहा हैं कि वैसे तो लेबर तीन महीने से कम अर्सा के लिए लगाई जाती हैं लेकिन कई बार फालतू समय भी लग जाता हैं। क्या मंत्री

महोदय जी बताएंगे कि इसमें कहीं ऐसा तो नहीं होता कि थोड़ी–थोड़ी मियाद बढातें रहते हो और जिन–जिन की ऐप्रोच हो उनकी रैगुलर करते जाते हों ताकि ऐम्पलायमैट ऐक्सचेंजिज से लेने की जरूरत ही न पड़े।

चौधरी मेहर सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, यह डेली वेजिज वालों की बात हैं।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने कहा कि ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज से नाम आए उनको काम पर लगा लिया गया हैं। जिला सोनीपत में दो ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज हैं, एक सोनीपत के अन्दर एक गोहना के अन्दर। क्या मंत्री महोदय बतांएगे कि गोहना ऐम्पालामैंट ऐक्सचेंज से भी कोई आया? (विघन)

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, मैंने तो यही कहा था कि तीन महीने से कम अवधि के लिए भर्ती की जाती हैं उसके लिए ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज से नाम नहीं मंगवाए जाते।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदय जी बताएंगे कि इन पोस्टस के लिए ऐक्स सर्विसमैन के लिए कोई रिजर्वे ान होती हैं?

चौधरी मेहर सिंह राठीः जी नहीं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय की इस बात से सहमत नही हूं कि वर्कचार्जड भर्ती के ऊपर रिजर्वे ान के नियम लागू नही होते। सरकार की तो ये इंस्ट्रक ांज हैं कि ऐडहौक बेसिज पर जो कर्मचारी लगाए जाएंगे उनके लिए रिजर्वे ान होगी।

चौधरी मेहर सिंह राठीः वे इंस्ट्रक ांज तीन महीने से ज्यादा अर्से वाली अप्वायंटमैट्स पर लागू होती हैं।

श्री प्रीत सिंहः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि ये 45 आदमी किस डेट को लगाए गए थे और क्या ये अब भी कंटिन्यू कर रहे हैं?

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, यह सैपरेट क्वै चन हैं। ये लिख कर नोटिस दे दें, जवाब दे दिया जाएगा। (विघन)

चौधरी संत कबीरः अध्यक्ष महोदय, सवाल यह था कि 1–4–7–9 से कितने लोग लगाए गए हैं? 1–4–79 से अब तक कई महीने हो गए हैं। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चहता हूं कि तीन महीने का अर्सा पूरा होने के बाद इन लोगों को क्यों नहीं हटाया गया ताकि ऐम्पालयमैंट ऐक्सचेंज के थ्रू भर्ती हो सकती?

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, सवाल का पार्ट ए इस तरह था

''हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के ग्रिड सब–स्टे ान कन्स्ट्र ान (निर्माण) डिवीजन, फाजिलपुर (सोनीपत) में 1–4–79 से आज तक कितने वर्कचार्जड कर्मचारी नियुक्त किए गए?''

एक पर्टिकुलर काम के लिए भर्ती की गई थी। उसके पूरा होने के बाद हो सकता हैं कि इनको दूसरी जगह लगा लिया गया हो। भाोर

Dr. Mangal Sein: It is a very sad affair that the Minister is not ready with the reply.

श्री अध्यक्षः वे जवाब तो दे रहे हैं।

Dr. Mangal Sein: It is not giving satisfactory replies. He must be reprimanded.

Mr. Speaker: Please let me do my job.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय मंत्री महोदय ने अभी बताया कि किसी पर्टिकुलर काम के लिए तीन महीने के लिए डेली वेजिज पर वर्कर्ज रखे जाते हैं लेकिन अगर वह पार्टिकुलरी काम पूरा हो जाए और महकमा कहीं दूसरी जगह काम भाुरू कर दे तो हो सकता हैं कि उनको दूसरी जगह लगा लिया गया हो। (भाोर)

इस समय डा0 मंगल सैन सवाल पूछने के लिए खड़े हो हुए

श्री अध्यक्षः डा0 मंगल सैन जी आप एक मिनट बैठिए। मंत्री महोदय ने बताया कि फाजिलपुर डिवीजन में 45 आदमियों को 1–4–79 से लगाया हैं और जब वहां पर काम खम्म हो गया होगा तो उनको टार्मिनेट कर दिया गया होगा। मैं मंत्री महोदय जी से कहूगा कि वे इस बात को फिर से कलियर कर दें।

चौधरी मेहर सिंह राठीः मेरे पास इन्फर्मे ान नहीं है कि वहां पर काम चालू है या नहीं। अगर मैम्बर साहेबान जवाब चाहें तो मैं बाद में दें दूगा लेकिन इस समय नहीं।

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, मैं आपकी रूलिग चाहता हूं कि जो मिनिस्टर हाउस में ठीक तरह से जवाब न दे सके, उसके बारे में हम क्या समझें?

श्री अध्यक्षः जितना सवाल था उसका तो उन्होंनें जवाब दे दिया हैं।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, इन्होंनें यह कमिटमैंट नहीं की कि तीन महीने तक अगर किसी मुलाजिम को लगाना हैं तो वहां पर रिजवें ान परसेन्टज की पाबन्दी हैं। क्या ये खतरनाक असूल ले–डाउन नहीं कर रहे हैं और हजारों वर्कचार्जड कर्मचारियों को बिना रिजर्व ान लगाने की छूट नहीं दे रहे हैं?

Mr. Speaker: I think question has been answered well.

चौधरी मेहर सिंह राठी: यह बिजली बोर्ड की बात है सरकार की बात नहीं हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: मिनिस्टर साहब ने पहले बताया है कि वे फौरी तौर पर काम करने के लिए लगाये जाते है और कई जगहों पर तो सौ परसैन्ट हरिजन लगाए जाते हैं।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब में बताया हैं कि 1—4—79 से 45 वर्कचार्जड ऐम्पालाइज लगाये हैं । अब उनको लगे हुये 240 दिन से ऊपर हो गये हैं। मैं मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं क्या वे अब वे उसी जगह पर काम कर रहे हैं?

श्री अध्यक्ष: हो सकता हैं कि अब वे टार्मिनेट कर दिये गये हो। अगर आप उनसे यह सवाल पूछते कि वे टर्मिनेट कर दिये गये हैं या नहीं तो वे तैयार हो कर आते और जवाब देते। बिना नोटिस के वह इसका जवाब कैसे दे सकते हैं।

Constructions of Pucca Roads

***1450. Ch. Jagjit Singh Pohloo:** Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state the district-wise total kilometers of pucca road constructed during the year 1977-78 and 1979-80 (upto 31st December, 1979), separately, in the state?

लोकनिर्माण मंत्री (कंवर राम पाल सिंह): अपेक्षित सूचना का विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत हैं।

Statement

Sr. No.	Name of District	Length metalled during the year in kilometers		
		1977-78	1978-79	1979-80 (up to 31-12-79)
1	Ambala	48	63	86
2	Bhiwani	50	25	4
3	Gurgaon and Faridabad	55	51	58
4	Hisar	92	50	44
5	Jind	27	30	26
6	Karnal	39	34	55
7	Kurukshetra	80	52	77
8	Mohindergarth	30	46	31
9	Rohtak	15	14	14
10	Sirsa	96	108	69
11	Sonepat	23	27	11

	Total	555	500	475

मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, इस सवाल के जवाब की कापी हमारे पास नहीं हैं। आपकी तरफ से हिदायत भी हैं कि सवालों के जवाबों की चार–पांच कापियां मुखतृलिफ मेंजो पर रखी जायेंगी।

श्री अध्यक्षः विधान सभा सचिवालय को चाहिए कि वह रिप्लाइज की और भी माजरा कापियां हाउस में रखा करें।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब मेरी कांस्टिचुएंसी के कुछ गांव हैं जैसे राना माजरा, नवादा, जलाल.....(विघन)

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमैंटरी का इस सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं हैं सवाल यह हैं किस जिले में कितने सड़के बनायी गयी हैं?

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि कांस्टिचुएंसी वाईज कितनी सड़के बनायी गई हैं?

श्री अध्यक्षः इसके लिए सैपरेट नोटिस दें। मैं आगे बैठे हुए मैम्बर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे बैक बैचर्ज को भी

टाईम लेने दिया करे। आगे बैठे हुए मैम्बरान अपनी मौनीपली न बनायें।

चौधरी हुकम सिंहः क्या मिनिस्टर महोदय बतायेंगे कि जिलेवार सिंगलन लिंक रोडज कितनी बनायी गई हैं और डुप्लिकेट लिंक रोडज कितनी बनायी गई हैं?

कंवर राम पाल सिंहः प्रायरिटी बेसिज पर सिंगल लिंक रोड्ज बना रहे हैं लेकिन जहां पर बहुत जरूरी हैं वहां डुप्लिकेट लिंक रोड्ज को भी प्रायरिटी दे रहे हैं।

चौधरी उदय सिंहः स्पीकर साहब, कुछ सड़के ब्लाक समितियों और जिला परिशदों द्वारा बनायी हुई हैं। वे सड़के अब टूट चुकी हैं। उन सड़को पर जो पैसा लगा हुआ था वह बरबाद हो रहा हैं। क्या मिनिस्टर साहब बतायेंगे कि उन सड़को को भी सरकार अपने हाथ में लेने जा रही हैं या लेने की कोई योजना हैं?

श्री अध्यक्षः यह बहुत अच्छा सवाल हैं।

कंवर राम पाल सिंहः इस सप्लीमैंटरी का इस सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं हैं। अगर मेरे साथी सैपरेट नोटिस दें तो मैं जवाब दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं कि यह काफी बरनिंग टोपिक हैं। जिला परिशद् की रोड्ज पर जितना पैसा सैपरेट नोटिस दें तो मैं जवाब दू दूंगा।

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं कि काफी बरनिंग टौपिक हैं। जिला परिशद् की रोड्ज पर जितना भी पैसा लगाया गया था वह जाया हो रहा हैं। अगर मिनिस्टर महोदय जवाब दे सकें तो दे दें।

कंवर राम पाल सिंहः स्पीकर साहब, जो सड़के ब्लौक समितियों की और मार्किट कमेटियों की हैं, उन सड़को के बारे में फैसला किया गया हैं कि जैसे फन्डज मिलते रहेंगे उनको प्रोविन्सिलाइज करते रहेंगे। कुछ सड़को को सरकार ने अपने अधिकार में लिया हैं और कुछ बाकी हैं उनको भी फन्डज मिलने पर लिया जायेगा।

श्री अध्यक्षः मैं अपनी तरफ से सरकार से निवेदन करूंगा कि यह एक महत्वपूर्ण सवाल हैं। इन सड़को के बारे में जल्द से जल्द कार्यवाही होनी चाहिए।

कंवर राम पाल सिंहः स्पीकर साहब, आपके हल्के में जो सड़के थी उनको तो हम ने प्रोविन्सिलाइज कर लिया है।

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं कि जितना जोर उन सड़को को प्रोविन्सिलाइज करवाने में लगाया हैं भाायद एक एम0 एल0 ए0 उतना न लगा सकें।

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय जितनी भी सड़के जिला परिशद् पंचायत समितियों और मार्किट कमेटियों की हैं उनको सरकार एक सप्ताह के अन्दर–अन्दर टेक ओवर कर लेगी। (तालियां)

Mr. Speaker: I am most grateful to the Chief Minister for making this announcement.

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि जो जिला वाईज सड़के बनी हैं, उनमें अन्डर कन्स्ट्रक ान कितनी होती हैं और कितनी कंपलीट हो चुकी हैं?

श्री अध्यक्षः यह अलग सवाल हैं कि कितनी सड़के अन्डर कन्स्ट्रक ान हैं?

कंवर राम पाल सिंहः जितने सड़के पक्की कर दी गई हैं उनका पूरा विवरण दे दिया गया हैं। इसके अलावा जो इन कम्पलीट सड़के हैं उनके लिए अगर सैपरेट नोटिस दिया जायेगा तो जवाब दे दिया जायेगा।

चौधरी गया लालः अध्यक्ष महोदय, चालू वर्श में जो सड़के बननी हैं उनके बारे में सरकार की पालिसी हैं कि 200 घरों की आबादी वाले जो गांव हैं वहां भी सड़के बनायी गयी जायेंगी। क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि मेरे हल्के में धनिया गांव हैं वहां पर भी सड़क बनेंगी?

श्री अध्यक्षः वैसे इस सप्लीमेंटरी का इससे कोई संबध नहीं हैं लेकिन अगर मंत्री महोदय जवाब देना चाहे तो दे सकते है।।

चौधरी राम कि ानः स्पीकर साहब, जिला जीन्द के अन्दर वर्श 1977–78 में 30 किलोमीटर और 1979–80 में 26 किलोमीटर सड़के बनी हैं, जबकि कुरूक्षेत्र जिला के अन्दर 1977–78 में 80 किलोमीटर, 1978–79 में 52 किलोमीटर तथा 1979.–80 में 77 किलोमीटर सड़के बनी हैं। क्या मंत्री महोदय जी बताएगे कि इस डिस्क्रिमे ान को दूर किया जायेगा?

श्री अध्यक्षः यह फिगर्ज तो बड़ी स्ट्राईक करने वाली हैं। It is a very good question.

कंवर राम पाल सिंहः जिला जीन्द अभी नया बना हैं और सोनीपत जिला भी दूसरे जिले से बना हैं। यदि सोनीपत जिले की फिगर्ज देखी जायें तो वे इस जिले से भी कम हैं। नया जिला होने की वजह से यह अन्तर हैं। भविश्य में इस अन्तर को दूर करने का ख्याल रखा जायेगा।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय श्री रामकि ान बैरागी ने अभी कहा कि जिला जीन्द में वर्श 1979–80 में 26 किलोमीटर सड़के बनी हैं। स्पीकर साहब, इसी पीरियड में भिवानी जिले के अन्दर 4 किलोमीटर सड़के बनी हैं। विघ्न) मेरा सवाल यह हैं कि जब कहीं सड़के बनाई जाती हैं तो वहां पर कोई एप्लीके ान ली

जाती हैं या यहीं से कह दिया जाता हैं कि फलां सड़क बना दी जाये। विघ्न) मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि सड़के बनाने का क्राईटेरिया हैं?

कंवर राम पाल सिंहः स्पीकर साहब, इस स्टेटमैंट के साथ एक दूसरी और स्टेटमैंट लगी हुई हैं। इस स्टेटमैंट के अनुसार भिवानी जिले में सबसे अधिक सड़के बनी हुई हैं। इस के अनुसारी वहां 99.57 परसैन्ट सड़के बनी हैं। इस फिगर्ज को देखते हुए भिवानी जिले के अन्दर अन्य जिलों की अपेक्षा सबसे अधिक सड़के बनी हैं। दूसरे जिलों को बराबर लाने के लिए वहां सड़के बनाई जा रही हैं।

श्री अध्यक्षः इसके साथ जो दूसरे स्टेटमैंट लगी बताई गई हैं वह तो मेरे पास नहीं हैं।

कंवर राम पाल सिंहः सर, मेरे पास ऐडि ानल इन्फर्मे ान हैं, उसमें से मैंने यह इन्फर्मे ान दी हैं।

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, अभी श्री रामकि ान बैरागी के प्र न के उत्तर में मंत्री महोदय ने बताया कि जिला जीन्द बाद में बना हैं जबकि यह जिला तो जब हरियाणा बना उसी समय बन गया था। इसकी अपेक्षा सोनीपत जिला तो काफी बाद में बना हैं। इस प्रकार से यह जो फिगर्ज दी गई हैं इससे यह प्रतीत होता हैं कि वहां पर बहुत कम सड़के पक्की की गई हैं।

कंवर राम पाल सिंहः यदि परसैन्टज देखी जाय तो जो स्टेटमैंट मेरे पास हैं उसके हिसाब से जिला जीन्द के अन्दर 96.88 परसैन्ट सड़के बनी हैं।

चौधरी देस राजः स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि करनाल जिला के अन्दर जो गांव यमुना के साथ लगते हैं, क्या उन गांवो को भी सड़को से जोड़ा जायेगा?

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमैन्टरी का इस सवाल से कोई संबंध नहीं हैं।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि करनाल जिले के काफी गावों में जो सड़के अधूरी पड़ी हैं क्या उन को प्रायरिटी बेसिज पर बनाने का सरकार का कोई विचार हैं?

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमेंटरी का इस सवाल से कोई संबध नहीं हैं।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, सदन की पटल पर रखी गई सूचना के अनुसार वर्श 1978–79 में 475 किलोमीटर सड़के पक्की की गई हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि पिछली सरकार ने जिन गांवों के लिए सड़कें बनाने की मन्जूरी दी थी क्या उन सभी सड़को को पूरा कर दिया गया हैं या अलग से मन्जूर भुदा सड़के बनाई जा रही हैं?

कंवर राम पाल सिंहः जो सड़के मन्जूर भाुदा हैं उन सभी को पूरा किया जायेगा।

Shiffting of Headquarters of Industrial Concerns

***1428. Ch. Birender Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to get the Headquaters os such Industrial concers which are not located in the territory of Haryana State shifted to pleased within the state;

b) if so, the steps so far taken or proposed to be taken in this behlaf; and

c) whether any extra revenue is likely to accrue to the State exchequer as a result of such shiffting ; if so, the details thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां। जिन औद्यौगिक इकाईयों के भोयर कैपिटल में हरियाणा औद्योयोगिक विकास निगम ने धन रााि जुटाई हैं उन में से अधिकांा ने रजिस्टर्ड कार्यालय हरियाणा में स्थापित कर लिए हैं। दूसरी इकाईयां जिनको एच0 एस0 कोई सहायता नहीं मिली

हैं उनके हैडक्वाटर्ज हरियाणा में लाने के प्र न का परीक्षण किया जा रहा हैं।

(ख) हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम द्वारा औद्योगिक इकाईयों को भोयर कैपिटल सहायता देने के लिए हरियाणा राज्य में रजिस्र्ड कार्यालय स्थापित करने के विशय में भार्त लगाई जाती हैं। जहां तक अन्य इकाईयों का प्र न हैं, राज्य सरकार ने यह मामला भारत सरकार से उठाया कि संविधान में सं ाोधन करेके इस उद्दे य की पूर्ति की जाए।

(ग) इस चरण पर कोई वित्तीय अनुमान लगाना सम्भव नहीं हैं।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब जो रिप्लाई हमको मिला हैं, उसमें तो यह लिखा हुआ नहीं हैं जो कुछ इन्होंनें पढ़ा हैं। पता नहीं ये कहां से पढ़ गये हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने इस सवाल कै जवाब के बारे में आपको लिखा हैं कि इसका रिवाईज्ड रिप्लाई यह हैं। यह सरकुलेट भी किया हुआ हैं। गवर्नमैंट किसी भी टाईम पर अपने जवाब को रिवाईज कर सकती हैं। हमने अपना यह

रिवाईजड जवाब विधान सभा सचिवालय को भेजा हैं और आपने यह सरकुलेट भी किया हैं।

श्री अध्यक्षः इस सवाल का जो रिवाईज्ड आनसर था, वह सब की मेंजो पर रख दिया गया हैं। (विघ्न भाोर) अगर आप सब मैम्बरान एक साथ बोंलेगे तो हाउस कैसे काम कर सकेगा?

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः मुख्य मंत्री जी को मैं यह स्पश्ट करना चाहता हूं कि पिछले अढाई तीन सालों के अन्दर यह सवाल दो तीन–चार बार पूछा गया हैं और रिप्लाई कि 'Question of shifting the registered offices of the units other than these (in which HSIDC has participation) is under examination,' हमे ाा मिलता रहा हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय इस बात के लिए कोई डैड लाईन फिक्स करने के लिए तैयार हैं कि इस डेट तक इन यूनिट्स के हैड आफिसिज हरियाणा में आ जायें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमारे सामने कानूनी डिफीकल्टी हैं। हमने यह मामला भारत सरकार से उठाया हुआ हैं कि संविधान में सं ाोधन (यदि करना पड़े तो उसे भी) किया जाये। हम तब तक अपना कोई कानून नहीं बना सकते जब तक कि संविधान में सं ाोधन न कर दिया जाये। हम भारत सरकार से इस बारे में पत्र व्यवहार कर रहे हैं, ज्यों की वह इस बारे में सविधान में सं ाोधन करेंगे, त्यों ही हम यह कोि ा ा करेंगे कि ऐसे सारे यूनिट्स के हैड आफिसिज हरियाणा में आ जायें।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, यह कहना कि एच0 एस0 आई0 डी0 सी0 ने जिन इंडस्ट्रियल यूनिट्स में पार्टीसिपेट किया हैं, उनमें ज्यादातर यूनिटस के आफिसिज हरियाणा में हैं, यह बहुत ही मिसलीडिंग हैं। इसलिए वे एक तो यह बतायें कि कितने ऐसे यूनिटस हैं जिनके आफिसिज अभी भी बाहर हैं? ऐसे यूनिट्स जिनमें एच0 एस0 आई0 डी0 सी0 का भोयर–कैपिटल हैं, वे 10–15 से ज्यादा नहीं होगें। लेकिन जहां तक दूसरे यूनिट्स का सम्बन्ध हैं, यानी जो प्राइवेट लोगों के अपने यूनिट्स हैं, उन्होंनें अपने हैड आफिसिज बम्बई, दिल्ली वगैरह भाहरों में रखे हुए हैं और वह अरबों रूपयों का माल हरियाणा की बिजली पानी व दूसरी सहूलियत लेकर बना रहे हैं और उसका फायदा उठा रहे हैं।.....

Mr. Speaker: No interruptions please. The question been better woreded. It should have been asked as to what is the number of units जिनके हैड–आफिसिज हरियाणा में ि ाफ्ट हो चुके हैं और कितने यूनिटस ऐसे हैं जिनके हैड–आफिसिज अभी ि ाफ्ट होने बकाया हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, प्रान्त में कुल 22212 फैक्ट्रीज हैं जिनमें से 335 फैक्ट्रीज ऐसी हैं जिनके अफीसिज स्टेट से बाहर हैं। ज्वायंट सैक्टर की कुल 23 फैक्ट्रीज हैं इनमें से 18 ने अपने आफिसिज प्रान्त में ही खोल रखे हैं। बाकी की जो फैक्ट्रीज हैं, उनके लिए हमने भारत सरकार को

लिखा हुआ हैं। संविधान में सं ाोधन होने के बाद हम उनको कानून तौर पर मजबूर कर सकते हैं कि वे अपने हैड–आफिसिज प्रान्त में खोलें। लेकिन जब तक संविधान न हो, तब तक उन्हें मजबूर नहीं कर सकते कि वे हमारे यहां अपने हैड–आफिसिज खोलें।

Mr. Speaker: I must congratulate the Chief Minister on a very clear cut reply.

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने, जो जवाब हमें पहले मिला हैं उसके अनुसार पार्ट (ए) का जवाब दिया हैं–'' जी नही'' और जब जो जवाब दिया गया हैं उसमें बताया गया हैं– ''जी हां'' और इसके साथ ही मुख्य मंत्री महोदय ने यहां पर लम्बा चौड़ा जवाब पढ़ कर सुना दिया हैं। इससे क्या समझ लिया जाये कि इन यूनिट्स के हैड आफिसिज ि ाफ्ट होने चाहिये या नहीं होने चाहियें?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जवाब वह होता हैं जो मंत्री पढ़कर सुनाये। हमने इस स्थान का रिवाईज्ड रिप्लाई सारे मैम्बर्ज की टैबल पर सरकुलेट करवा दिया हैं।

श्री अध्यक्षः जो जवाब मुख्यमंत्री महोदय ने दिया हैं, मैं उसके लिये उनको मुबारिकबाद देता हूं। इन्होंनें बड़ा स्पश्ट जवाब दिया हैं कि 22212 यूनिट्स में से केवल 335 यूनिट्स के दफ्तर हरियाणा से बाहर हैं। इसके लिए भी प्रयत्न किया जा रहा हैं और सैंटल गवर्नमैंट से ऐप्रोच किया गया हैं ताकि इनको दफ्तर भी

हरियाणा के अन्दर आ जायें। मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा स्पश्ट जवाब और नहीं हो सकता। (व्यवधान व भाोर)

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने यह जवाब दिया हैं कि ज्वायंट सैक्टर वाली 23 फैक्ट्रीज में से 18 के हैड आफिसिज हरियाणा में हैं, केवल 5 के नहीं हैं। जब इन्होंनें यह भार्त लगायी हुई हैं कि ज्वायंट सैक्टर में लगने वाले उन्हीं यूनिट्स के हैडआफिसिज प्रान्त से बाहर क्यों हैं? दूसरे मैं मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिन 335 प्राइवेट फैक्ट्रीज के हैड–आफिसिज हरियाणा में नहीं हैं, उनकी कुल प्रोडक ान कितनी हैं और उसकी वजह से स्टेट को कितने रैवेन्यू का लौस हो रहा हैं?

इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मुझे भी सप्लीमैंट्री पूछ लेने दीजिए। मैं काफी देर से कोि ा ा कर रहा हूं।

श्री अध्यक्षः आपको तो कई बार मौका दे चुका हूं।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, आपने मुझे केवल एक सप्लीमैंट्री पूछने दिया हैं। उसके बाद मुझे आपने मौका नहीं दिया।

Mr. Speaker: Ch. Ram Ji Lal Ji, I have given you maximum chances.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने सवाल के पार्ट सी के जवाब में कहा हैं "Precise comptation is not possible at this stagee" एक तरफ तो मुख्य मंत्री जी यह जवाब देते हैं कि 335 यूनिट्स ऐसे होते हैं जिनके हैड–आफिसिज स्टेट से बाहर हैं और दूसरी तरफ रैवेन्यू के बारे में वे कहते हैं कि प्रिसाईज कमप्युटे ान पौसिबल नहीं हैं। व्यवधान भाोर

Mr. Speaker: Your question is differently read. Your question is, कितने ऐसे यूनिट्स, जिनके हैड–आफिसिज बाहर थे, प्रान्त के अन्दर आ गये और उनके प्रान्त के अन्दर आने की वजह से कितना रैवेन्य बढ़ा हैं?

Ch. Birender Singh: No, Sir, This is not my question. Part c of my question is, " whether any extra revenue is likely to accrue to the State exchange as a result of such shifting, if so, the details, thereof" मुख्य मंत्री जी ने यह बताया हैं कि केवल 335 यूनिट्स ऐसे हैं जिनके हैड–आफिसिज बाहर हैं। मैं इस बारे में जैन साहब की बातों से बिल्कुल सहमत हूं कि ये यूनिटस इतने बड़े–बड़े हैं कि यहां पर करोड़ो रूपया का माल बनता हैं। उन यूनिट्स के हैड आफिसिज स्टेट के अन्दर आ जाने से कम्पीटी ान तो बढ़ ही जायेगा लेकिन उससे गवर्नमैंट को रैवेन्यू कितना ज्यादा मिलेगा, यही मैं पूछना चाहता था?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदया, जैसे मैंने अभी कहा हैं कि 335 फैक्ट्रीज ऐसी हैं जिनके हैड आफिसिज हरियाणा प्रान्त से बाहर हैं। लेकिन हम उनको कानूनी तौर पर मजबूर नहीं कर सकते कि वे अपने हैड आफिसिज हरियाणा के अन्दर खोलें। हमने इसके लिए भारत सरकार से मामलाटेक–अप किया हुआ हैं कि संविधान में सं ाोधन करें ताकि हम ऐसे यूनिटस को इस बात के लिये मजबूर कर सकें कि वे अपना हैड–आफिस प्रान्त के अन्दर ही खोलें। व्यधान भाोर

श्री अध्यक्षः अगर सब मैम्बर साहिब एक साथ बोलेंगे तो मु ि कल हो जाएगी। मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि अगर कमन्यूटै ान हो सके तो कमप्यूटे ान करके मैम्बर साहिब को इन–राइटिग जवाब दे दिया जाए।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृ पा करेंगे कि जब तक भारत सरकार इ स बारे में कोई फैसला नहीं करती, सरकार की और से जो सुविधांए इन इंडस्ट्रीज को दी जा रही हैं उनको वापिस लेकर उन्हें सरकार मजबूर करेंगी कि वे अपने हैड आफिस प्रान्त में ि ाफ्ट करें?

Mr. Speker: I think this will be black-mailing. This is not a supplementary.

Police Traning School, Madhuban

***1439. Sh. Mool Chand Jain:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a) whether the Police personnel deputed to impart training to Constables, Head Constables and other ranks in the Madhuban Police Training school possess requisite qualifications and experience for the purpose;

b) whether all the staff referred in part a above is permanent; and

c) whether it is a fact that generally Police Officers who are departmentally punished or otherwise found in efficient are deputed to the Training school?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) पुलिस प्रि ाक्षण महाविद्यालय, मधुबन में ि ाक्षक स्टाफ को तीन वर्श के लिए प्रति–नियुक्ति पर अन्य पुलिस यूनिटस से लिया जाता हैं। वांछित योग्यता रखने वाले तथा अनुभवी अधिकारियों/कर्मचारीयों, जिन्हें पुलिस कार्य दोनों थोरिटिकल तथा प्रैक्टिल का ज्ञान हो, प्रि ाक्षण महाविद्यालय में नियुक्त किया गया है।

(ख) ि ाक्षक स्टाफ स्थाई नहीं हैं। इस स्टाफ को तीन वर्श के लिए पुलिस यूनिटों से प्रति नियुक्ति पर लिया जाता हैं।

(ग) यह कहना अनुचित हैं कि पुलिस प्र ाक्षण महाविद्यालय में उस स्टाफ को नियुक्ति रूप से किया गया हैं जो विभागीय दण्डित हैं या अनिपुण हैं। स्टाफ का चयन निश्पक्ष रूप से किया जाता हैं। प्राथमिकता विभिन्न विशय के वि ोशज्ञों को दी जाती हैं, जिन्हें पुलिस कार्य थोरिटिकल एवं प्रैक्टिल का ज्ञान हो।

श्री मूल चन्द जैनः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि एक सब–इंस्पैक्टर जो एक रैगुलर थाने में तैनात हैं, उसको ट्रांसफर करके यदि कालेज में लगा दिया जाता है तो उसकी एडी ानल अलाउंस दिया जाता हैं?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, पुलिस में कोई ऐसा रूल नहीं हैं कि अगर किसी पुलिस अफसर को एक जगह से दूसरी जगह ट्रांसफर करके यदि कालेज में लगा दिया जाता हैं तो उसकी एडी ानल अलाउंस दिया जाता हैं?

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने अभी बताया हैं कि स्टाफ का चयन निश्पक्ष रूप से किया जाता हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि निश्पक्ष चयन करने वाली एजेन्सी में कौन–कौन भाामिल है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आई0 जी0 साहब जो हैड आफ दी डिपार्टमैंट हैं, वह इस बात को देखते हैं कि

कौन आदमी किस काम के लिए उपयुक्त हैं। उसी आदमी को डिप्यूट किया जाता हैं।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मेरा सवाल तो यह हैं कि एक सब–इंस्पेक्टर जो एक रैगुलर थाने में काम कर रहा हैं, जब तक उसको एडी ान अलाउंस नहीं दिया जाएगा उसको क्या लालच हैं कि वह दिल लगाकर उस कालेज में काम करे?

श्री अध्यक्षः जैन साहब, किसी फौज के आदमी को या पुलिस के आदमी को गोली के सामने या किसी लड़ाई में भेज दिया जाए तो वह यह तो नहीं कह सकता कि मैं नहीं जाता।

श्री मूल चन्द जैनः जो आफिसर ट्रेनिंग कालेज में आता हैं अगर उसको स्पे ाल अलाउंस दिया जाए तभी वह अच्छी तरह से मन लगाकर काम करेगा। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि सरकार के विचारधीन उसको स्पे ाल अलाउंस देने की कोई बात हैं जिससे कि वे पुलिस अफसर अच्छी तरह से काम कर सके।

Mr. Speaker: That will be an exploitaion

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, पुलिस और फौज के महकमे ऐसे हैं जिनमें अधिकारियों को अनु ाासन में रहना पड़ता हैं और इनमें चाहे किसी भी व्यक्ति की ड्यूटी कहीं भी लगा दी जाए उसको जाना पड़ता हैं। चाहे किसी व्यक्ति को मोर्च पर भेज दिया जाए वह मना नहीं कर सकता। जिनके जिम्मे जो ड्यूटी

लगा दी जाएगी उनको उस ड्यूटी का पालन करना पड़ता हैं। इसके लिए अलग से वेतन दिया जाए या स्पे ाल आलउंस दिया जाए यह कोई उचित बात नहीं हैं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने अभी कहा हैं कि किसी भी पुलिस को कालेज में सजा के तौर पर नहीं भेजा जाता हैं। हमसे कई पुलिस के अफसर मिलते हैं और कहते हैं कि हमको सजा देकर मधुबन भेजा गया हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वे ऐसा क्यों कहते हैं?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं हैं।

श्री मूल चन्द मंगलाः स्पीकर साहब, आमतौर पर देखा गया हैं कि पुलिस का व्यवहार लोगों के साथ अच्छा नहीं होता हैं। पुलिस को कालेज में जो ट्रेनिंग दी जाती हैं क्या उसमें उनको इस बात की ट्रेनिंग दी जाती हैं कि वे अच्छा व्यवहार करें? क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ट्रेनिंग देने के समय इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि ट्रेंनिग लेने वालो को यह सिखाया जाए कि उन्होंनें जनता के साथ कैसे व्यवहार करना है?

श्री अध्यक्षः इस क्वै चन का मेन क्वै चन से कोई सम्बन्ध नहीं हैं। मेरी माननीय सदस्यों से प्रार्थना हैं कि वे स्पेसिफिक सवाल करें और उसको भी मुख्तसिर करने की कोि ा ा करें।

श्री फतेह चन्द विजः मुख्य मंत्री महोदय ने सवाल के पार्ट 'सी' के जवाब में कहा हैं कि किसी को भी सजा के तौर पर मधुबन नहीं भेजा जाता। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि किसी पुलिस अफसर को मधुबन भेजने के एक महीना या पन्द्रह दिन के बाद वहां से ट्रासफर कर दिया जाता हैं तो क्या उसको जब मधुबन भेजा गया था उस वक्त सजा दी गई थी या जब उसको मधुबन से ट्रांसफर किया गया, उस वक्त सजा दी गई थी?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, ऐसा काई रूल नहीं हैं कि किसी आदमी को कहां रखना हैं। जहां सरकार ठीक समझती है उस आदमी को वहां रखती हैं। स्पीकर साहब, हमारा मधुबन पुलिस ट्रेनिग कालेज हैं इसके बारे में कहना चाहता हूं कि यह सारे दे ा में सबसे बढिया कालेज हैं। इस कालेज में बाहर से आकर बहुत व्यक्ति लैक्चर देते हैं और उनका विचार हैं कि हरियाणा का यह कालेज दे ा में सबसे बढिया कालेज हैं और इसके मुकाबले का और कालेज नहीं है।

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत चीफ मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि पुलिस रूल्ज में क्या कोई ऐसा नियम हैं कि किसी पुलिस अफसर को यदि ईनाम दे दिया जाए तो वह कभी वापिस नही होता। अगर दिया हुआ इनाम वापिस ले लिया जायेगा तो इससे उनका मनोबल गिर जाएगा और वे ठीक तरह से काम नहीं कर पाएंगे?

इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया

श्री जय नारायण वर्मा: स्पीकर साहब, एक पुलिस अफसर को ट्रेंनिग कालेज में ट्रांसफर किया जाता हैं और उसको कोई स्पे ाल अलाउंस नहीं दिया जाता क्योंकि वह अनु ाासन बाद में आती हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि एक सिपाही जो अनु ाासन में रह रहा हैं उसको उन सुविधाओं से क्यों वंचित किया जा रहा हैं जो उसको मिलना चाहिए?

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, एक सब–इंसपैक्टर जो थाने में लगा लगा होता हैं उसको थाने में रहकर दूर–दूर तक भागना पड़ता हैं और काम बहुत करना पड़ता हैं। जब उसको कालेज में ट्रांसफर किया जाता हैं तो उसको कहीं भी भागने की आव यकता नहीं हैं। अगर स्पे ाल पे देने की बात हो, वह तो फिर सब–इंस्पेक्टर को देनी चाहिए।

Production of Foodgrains

***1445. Ch. Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the district-wise total production of foodgrans inculding paddy in the State during the years 1977-78 to 1979-80 separatley?

कृशि मंत्री (सरदार तारा सिंह): विवरण सदन के पटल पर रखा जाता हैं।

विवरण

(उत्पादन "000" टन में)

क्रम	जिला	1977–78		1978–79		1979–80	
		चावल	चावल सहित कुल खाद्यान्न	चावल	चावल सहित कुल खाद्यान्न	चावल	चावल सहित कुल खाद्यान्न
1	हिसार	31	635	51	744	45	522
2	सिरसा	49	388	58	510	42	328
3	भिवानी		349		437		255
4	रोहतक	3	355	14	418	1	339
5	सोनीपत	18	273	25	300	20	272
6	गुड़गांव *	3	488	8	546	2	511
7	करनाल	204	766	343	897	302	783
8	कुरूक्षेत्र	417	1019	524	1162	397	974
9	अम्बाला	106	385	144	430	97	331

10	जीन्द	44	441	74	541	51	401
11	महेन्द्रगढ़		242		369		240
	कुलः	965	5341	1241	6354	957	4959

* पुराना गुडगांवा जिला।

Dr. Mangal Sein: Speaker Sahib, we have not followed your point. I would you to please clarify the same.

Mr. Speaker: I said that because that place was far away from Chandigarth, that is why there was drought.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने तो नालिज की कमी की वजह से आप से पूछा हैं वरना ऐसी कोई बात नहीं हैं। (भाोर)

आवाजें: पहाड़ो से टकरा करके खु ाकी आ गयी हैं। (भाोर एंव व्यवधान)

डा0 मंगज सैनः भिवानी वाले भाइ के पेट में दर्द हैं इसलिये खु ाकी आ रही हैं। (भाोर एवं व्यधान)

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, डाक्टर साहब ने भाोर कर दिया था और सवाल समझ में नहीं आया। इसलिये आर्य साहब अगर दोबारा सवाल कर दें तो मैं उनको जवाब दे दूगां।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, हम ने ऐसे सभी इलाको में किसानों को पूरी तरह से कहत पड़ा हुआ हैं। क्या सरकार ने इन हालात को देखते हुए वहां पर पैदावार बढ़ाने के बारे में कोई पग उठाया हैं, या उठाने का विचार रखती हैं?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, हम ने ऐसे सभी ऐसे सभी इलाकों में किसानों को पूरी जरूरते की चीजें मुहैया की हैं और जहां पर मदद नहीं की जा सकी हैं, वहां पर बिजली तेल वगैरह मुहैया किया जा रहा हैं ताकि किसानों को प्रोडक ान बढ़ाने में किसी प्रकार की दिक्कत न आयें और अपनी फसल अच्छी प्रकार से बढ़ा सकें। जैसे चावल की फसल हैं, ऐसी फसल महेन्द्रगढ़ वगैरह मैं कभी नहीं हुई हैं और 77–78 तथा 78–79 की बजाये 79–80 में दूसरी फसल कम हुई हैं और अब सरकार भरसक प्रयत्न कर रही हैं कि आगे से ऐसा न होने पाये।

चौधरी राम लाल वधवाः अभी मिनिस्टर साहब ने कहा हैं कि कम प्रोडक ान के बारे में सब को पता है कि ऐसा क्यों नही हुआ। तो मै मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सरकार किसानों को डीजल और दूसरी जरूरत की चीजों को मुहैया करने में जो नाकामयाब रहीं हैं उसकी क्या वजह हैं?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, आनरेबल मैंम्बर का यह कहना कि सरकार चीजे मुहैया करने में नकामयाब रही हैं, यह बिल्कुल गलत बात हैं। सरकार को पूरी कामयाबी से हर जिले की डीजल और बिजली की सप्लाई दी जाती हैं। सरकार की मदद करने के कारण से ही फसलें काफी अच्छी पैदा हुई हैं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि प्रदे ा में सूखा पड़ा हैं। मैं उन से यह जानना चाहता हूं कि इस सूखे पड़ने के कारण हैं

इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया

Closure of sick Corporations in the State

***1413. Ch. Har Swarp Bura:** Will Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to wind up the sick Corporation in the State; if so, the time by which these are likely to be wound up?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): राज्य में ऐसी निगम नहीं हैं जिसे अस्वस्थ इकाई कहा जा सके, ऐसी सिथित में किसी नियम को बन्द करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नहीं हैं। यह ठीक हैं कि कुछ कम्पनियां जो कि पब्लिक सैक्टर में स्थापित की गई हैं, उनकी बुकिंग रिजल्ट्स पूर्ण रूप से सतोंशजनक नहीं हैं। सरकार लगातार उनके कार्यो की जांच कर रही हैं और ऐसे उपायो की खोज कर रही हैं जिनसे उन के

कार्यो में सुधार लाया जा सकें। अभी तक ऐसी किसी संस्था को बंद किये जाने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया हैं।

चौधरी हर स्वरूप सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री महोदय ने अपने उत्तर में यह कहा हैं कि राज्य में ऐसी कोई निगम नहीं हैं जिसे अस्वस्थय इकाई कहा जा सके। लेकिन जिन की सिथित सन्तोशजनक नहीं हैं क्या सरकार उनको बन्द करने का विचार रखती हैं?

श्री अध्यक्षः इसका उत्तर आ चुका हैं।

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में कहा हैं कि राज्य में कोई सिंक यूनिट्स नहीं हैं लेकिन मैं उन्हें पब्लिक अन्डर टेकिंग्ज कमेटी की मैम्बर होने के नाते यह बता सकती हूं कि राज्य में कई ऐसी कम्पनियां हैं जोकि घाटे में चल रही हैं जैसे हरियाणा टेनरीज, हरियाणा मिनरलज, हरियाणा टेलीविजन, हरियाणा मैचिज बूरिया इत्यादि, इत्यादि क्या सरकार इन सबको बन्द करने का विचार रखती हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर्ज को खूद सवाल को अच्छी तरह से पढ़कर आना चाहिए। यह प्र न न यूनिट्स से सम्बन्धित हैं न कम्पनियों से सम्बन्धित है। फिर भी मैं बता देता हूं। यह ठीक हैं कि कुछ कम्पनियां जोकि पब्लिक सैक्टर में हैं उनकी वर्किंग पूर्णतः सन्तोशजनक नहीं हैं। सरकार

लगातार उनके कार्य में सुधार लाने के लिये जांच कर रही हैं और उपायों की खोज कर रही हैं।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मैं मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सिक मिल्ज की डैफिने ान क्या हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यहां मिलों का जिक्र नहीं हैं, यहां पर तो नियमों की बात चल रही हैं।

चौधरी हर स्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने अपने उत्तर में यह कहा हैं कि कुछ कम्पनियां जोकि पब्लिक सैक्टर में स्थापित की गयी हैं, उनकी वर्किग रिजल्ट्स पूर्णतः सन्तोशजनक नहीं हैं। क्या मुख्यमंत्री महोदय बतायेंगे कि इन कम्पनियों के एम0 डीज0 वगैरह की जो जल्दी–जल्दी ट्रांसफर्ज हो जाती हैं यही कम्पनियों के घाटे का कारण तो नहीं हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात नहीं हैं।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Questions Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये ताराकिंत प्र नों के लिखित उत्तर

Loss days in the T.I.T & B.T.M. Mills at Bhiwani

***1416. Sh. Hira Nand Arya:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a) the month-wise total number of loss days caused by strikes/ lock-outs ect. in the industrial units in the State during the year 1979; and

b) The number of loss days in the T.I.T Mills and B.T.M. Mills at Bhiwani since 1st October, 1979 to date?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) वांछित सूचना नीचे दी जाती हैं:–

मास	क्षतिग्रस्त श्रमिक दिनों की संख्या
जनवरी	97769
फरवरी	23862
मार्च	38017
अप्रैल	91358
मई	27873

जून	9430
जुलाई	35897
अगस्त	83446
सितम्बर	120920
अक्टूबर	13950
नवम्बर	3950
दिसम्बर	20269
योग	266741

(ख) भून्य।

Reservation in promotion for the persons belonging to Schedulded Castes as Commercial Assistants

***1458. Mater Jogi Ram**: Will the Minister for irrigation and Power be pleased to state-

a) whether Commericial Assistants belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Backwards Classes employed in the Haryana State Electricity Board have so far been

promoted as per instruction of the Government regarding resevation in promotions for these classes; and

b) if reply to part (a) above a be in the affirmative the number thereof to-date and wheather it conforms to the percentage of reservation fixed for them; if not, the resons therefor?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) जी हां

(ख) अनुसुचित जाति, अनुसूचित कबीलों तथा पिछड़े वर्ग से संबंधित 11 वाणिज्य सहायकों की पदोन्नति की गई हैं। निर्धारित आरक्षण की प्रति ातता के अनुसार, केवल एक पत्र अभाव हैं, जो कि जब कभी भी योग्य व्यक्ति मिलेगा, भर लिया जायेगा।

Up-gradation of Schools

***1451. Ch. Ram Lal Wadhwa}**

Ch. Jagit Singh Pohloo}: Will the Chief Minister be pleased to state the district-wise total number of schools upgraded from Primary to Middle and from Middle to High Schools in the State during the years 1977-78, 1978-79 and 1979-80 (up to 31 st January, 1980) separately?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वाछिंत सूचना सदन के पटल पर रखी जाती हैं।

Statement

		1977-78		1978-79		1979-80	
Sr. No	Name of Disst.	Primary to Middle	Middle to High	Primary to Middle	Middle to High	Primary to Middle	Middle to High
1	Ambala			5	5	14	11
2	Bhiwani			7	5	21	18
3	Gurgaon			8	4	22	21
4	Hisar	3	1	11	3	24	23
5	Jind			5	3	12	11
6	Kurukshetra			8		13	14
7	Karnal			5	4	19	14
8	Narnaul			6	2	14	15
9	Rohtak	1	1	8	8	21	17
10	Sirsa			4	3	19	7
11	Sonepat		1	4	3	12	7
	total	4	3	71	40	191	158

Share of Development Blocks i Land Revenue

***1429. Ch. Birinder Singh:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

a) whether any share of land revenue is paid to the Blocks in the State; if so the total amount so paid during the years 1978-79 and 1979-80, separately; and

b) whether there is any proposal under consideration of the Government to enhance the share referred to in part (a) above, during the year 1980-81?

विकास मंत्री (राव राम नारायण):

(क) (I) जी हां

(II) लैण्डं होल्डिंग टैक्स (न कि भू–राजस्व) जो कि प्रत्येक पंचायत समिति के क्षेत्र में एकत्रित किया जाता हैं उसका प्रत्येक पंचायत समिति को प्रति वर्श 7% भाग समानुदे ा किया जाता हैं।

वर्श 1978–79 में पंचायत समितियों को 3633000/– रूपये तथा वर्श 1979–80 में 2943153/– रूपये की रा ि । 7% लैण्डं होल्डिंग टैक्स में समानुदे । की गई हैं।

(ख) जी नहीं।

Schools/ Collegs Syallabi Revision Committee

***1440.Sh. Mool Chand Jain:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a) wheather it is a fact that a Committee for the revision of the syllabus of various classes in the schools/colleges in the State has been appointed; if so, the date of its appintment together with the names of the members of the said Committee;

b) whether the aforesaid Committee has sumitted its report; if so, a copy therof be laid on the Table of the House; and

c) whether there is any proposal under consideration of the Government to intriduce ethical and moral education in the schools/colleage in the State?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती हैं।

सूची

स्कूल पक्ष

(क) जहां तक स्कूल पक्ष के सलेबस का सम्बन्ध हैं, स्कूल ि ाक्षा बोर्ड, हरियाणा द्वारा विद्यालय पाठ्य–क्रम में सं ाोधन के लिये 30–11–79 को एक तालमेल समिति का गठन किया गया हैं। इस समिति के सदस्यों के नाम निम्नलिखित हैं:–

1. सचिव, हरियाणा सरकार, ि ाक्षा विभाग
   अध्यक्ष
2. निदे ाक, ि ाक्षा विभाग कालिज, हरियाणा सदस्य
3. निदे ाक, ि ाक्षा विभाग (विद्यालय), हरियाणा
4. अध्यक्ष, स्कूल ि ाक्षा बोर्ड, हरियाणा
5. निदे ाक, एस0 सी0 आर0 टी0 गुडगांव
6. श्री गोपाल दास खन्ना, चण्डीगढ़

(ि ाक्षा भाास्त्री)

7. डा0 बी0 मेहदी, पाठ्य–क्रम वि ोशज्ञ (ि ाक्षा) एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 देहली

8. डा0 एल0 के गुप्ता, कालेज आफ ऐजुके ान (विज्ञान) कुरूक्षेत्र

9. डा0 सी0 एल0 कुन्डू, अध्यक्ष डिपार्टमैंट आफ ऐजूके ान (ि ाक्षा) कुरूक्षेत्र
सदस्य

10. श्रीव के0 के0 मेहता (अंग्रेजी)

11. श्री बलबीर चन्द्र, मुख्याध्यापक (गणित)

12. श्री ई वर दयाल भार्मा, मुख्यध्यापक (सामाजिक विज्ञान)

13. श्री ओमप्रका ा निर्मल (राज्य पुरस्कार विजेता हिन्दी) राजकीय माडल स्कूल, सिरसा।

(ख) समिति ने अपनी रिर्पोट प्रस्तुत नहीं की हैं।

(ग) जी नहीं।

कालेज पक्ष

(क) जहां तक महाविद्यालयों के पाठ्य क्रम के बनाने/सं ाोधन इत्यादि का सम्बन्ध हैं, यह कार्य वि वविद्यालयों द्वारा बोर्ड आफ स्टीडीज से करवाया जाता हैं। एकैडमिक कौसिल द्वारा किसी कमेठी का गठन नहीं किया हुआ हैं।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नहीं होता।

(ग) जी नहीं।

Elections to Municpal Committes

***1446. Ch. Ram Lal Wadhawa:** Will the Minister for Local Government be pleased to state whether there is any proposal nuder considerration of the Government to hold elections of the Municipal Committees in the State, and if so, the date by which these are proposed to be held?

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी खु िंद अहमद): जी हां सरकार का 31—12—80 से पूर्व सभी नगरपालिकाओं के चुनाव करवाने का प्रस्ताव हैं।

Relief for drought affected areas

***1414. Ch. Har Swarup Bura:** Will the Minister for Revenue be pleased to state the district-wise total amount of loss occurred recentlyu due to drought in the State togethe with the amount given to the affected persons as relief in cash and kind; if any?

Revenue Minister (Ch. Sher Singh): A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Statement showing the loss on account of drought and relief in cash and kind.

			TACCAVI ALLOTMENT				SUBSIDY ALLOTMENT		
Sr. No.	Name of Distt.	Loss Rs. (crores)	Relief in Cash	Fertilizer Rs.	Seed Rs.	Fodder Rs.	Fetiliz er Rs.	Seed. Rs.	Fodder Rs.
1	Rohtak	8.277		1500000	1400000	1000000		552000	750000
2	Bhiwnai	9.562		600000	470000	2500000		98300	1875000
3	Gurgaon	4.686		1300000	1250000	**500000		978500	375000
4	Narnaul	5.700		1000000	875000	2500000		241200	1875000
5	Ambala	20.538		2800000	775000			418500	
6	Hisar	26.590		3500000	1625000	1000000		535500	750500
7	Sonepat	4.895		1800000	887000			481000	
8	Kurukshetr	23.049		5400000	1432000			832500	

	a								
9	Jind	3.820		2000000	2780000	1000000		908500	750500
10	Karnal	25.348		5400000	1448000			757250	
11	Faridabad			1200000	1248000				
12	Sirsa	22.645		3500000	1060000	500000		335500	375000
						*1000000			*750000
	Total	165.110		30000000	15250000	10000000		6138750	7500000

*Reseve with Headquaters.

**This includes allotments for Faridabad District also.

***This includes figures of Faridabad also.

Sr. No.	District	Allotment of foodgrains under the 'Food for Work' Programme			Allotment of funds for purchase/distribution of quits/blankets (In Rs)	Other major relief measures
		Wheat (MT)	Rice (MT)	Total (MT)		
1	Rohtak	7300	300	7600	25000	1. Government of India have sanctioned financial assistance of Rs. 4 Crores for accelertion of major for genrationg additional employment in drought affected

						areas and a subsidy of Rs. 50 lacks for small and marginal farmers.
2	Shiwani	9300	750	10050	50000	
3	Gurgaon	4755	650	5405	25000	
4	Narnaul	8050	*750	8800	50000	
5	Ambala	5300	1000	6300	25000	
6	Hisar	4300		4300	25000	
7	Sonepat	7450	750	8200		
8	Kurukshetra	3350	250	3600		
9	Jind	3000	500	3500		
10	Karnal	3050	750	3800	25000	2.Suspension emission of Land Holding Tax

						and Abiana
11	Faridabad	3945	300	4245		3. Postponement of recovery of taccavi for six months and reshceduling of Cooperative loans.
12	Sirsa	2240		2240		
13	Irrigation	1000		1000		
14	Fisheries	400		400		
15	PWD (B&R)	350		350		
16	Forests Deptt.	210		210		
	Total	6400	6000	70000	225000	

Water supply schemes in the Ratia Consittuency

***1429. Ch. Peer Chand:** Will the Minister for Irrigations and Power be plased to state-

a) whether there in any proposal under consideratioin of the Government to start the construction work of the water supply scheme at Nagpur; Barhchalnwali and Khumbar in the Ratia constituency; and

b) if so, the time by which the aforesaid construction work is likely to be statered and completed?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) नहीं जी।

(ख) प्र न ही नही उडता।

Reservatiion of posts for Ex-sevicemen

***1490. Capt. Mange Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a) whether the quota of posts reserved for Ex-sevicemen in the matter of recuitment/promotiion in various Government Deparment has been adhered to according to Government instrucions; and

b) if reply to part (a) above be in the negative, the names of the Department where the

Government instructiions regarding reservation of posts referreds to above have not been complied with and the steps taken or proposed to be taken to ensure that these instructions are strictly complied with?

Interim Reply

"भजन लाल

अ0स0प0कु012/8/80/जी0 एस–II

मुख्य मंत्री, हरियाणा

दिनांकः मार्च, 1990

प्रिय कर्नल राव राम सिंह जी,

तारांकित विधान सभा प्र न 1490 का उत्तर विधान सभा कार्यसूत्री के अनुसार 5–3–1980 को देय हैं।

इस प्र न में वाछिंत सूचना सभी विभागों में एकत्रित की जा रही हैं। सूचना को प्राप्त में कुछ लगने की संभावना हैं। अतः मेरी प्रार्थना हैं कि इस प्र न का उत्तर देने के लिए आप कृपया 10 दिन का समय देने की कृपा करें।

आदर सहित,

आपका

हस्ता/–

(भजन

लाल)

कर्नल राव राम सिंह,

अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा,

चण्डीगढ़।"

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Strength of Police

321. Ch. Ram Lal Wadhwa: Will the Chief Minister be pleased to state the Police Station-wise strength of Constables, Head Constables A.S. Is, S. Is and Inspector in the State at present?

Chief Minister (Ch. Bhajan Lal): The requiste information has been given in the enclosed statement.

Statement

		Inspr.	Sis.	ASIs.	HCs.	Consts.
1.	P.S. Ambala City		1	3	8	46
	Watch & Ward Staff		1	1	9	91
	P.P. Baldev Nagar				1	6
	P.P. Model Town				1	6
	Total		2	4	19	149
2	P.S Ambala Cantt.	1	2	4	19	21
	Watch & Ward Staff		2	1	10	118
	P.P. Mahesh Nagar				1	6
	Total	1	4	5	30	245
3	P.S. City Yamuna Nagar	1	1	3	8	8
	Watch & Ward Staff		1	1	11	98
	Total	1	2	4	19	106

4	P.S. Sadar Ambala		1	2	3	18
	P.P. Nagal-I			1		6
	Total		1	3	3	24
5	P.S. Mulana		1	3	2	18
	P.P. Barara			1	1	8
	Total		1	4	3	26
6	P.S Chhapar		1	1	2	16
7	P.S. Jagadhari		1	2	4	20
	P.P City Jagadhari			1	2	24
	Total		1	3	6	44
8	P.S. Sadar Yamuna Nagar		1	1	2	18
9	P.S. Chhachhrauli		1	1	2	16
	P.P. City Chhachhrauli				1	8
	Total		1	1	3	24
10	P.S. Bilaspur		1	1	2	16
11	P.S. Sadhaura		1	1	2	16

	P.P. City Sadhaura				1	10
	Total		1	1	3	26
12	P.S Naraingarth		1	1	2	16
	P.P. Shahzadpur				1	8
	P.P. Patwi			1		4
	Total		1	2	3	28
13	P.S. Raipur Rani		1	1	2	16
	P.S. Chandi Mandir		1	1	3	21
	P.P. Panchkula			1	1	8
	P.P. Panchkula Project			1	1	12
	Total		1	3	5	41
15	P.S. Pinjore		1	1	2	16
	P.P. Surajpur				1	4
	P.P HMT Pinjore				1	4
	Total		1	1	4	24
16	P.S. Kalka		1	1	2	11
	P.P. City Kalka				1	10

	Total		1	1	3	21
2. Kurkushetra						
1	P.S. Thanesar		4	5	5	20
	Watch& Ward Staff				2	20
	P.P. City Thanesar			1	1	15
	P.P. Kurukshetra			1	1	8
	Total		4	8	10	71
	P.S. Shahbad		3	4	4	26
	P.P. Shahbad				2	15
	Total		3	4	6	41
3	P.S. Ladwa		3	7	2	32
	P.P. Babain			1	1	8
	Total		3	8	3	40
4	P.S. Raedaur		1	1	2	16
5	P.S.Thaska		1	3	2	20
6	P.S. Pehowa		3	5	5	28
	P.P. Dhand				1	5

	Total		3	5	6	33
7	P.S. Guhla		2	3	5	22
	P.P. Cheeka			1	1	6
	Total		2	4	5	34
8	P.S. Pundir		2	4	4	24
	P.P. City Pundir				1	10
	Total		2	4	5	34
9	P.S. Sadar Kaithal		3	4	4	22
10	P.S. City Kaithal		3	1	4	26
	Watch& Ward Staff			1	5	46
	Total		3	2	9	72
3. Karnal District						
1	P.S. City Karnal		5	8	5	30
	Watch & Ward Staff	1	4	11	15	161
	Total	1	9	19	20	191
2	P.S. City Panipat	1	5	4	5	22
	Watch& Ward		3	13	14	154

	Staff					
	Total	1	8	17	19	176
3	P.S. Sadar Panipat		3	5	5	28
4	P.S. Samalkha		3	3	2	28
5	P.S. Urlana		1	2	2	18
	P.P. Nautha (Israna)			1		5
	Total		1	3	2	23
6	P.S. Sadar Karnal		3	5	6	26
7	P.S. Gharaunda		3	5	3	28
8	P.S. Nissing		2	3	3	22
9	P.S. Assandh		1	2	3	18
10	P.S. Butana		2	3	3	22
	P.P. Nilokheri			1	2	8
	Total		2	4	5	30
4.Sonepat District						
1	P.S. City Sonepat		7	3	8	42
	Watch & Ward Staff			1	5	27

	Total		7	4	13	99
2	P.S. Sadar Sonepat		1	1	2	16
3	P.S. Rai		1	3	2	20
4	P.S. Gannaur		1	2	4	19
5	P.S. Gohana		2	2	3	15
	Watch & Ward Staff				1	8
	Total		2	2	4	23
6	P.S. Kharkhoda		1	2	2	18
7	P.S. Baroda		1	2	2	18
5. Gurgaon District						
1	P.S. City Gurgaon		3		6	47
	Watch& Ward Staff		1	1	2	27
	Total		4	1	8	74
2	P.S Sadar Gurgaon		1	3	4	185
3	P.S. Farrukh Nagar		1	1	2	16
4	P.S. Tauru		1	1	2	16

5	P.S. Ferozepur Jhirka		1	1	2	16
	P.P. City				1	10
	Total		1	1	3	26
6	P.S. Sohna		1	1	2	16
	P.P. City Sohna				1	10
	Total		1	1	3	26
7	P.S. Punhana		1	1	2	16
8	P.S. Pataudi		1	1	2	16
	P.S. City Pataudi				1	10
	P.P. Heli Mandi				1	6
	Total		1	1	4	32
9	P.S. Nuh		1	1	2	16
6. Faridabad Distrcit						
1	P.S. N.I.T. Faridabad	1	6	7	12	108
	Watch and Ward Staff				5	45
	P.P. Badkhal lake			1	1	20
	P.P. Suraj Kund				1	4

	Total	1	6	8	19	177
2.	P.S. Central Faridabad	1	4	5	12	108
	Watch & Ward Staff			1	2	24
	P.P. Old Faridabad					6
	Total	1	4	7	14	138
3	P.S. Ballabgarth		2	4	3	22
	P.P. Ballabgart			1	4	27
	Total		2	5	7	49
4	P.S. Chhansa		1	2	2	18
	P.P. Kurali			1	1	10
	Total		1	3	3	28
5	P.S. Hathin		1	1	2	16
6.	P.S. Sadar Palwal		1	1	1	16
7	P.S. City Palwal			2	5	5
	Watch and Ward Staff				1	12
	Total		2	5	6	50

8	P.S. Hodel		1	1	2	16
9	P.S. Hassanpur		1	1	2	16
7. Hisar District						
1	P.S. City Hisar	1	5	8	2	37
	Watch & Ward Staff		1	1	16	103
	P.P. HMT Hisar			1	1	10
		1	6	10	19	150
2.	P.S. City Hansi		3	6	1	26
	Watch& Ward Staff		1		6	44
	Total		4	6	7	70
3	P.S. Sadar Hisar		3	6	5	28
	P.P. Balsamad					3
	P.P. Adampur			1	1	10
	P.P. Piranwali			1	1	8
	Total		3	8	7	49
4.	P.S. Tohna		3	3	3	24
	P.P. City Tohana				1	10

	P.P. Jakhal			1	1	8
	Total		3	4	5	42
5	P.S. Barwala		1	3	2	20
	P.P. Uklana			1		6
	Total		1	4	2	26
6	P.S.Fatehabad		4	5	5	28
	P.P. City			1	1	16
	P.P. Bhattu Kalan			1		6
	Total		4	7	6	50
7	P.S. Ratia		2	6	4	23
8	P.S. Bhuna		1	3	3	20
9	P.S. Sadar Hansi		1	4	2	21
10	P.S. Narnaund		1	4	2	21
8.Sirsa District						
1	P.S. City Sirsa		3	3	6	52
	Watch and Ward Staff				3	30
	Total		3	3	9	82
2	P.S. Sadar Sirsa		2	3	3	22

	P.P. Jamal			1	1	10
	P.P. Dingh			1		6
	Total		2	5	4	38
3	P.S. Rania		1	2	3	18
	P.P. Kariwala			1	1	8
	Total		1	3	4	26
4	P.S. Ellenabad		2	5		
5	P.S. Dabwali		2	3	3	22
	P.P. Mandi Dabwali				1	10
	P.P. Chautala			1	1	10
	Total		2	4	5	42
6	Total Kalanwali		1	1	2	16
7.	P.S. Baragudha		2	4	3	24
	P.P. Rori			1	1	9
	Total		2	5	4	33
9.Bhiwani District						
1	P.S. City Baiwani	1	3	6	5	27
	Watch and Ward			2	11	111

	Staff					
	Total	1	3	8	16	138
2	P.S. Dadri		3	3	5	22
	Watch & Ward Staff			1	2	16
	P.P. Bond			1	1	8
	Total		3	5	8	46
3	P.S Sadar Bhiwani		2	3	2	22
4	P.S. Satnali		1	1	3	16
5	P.S. Loharu		1	1	3	16
6	P.S. Badhra		1	1	2	16
7	P.S. Behal		1	2	2	16
	P.P. Chehar Kalan			1	1	6
	Total		1	3	3	22
8.	P.S. Siwani		1	1	2	16
1	P.P. Tosham		1	1	2	16
10	P.S. Bawani Khera		1	2	2	16

	P.P. Kairon			1		6
	P.P. Dhanana			1	1	8
	Total		1	4	3	30
10. Rohtak District						
1	P.S. City Rohtak	1	3	4	7	29
	Watch and Ward Staff		1	1	15	154
	P.P. Medical College, Rohtak		1	1		15
	Total	1	5	6	22	198
2	P.S. Sadar Rohtak		1	3	2	20
3	P.S. Kalanuar		1	2	2	18
4	P.S. Meham		1	3	3	20
	Watch and Ward Staff				1	12
	P.P. Lakhanmajra			1	1	4
	Total		1	4	5	36
5	P.S. Jhajjar		1	1	3	16
	watch & Ward Staff			1	2	20

	Total		1	2	5	36
6	P.S. Bahadurgarth	1	2	4	5	26
	Watch & Ward Staff			3	3	27
	Total	1	2	7	8	53
7	P.S. Beri		1	1	2	16
	Watch & Ward Staff				2	12
	Total		1	1	4	28
8	P.S. Sahlaswas		1	1	2	16
	P.P. Nahar			1	1	7
	Total		1	2	3	23
9	P.S. Sampla		1	2	2	16
11. Jind District						
1.	P.S. Jind		2	4	4	22
	Watch & Ward Staff				4	39
	Total		2	4	8	61
2	P.S. Narwana		3	5	5	26

	Watch & Ward Staff				2	16
	Total		3	5	7	42
3	P.S. Safidon		2	4	3	24
	Watch & Ward Staff				1	8
	P.P. Pillu Khera			1		6
	Total		2	5	4	38
4	P.S. Kalyat		2	2	2	20
	P.P. Kalyat Mandi			1		6
	Total		2	3	2	26
5	P.S. Rajaund		1	4	3	22
6	P.S. Jullana		1	2	2	18
7	P.S. Uchana		1	2	1	18
12. Mohindergarth						
1	P.S. Narnaul		1	2	3	20
	Watch & Ward Staff				4	35
	Total		1	2	7	55
2	P.S. Sadar Rewari		1	2	3	20

	P.P. Dharuhera				1	5
	Total		1	2	4	25
3	P.S Bawal		1	1	2	16
	Watch & Ward Staff		1	1	1	10
	Total		1	1	3	26
4	P.S. Jatusana		1	1	2	16
	P.S. Khol		1	1	2	16
	P.S.Kanina		1	1	2	16
	Watch & Ward Staff				1	8
	Total		1	1	2	16
7	P.S. Ateli		1	1	2	16
	Watch & Ward staff				1	4
	Total		1	1	3	20
	P.S. Mohindergarth		1	1	3	18
	Watch & Ward Staff				1	12
	Total		1	1	4	30

9	P.S. Nangal Ch.		1	1	2	16
10	P.S. City Rewari		1	2	5	21
	Watch & Ward Staff		1	1	7	58
	Total		2	3	12	79
13. Govt Railway Police, Ambala Cantt.						
1	G.R.P.S Ambala Cantt		2	1	8	25
	Watch & Ward Staff		1		2	8
	Out Post Jagadhri			1		4
	Total		3	2	10	37
2	G.R.P.S. Kalka		1	1	2	9
	Watch & Ward Staff		1		1	8
	Out Post of Chandigarth			1	2	8
	Total		2	2	5	25
	G.R.P.S Karnal		1	2		7
	Watch & Ward				1	5

	Staff					
	Out Post Kurukshetra				1	4
	Out Post, Panipat				1	3
	Out Post, Sonepat				1	3
	Total		1	2	4	22
	G.R.P.S Jind		2	1	1	8
	Watch & Ward Staff				1	8
	Out Post, Narwana				1	2
	Out Post, Rohtak				1	4
	Total		2	1	4	22
5	G.R.P.S Hisar		1	1	3	7
	Watch & Ward Staff				1	7
	Out Post, Sirsa				1	3
	Out Post, Bhiwani				1	3
	Out Post, Jakhal			1	1	4

	Out Post, Dabawali			1	1	8
	Total		1	3	8	32
6	G.R.P.S Rewari		1	1	3	9
	Watch & Ward Staff				1	8
	Out Post, Narnaul			1	1	3
	Out Post, Palwal				1	2
	Out Post, Dadri				1	2
	Out Post, Loharu				1	4
	Out Post, Faridabad				2	8
	Out Post, Gurgaon				1	3
	P.P. GRP, Delhi			1	3	16
	Total		1	3	14	55

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

सदन के बैठक के समय संबंधी

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस (15.00 बजे) के रूल 15 (2) के अनुसार मैं हाउस को इन्फार्म करता हूं कि 6 मार्च, 1980 यानी कल से हाउस हर सोमवार को 2 बजे दोपहर मीट रहेगा और साढ़े 6 बजे ऐडजर्न होगा। बाकी दिनों यानी मंगलवार, बुद्धवार, वीरवार और भाुक्रवार को हाउस प्रातः 9 बजे मीट करेगा और डेढ़ बजे ऐडजर्न होगा।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, 9 बजे की बजाए साढ़े 9 बजे ठीक रहेगा। (व्यवधान)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): हमने साढ़े 9 बजे इसलिये किया हैं ताकि माननीय सदस्यगण को बोलने के लिये अधिक समय मिल सके। अगर माननीय सदस्यगण यही चाहते हैं कि हाउस साढ़े 9 बजे ही मीट हो तो मुझे कोई ऐतराज नहीं हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरा ख्याल हैं कि साढ़े 9 बजे मीट करने से सदस्यों को समय कम मिलेगा और जितना बिजनैस हाउस के सामने हैं वह पूरा नहीं होगा। (व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः आप साढ़े 9 बजे मीट करके 2 बजे खत्म कर लें। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः 2 बजे तो खाना खाने का टाईम होता हैं। (व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, बेहतर होगा अगर आप एक दिन गवर्नर ऐड्रैस पर डिसक ान बढ़ा दें। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर सहाब, आपका कहना बिल्कुल ठीक हैं कि हाउस सोमवार के इलावा साढ़े 9 बजे की बजाय 9 बजे मीट करें। अगर आप उचित समझें तो डेढ़ बजे की बजाये 2 बजे तक भी हाउस चल सकता हैं। (व्यवधान)

Mr. Speaker: What is the sense of the House?

आवाजें:सोमवार के इलावा बाकी दिनों 9 बजे से डेढ़ बजे तक ही ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्षः हाउस की सैंस यही हैं कि यह 6 मार्च, 1980 को यानी कल से हर सोमवार को 2 बजे बाद दोपहर मीट करेगा और साढ़े 6 बजे ऐडजर्न होगा। बाकी दिनों, यानी मंगलवार, बुधवार, वीरवार, और भाुक्रवार को हाउस प्रातः 9 बजे मीट करेगा और डेढ़ बजे ऐडजर्न होगा।

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग

राज्यपाल के अभिभाशण में पहली सरकार की उपलब्धियों के वर्णन सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, as you are aware, Sh. Kanwal Singh, M.L.A. raised a point of order on the 4th March, 1980, to the effect whether the present Government (Governor) could mention the achievnements of the previous Government of which they were the Members in the Governor's Address. I have examined this point in details.

The Governor's Address contains a review of the activties and achivements of the Government during the prevision year and its policy with regard to important problems as also the legislative proposals and financial recommendations. According to Article 163 (1) fo the Constitution, 'there shall be a Council of Minister with the Chief Minister at the head to aid and advise the Governor in the exercise of his functions, except in so far as he is by or under this Constitution required to exercise his functions or any of them in his discretion.'

The Government is a permanent body and has a perpetual succession and Governor being the head of Executive (Government) can rightly mention the activities and achiveemets made by his Goverments during the previous year irrespective of the fact whether his Council of Ministers was headed by one person or the other.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमि ान हैं। मैंने कल एक प्वायंट आफ आर्डर रेज किया था। मुख्य मंत्री जी ने फरमाया था कि "यह भजन लाल की सरकार हैं" और हमने आपसे पूछा था कि अब यह कांग्रेस (इ) की सरकार हैं, भजन लाल एंड कम्पनी की सरकार हैं या जानता पार्टी की सरकार हैं?

मैं जानना चाहता था कि यह किस की सरकार हैं? इस प्वायंट पर हमने क्लैरिफिके ान मांगी थी।

श्री अध्यक्षः जो मैंने रूलिंग दे दी हैं, इस पर कोई डिसक ान नहीं होनी चाहिए। लेकिन मैं एक बात स्पश्ट कर देता हूं कि पिछले साल जो सरकार थी उस पर गवर्नर साहब का पूरा अख्तियार हैं और वे पिछली सरकार की अचीवमेंट्स पर तथा अगले साल पर डिसक ान करने के लिये अपने टाईम फिक्स नहीं किया हैं।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब प्र न सं0 1417 पर आधा घंटा डिसक ान के लिये आपने फरमाया था कि लिख कर दे दो, मैंने लिख कर दे दिया हैं लेकिन उस पर डिसक ान करने के लिये आपने टाईम फिक्स नहीं किया हैं।

श्री अध्यक्षः वह एडमिट हो गया हैं और बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी के सामने उसे टाईम अलाटमैंट के लिये रखा जाएगा। कमेटी जो टाईम मुकरर्र होगी उसके मुताबिक डिसक ान होगी।

ध्यानकर्शण सूचना–

आव यक वस्तुओं अर्थात् मिट्टी का तेल, चीनी, सीमेंट, वनस्पति–बी आदि की कमी सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान चौधरी हर स्वरूप बूरा एम0 एल0 ए0 की तरफ से कैरीसन आयल भूगर, वैजिटेबल घी वगैरह जरूरी चीजों की कमर तोड़ बढ़ी हुई कीमतों और खरीददारों की दिक्कतों के बारे मे एक काल अटैन ान मो ान मिला हैं, मैं इसको मन्जूर करता हूं। माननीय सदस्य अपने नोटिस को पढ़ दें।

चौधरी हरस्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान एक आव यक तथा हाल ही के लोक महत्व के मामले, अर्थात बहुत सी आव यक वस्तुओं अर्थात मिट्टी का तेल, चीनी, सीमेंट, वनस्पति–घी, खाद्य तेलों को चोकरा देने वाली तथा बरदा ात से बाहर मूल्य वृद्धि की ओर दिलाना चाहता हूं। इन वस्तुओं के खुले बाजार में उपलब्ध न होने के कारण भी उपभोक्तओं को बहुत परे ाानी होती हैं। वे चोर–बाजारी में अत्यधिक दरों पर काफी मात्रा में उपलब्ध हैं।

मिट्टी का तेल चोर–बाजारी में 6 रूपये प्रति लीटर बेचा जा रहा हैं। मिट्टी के तेल में ब्लैक के कारण ईधन की कीमतें भी 40 रूपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। चीनी खुले बाजार में भी 6 रूपये 50 पैसे प्रति किलो बिक रही हैं। चोर बाजारी में सीमेंट 40 रूपये प्रति बोरी हैं।

इन वस्तुओं की स्थित अकाल के सामन हैं। लेकिन संग्रहकर्ता, लाभ उठाने वाले, चोर बाजारी करने वाले दिन दिहाड़े बहुत लाभ उठा रहे हैं। इन वस्तुओं के दाम इतने बढ़ गये हैं कि गरीब आदमी के लिये उनको या उनमें में किसी एक को खरीदना उसके बस से बाहर की बात हैं। मूल्य सूचकांक अब भी उत्तरोत्तर तथा अचानक बढ़ रहा हैं।

यदि राज्य सरकार मूल्यों के क्षेत्र में तत्काल उपचारक उपाय नहीं करती तथा सभी उपलब्ध वस्तुओं को उचित मूल्य पर समान रूप से वितरित करना सुनि चित करने के लिए प्रभावी पग नहीं उठाती तो समाज में अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी।

आम उपभोक्ताओं को घंटो या दिनों का इतजार करना पड़ता हैं लेकिन प्रभाव ाली व्यक्तियों को कोई ऐसी कठिनाई नहीं होती। राज्य सरकार को समाज के कमजोर वर्ग की हिफाजत करने के लिये सभी उपरोक्त वस्तुओं का एक समीकरण भण्डार (बफर स्टाक) जरूर बनाना चाहिए। प्रत्येक गांव के समूह जिनकी जनसंख्या 2000 व्यक्तियों की हो में भीघ्र एक उचित मूल्य की दुकान खोली जाए। राज्य सरकार को इस सारे सिस्टम की देखभाल करने के लिये एक तालमेल–सीमित (कोआर्डिने ान कमेटी) भी जरूर स्थापित करनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि सरकार कृपया चालू सै ान में अपना उत्तर दें।

श्री अध्यक्षः मैं खाद्य एवं पूर्ति मंत्री जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि चौधरी हर स्वरूप बूरा ने जो काल अटैन् ान नोटिस आज दिया हैं इसी से मिलता जुलता नोटिस इन्होंनें कल दिया था। खाद्य एवं पूर्ति मंत्री यदि इन दोनों को इकट्ठा डील विद करना चाहते हैं तो वे कर सकते हैं। यदि आज के काल अटैन ान नोटिस के लिए अलग टाईम चाहिए तो दूसरी बात हैं।

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री चौधरी (गजराज बहादुर नागर): स्पीकर साहब, इसका जवाब मैं कल दूंगा।

श्री अध्यक्षः ठीक हैं।

वक्तव्य–

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री द्वारा डीजल की भारी कमी तथा उसकी त्रुटिपूर्ण एवं अनुचित तकसीम सम्बन्धी

Mr. Speaker: The Hon, Minister for Food & Supplies had promised to make a statements on *Call Attention Notice No.I given by Chaudhri Har Swarup Bura, regarding acute shortage of diesel and its faulty and imporoper distribution, to-day. He may please do so.

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (चौधरी गजराज बहादूर नागर): स्पीकर साहब, पिछले कुछ महीनों से हरियाणा राज्य में डीजल की कमी महसूस की जा रही हैं। यह कमी सारा साल बारि ा न होन की वजह से दरपे ा आई। सूखे हालात ने बिजली की सप्लाई

और सिचाई के लिए पानी पर बड़ा असर डाला हैं, जिसका असर डीजल पर ही पड़ा हैं। डीजल की खपत तमाम सूबा में विकास कार्यो की वजह से काफी बढ़ गई हैं। इसके इलावा बहुत सारे वर्ल्ड बैंक प्रोजैक्टस भी सूबे में चल रहे हैं। जरूरी चीजें जैसे कोयला, सीमेंट, अनाज वगैरा जिनकी आमदोरफ्त रेल गाड़ियों के जरिये मुमकिन न हो सकी, उन्हें सड़कों के जरिए लाने ले जाने से डीजल की खपत में काफी ईजाफा हुआ। डीजल की मूल्य भार में कमी हैं और खासकर आसाम में गैर–मामूली हालात होने की वजह से डीजल की पोजी ान पर काफी असर पड़ा हैं। मान्यवर प्रधानमंत्री जी आसाम के इन बिगड़े हुये हालात को मामूल पर लाने के लिए हर मुमकिन कोि ा ा कर रही हैं और ऐसी उम्मीद की जाती हैं कि सुरतेहालात जल्दी सूधर जायेंगे और तेल भुमाक म ारिक की तरफ से आने भुरू हो जायेगा। यह भी सब को मालूम हैं कि कुछ बैनल्कवामी हालात की वजह से हमें बाहर से तेल मंगवाने में दिक्कत पे ा आई हैं लेकिन अब हालात सुधर रहे हैं। इन हालात में भी भारत सरकार डीजल की ऐलोके ान पिछले साल की तारीख खपत से पांच फीसदी ज्यादा कर रही हैं। हरियाणा सरकार अपनी लगातार कोि ा ा से अपने हिस्से से भी ज्यादा ऐलोके ान कराने में कमीयाब रही हैं। इसके आलाव अक्टूबर 1979 से फरवरी 1980 के दौरान 3000 से 5000 किलोलीटर फी माह के हिसाब से सूखे से राहत दिलाने के लिये जो फालतू तेल हासिल किया गया हैं। 27 फरवरी 1980 को हमारे मुख्यमंत्री ने भी जाति तौर पर भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्री

से इस मामले पर बातचीत की, जिसकी वजह से फरवरी और मार्च के महीनों के लिए 5000 और 8000 किलो लीटर की ज्यादा ऐलोके ान का वायदा किया गया और फरवरी माह की ऐलोके ान को मार्च तक आगे ले जाने के लिये भी दरख्वास्त की गई। हर महाडीजल की ऐलोके ान मांग और पूर्ति पर मुनहस्सर हैं। पिछले साल यह ऐलोके ान 16000 किलोलीटर से 25000 किलोलीटर फी माह थी। हमने अब भारत सरकार से कम से कम 45000 किली लीटर फी महा के हिसाब से मांग की हैं। अप्रैल, 1979 में डीजल की सही तकसीम यानी जरायती आमदोरफत और सरकारी महाकमों के दरम्यान करने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। जिला के डिप्टी कमि नरों को अपने अपने जिला का ओवर आल इंचार्ज बनाया गया हैं। डीजल बांट महकमा फूड एण्ड सप्लाई डिपार्टमैंट के अमला निगरानी में की जाती हैं। जहां तक जमींदारों या किसानों का ताल्लुक हैं, डीजल पम्पों और ट्रक्टरों वगैरह के लिये कार्ड बनाये गये हैं और कतारो को खत्म करने के लिये हर गांव को एक डीजल आवटलेट के साथ लगाया गया हैं। ट्रक वालो को तेल ट्रक यूनियन के जरिये दिया जाता हैं। चूकिं खेतीबाड़ी के लिये डीजल की मांग बिजाई, सिंचाई और कटाई का वक्त अलग अलग होती हैं।, इसलिए डिप्टी कमि ानरों को इस हिसाब से बंटवारा करने की हिदायत दी गई हैं। गवर्नमैंट ट्रांस्पोर्ट की डीजल की जरूरत भारत सरकार की कोआर्डिने ान कमेटी के जरिये सीधी पूरी की जाती हैं। बाकी बची मिकदार डिप्टी कमि नरों के जरिये पता चला हैं कि तकरीबन 60 से 70

फीसदी डीजल खेतीबाड़ी के इस्तेमाल के लिये दिया जाता हैं। हमारे लिये डीजल का बफर स्टाक बनाना बहुत मु कल हैं क्योंकि हम अपनी रोजाना की जरूरतें भी मु कल से पूरी कर रहे हैं। डीजल की तकसीम का इन्तजाम हरियाणा में तसल्लीबख्भा है। इसके अलावा भी हरियाणा सरकार तमाम हालात से बाखबर है और जिला हुक्मरानों को भी चौकस कर दिया गया है कि ऐसा कोई भी माल पैक्टीस नोटिस में आए तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायें। इसलिए डीजल के बंटवारें को सुपरवाइज करने के लिए कोआर्डिने ान कमेटी बनाने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। धन्यवाद।

इस समय बहुत से सदस्य प्र न पूछने के लिए खड़े हु

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, आपने कहा था कि काल अटैन् ान मो ान के जवाब में दो सवाल हो सकते हैं।

श्री अध्यक्षः एक या दो सवाल उसी मैंम्बर के हो सकते हैं जिसकी काल अटैन् ान मो ान हो। यदि बूरा साहब पूछना चाहते हैं तो पूछ सकते हैं।

चौधरी हरस्वरूप बुराः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बहुत लम्बा चौड़ा जवाब पढ़ा और हमने सुना। अध्यक्ष महोदय, मैंने तो कहा था कि डीजल ब्लैक में बिक राह हैं। मंत्री महोदय ने इस बारन कोई बात नहीं कहीं। डीजल ब्लैक में चाहे कितना ही ले लो। वैसे ही मुहैया करने के लिए इन्होंनें कोई बात नहीं कहीं।

चौधरी गजराज बहादूर नागरः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य एक ऐसा केस मेरे नोटिस में लांए कि कौन सी जगह ये केसिज हो रहे हैं। मैं सख्त से सख्त कार्यवाही करूंगा। माननीय सदस्य इस बारे में मेरे सामने कोई खास मिसाल दें।

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मैंने बिजली के बारे में एक काल अटैन् ान नोटिस दिया था।

श्री अध्यक्षः वधवा साहब, फर्स्ट कम फर्स्ट सर्वड।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः साहेबान अब राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा होगी।

श्री मूल चन्द जैन (सम्भालखा): स्पीकर साहब, राज्यपाल के अभिभाशण पर कल कुछ तकरीरें हुई। मेरे दोस्त श्री सूरजेवाला ने उस अभिभाशण का स्वागत करते हुए कुछ बातें कहीं। वे इस तरह से अफसोस से बोल रहे थे जैसे कोई मातमी प्रस्ताव पे ा कर रहा हो या कोई घुटन महसूस कर रहा हो। उन्होंनें स्पीरक साहब, बीस सूत्री प्रोग्राम का भी जिक्र किया और अफसोस जाहिर किया कि चीफ मिनिस्टर साहब उनकी सरकार गवर्नर ऐड्रैस में 20 सूत्री प्रोग्राम का जिक्र करना भूल गए। मैं सूरजवेला जी को, जो कि इस समय हाउस में नहीं हैं, और इस सरकार से यह कहना चाहता हूं कि वे इस भूल भलैये में न रहें कि 20 सुत्री प्रोग्राम से इस दे ा की समस्या हल हो सकती हैं

अगर ऐसा करेंगे तो मैं कहूंगा कि जैसे इन्होंनें पहले गलती खाई थी वैसे ही आयंदा गलती खायेंगें। इस दे ा की समस्यायें, मिसाल के तौर पर गरीबी, बेरोजीगारी, भ्रश्टाचार, ऊंच–नीच की विशमता, केवल 20 सूत्री कार्यक्रम से हल होने वाला नहीं हैं। अगर आप हल चाहते हैं तो मैं बता सकता हूं। 25–26 जून 1975 या गालबन 1 जुलाई 1975 को यह 20 सूत्री प्रोग्राम आज की प्रधानमंत्री ने जो उस वक्त भी प्रधानमंत्री थी, रेडियो में प्रसारित किया था। 22 मार्च 1977 को श्रीमति इन्दिरा गांधी जी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। स्पीकर साहब, इस दौरान इस 20 सूत्रीय प्रोग्राम का का क्या असर हुआ यदि आप जानना चाहते हैं तो मैं बता देता हूं। मार्च सन् 1977 में 1 करोड़ 10 लाख बेरोजगारों के नाम ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज के रजिस्टरों में दर्ज थे जबकि जून 75 में उनकी संख्या केवल 90 लाख थी। इसी तरह से स्पीकर साहब, मैं अर्ज करूंगा कि 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले दे ा इस दूनिया में 125 हैं। उन 125 दे ाों में हमारे दे ा का दर्जा 103 वां था। केवल 22 दे ा 10 लाख से ज्यादा वाले हमसे पीछे थे और 102 में सबसे आगे थे। 1976–77 में क्या हुआ? हमारे दे ा का नम्बर 111 हो गया। 20 सूत्री प्रोग्राम के काल में ऐसा हुआ। तो मेरे कहने का मतलब यह हैं कि चाहे गरीबी दूर करने की दृश्टि से देखें या रोजगार मिलने की दृश्टि से जो अपने आपको कांग्रेस की सरकार होने का दावा करती हैं, अगर इन्होंनें प्रान्त की समस्याओं को हल करना हैं तो लोकदल के प्रोग्राम पर चलना होगा। स्पीकर साहब, मैं कांग्रेस

(आई) का इलैक ान मैनिफैस्टो भी लाया हूं और लोकदल का इलैक ान मैनिफैस्टो भी लाया हूं। (विघ्न) मैंने तो कांग्रेस आई का इलैक ान मैनिफैस्टो पढ़ा हैं और लोकदल का मैनिफैस्टो तो पढ़ना ही था लेकिन मेरा ऐसा ख्याल हैं, स्पीकर साहब, मुझे क्षमा करेंगे, कि इन दोस्तों ने, सिवाए पुराने कांग्रेसियों के, न कांग्रेस आई का मैनिफैस्टो पढ़ा हैं और न लोकदल का पढ़ा हैं। (विघ्न) मैं अभी कांग्रेस(आई) के मैनिफैस्टो में से कुछ पढ़कर सी0 एम0 साहब को बताऊंगा और स्पीकर साहब, लोक दल का मैनिफैस्टो तो मैं आपकी इजाजत से हाउस की टेबल पर रखना चाहता हूं अगर रूल्ज इजाजत देते हों। मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि इस मैंनिफैस्टी को न सिर्फ हिन्दुस्तान के लोगों और समाचार पत्रों ने सराहा हैं बल्कि ब्रिटि ा के प्रैस ने भी, जो एक डैमोक्रेटिव प्रैस हैं, आज से नहीं सैकड़ों वर्शो से म ाहूर हैं, इसे सराहा हैं। उसने यह कहा कि दे ा की मुख्तालिफ पार्टियों में से अगर किसी पोलिटिकल पार्टी ने इस दे ा की समस्याओं पर विचार किया हो तो वह केवल लोकदल हैं क्योंकि उसने न सिंर्फ समस्याओं को प्वायंट आउट किया हैं बल्कि अपनी दृश्टि से इनका हल भी बताया हैं। (विघन) मैं कुछ समय बाद दो चार बाते उसमें बताऊंगा। इस समय तो मैं केवल इतनी बात बताना चाहता हूं कि 20 सूत्री प्रोग्राम से काम नहीं चलेगा। एक बात ओर कहकर अध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर ऐड्रैस के ऊपर आऊंगा। मेरे लायक दोस्त श्री सूरजेवाला एक अच्छा वकील हैं। निजी तौर पर ये मेरे दोस्त हैं। वकीलों का कायदा होता हैं। उनके रिटन आर्गुमैन्टस

जब ऐक्सचेंज हो जाते हैं तो एक वकील दूसरे वकील ने आर्गुमैंन्टस का जवाब देता हैं। हमारे आर्गमैंन्टस का जवाब नहीं दिया। मुझे इस बात का अफसोस हैं। (विघन)

जब स्पीकर साहब, मैं अपने दूसरे दोस्त सरदार लक्ष्मन सिंह जी का जिक्र करना चाहता हूं। आज ताज्जूब तो इस बात का हैं कि इस वक्त हाऊस में न तो सूरजवाला जी हैं और न सरदार लछमन सिंह जी हैं। खैर कोई बात नहीं, कोई न कोई मेरी बात उन तक पहुंचा ही देगा। स्पीकर साहब, लक्ष्मन सिंह जी हमारे दोस्त हैं। वे हर परिस्थित में खु ा रहते हैं और हर चीज को लाइटली लेते हैं। कल भी बड़ा लाइटली कह रहे थे कि ये अपोजी ान वाले बड़े खु ा हैं क्योंकि इनको विधायक जीवन में अढ़ाई साल की और मियाद मिल गई। स्पीकर साहब, यदि आप इजाजत दें तो मुझे भ्रश्ट बाप की एक कहानी याद आ गई। मैं अपने दोस्त उदय सिंह दलाल जी से क्षमा चाहूंगा क्योंकि मैं उनकी सुनाई हुई कहानी यहां हाउस में सुना रहे हूं। कहानी यह थी कि एक मुहल्ले की लड़की भाग गई। 5–6 पड़ौसी अफसोस प्रकट करने के लिए लड़की के बाप के पास गए। बड़ा मुह लटकाए हुए थे लेकिन लड़की का बाप, वह भ्रश्ट बाप कहने लगा कि इसमें अफसोस की क्या बात हैं। यहां महीने भर से भाोर था कि इस मोहल्ले से कोई लड़की भागेगी। मेरी लड़की ने कुर्बानी दी क्योंकि उसने मुहल्ले की ख्वाहि ा पूरी की हैं। (हंसी) तो सरदार लक्षमन सिंह अगर ऐसी बात करें तो यह उनको भाोभा

नहीं देता। स्पीकर साहब, मैं सन् 50 से देख रहा हूं कि व्यक्ति तो दल बदलते रहते हैं लेकिन सरदार की सरकार बदल जाए यह इतिहास में पहला वाक्या हैं। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): यह तो मर्जर हैं।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, इनके इस कारनामे की वजह से आज हर समझ दार हरियाणवी का सर भार्म के मारे झुकता हैं।(ोम, भोम की अवाजें) स्पीकर साहब, मेरे लायक दोस्त यह समझते हैं कि हम लोकदल वालों ने भी तो डिफैक्ट किया हैं। (विघ्न)

चौधरी दे ा राजः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर हैं। एक कहावत प्रसिद्ध हैं कि छात्र तासे बोले छलनी क्या बोले जिसमें सत्तर छेद अध्यक्ष महोदय, आप जैन साहब से यह पूछे इन्होंनें स्वय कितनी बार डिफैक्ट किया हैं?

श्री अध्यक्षः यह कोइ प्वायंट आफ आर्डर नहीं हैं।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, 1967 में.....

श्री अध्यक्षः आप इन बातों की परवाह न करके अपनी बात कहें।

श्री मूल चन्द जैनः मैं हाउस के सामने अपनी गलती स्वीकार करता हूं कि सन् 1967 में अगर मुझे कांग्रेस छोड़ कर

मु तरका विधायक दल में जाना पड़ा था तो मुझे असैम्बली से इस्तीफा दे देना चाहिए था। (विघन)

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ): अब जनता पार्टी छोड़कर लोकदल में गए हो, अब इस्तीफा दे दो। (भाोर)

श्री मूल चन्द जैनः मैने अपनी गलती को माना हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह कोई गलती नहीं हैं, अकसर ऐसा होता ही रहता हैं। (हंसी)

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, यह कहना कि लोकदल के लोगों ने जनता पार्टी से डिफैक ान की हैं यह गलत हैं। दो दफा ऐन्टी डिफैक ान बिल पार्लियामेंट में आया। एक दफा श्रीमति इन्दिरा गांधी के टाईम मं सन् 1975 से पहले आया था और दूसरी दफा जनता पार्टी के टाइम में आया था। उसमें डिफैक ान की जो डैफिनि ान दी हैं उसके मुताबिक लोकदल के लोगों ने डिफेक्ट नहीं किया हैं। श्री जगन्नाथ कौ ाल जो हरियाणा के ऐडवोकेट जनरल रहे हैं, काफी सीनियर एडवोकेट हैं और आजकल एम0 पी0 भी हैं उनको सालिस मान लेते हैं अगर वे इस बात को कह देते हैं कि यह डिफैक ान हैं तो मैं आज ही इस्तीफा दे देता हूं। (तालियां)

चौधरी भजन लालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उन्होंनें जो यह कहा हैं * * * * * * ।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब मेरी सबमि ान हैं *

* * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः जो कुछ पहले बोला गया हैं, वह रिकार्ड न करें।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं कह रहा था (विघन)

Mr. Speaker: I would request you to concentrate on the Government Address because all this time that is being taken will cut your time.

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, मैंने गुनाह उस टाईम पर किया था उसको मैं मानता हूं कि मैंने गलती की थी लेकिन मैं अपने साथियों को एक सुझाव भी देना चाहता हूं कि इसी सै ान में राज्यसभा का चुनाव भी हो जायेगा और सरदार लछमन सिंह जी ने जो कल बात कहीं कि अढ़ाई साल की लीज बढ़ा दी हैं, उस लीज का हम बढ़ाना नहीं चाहते हैं। जब राज्य सभा का चुनाव हो जाये तो आप यहां से रिकमेंड कर दें कि हाउस डिजोल्ब किया जाये, हम उसका स्वागत करेंगे तब पता लग जायेगा कि कौन डिफैक्टर हैं। (थम्पिग)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मूल चन्द जैन जी इस्तीफा दे दें, हम सरदार लछमन सिंह जी से भी दिला देंगे और इलैक ान लड़कर देख लें।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, अगर चौधरी मेहर सिंह राठी जी इस्तीफा देने के लिए तैयार हो तो मैं भी देने के लिए तैयार हूं।

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं हाउस में आपकी तरफ से इस बात पर रूलिंग पर चाहता हूं कि इधर चौधरी सतबीर सिहं मलिक की तरफ से चैलेन्ज किया गया हैं कि अगर चौधरी मेहर सिंह राठी इस्तीफा दें तो मैं भी देने के लिए तैयार हूं।.....

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, यहां हाउस में गवर्नर ऐड्रैस पर डिसक ान हो रही हैं। हाउस कोई कु ती का अखाड़ा नहीं हैं कि एक पहलवान दूसरे पहलवान को चैलेन्ज करे। चौधरी सतबीर सिंह मलिक और चौधरी मेहर सिंह राठी का इस स्पीच से कोई सम्बन्ध नहीं हैं। श्री मूल चन्द जी हाउस में गवर्नर ऐड्रैस पर बोल रहे हैं, उन्हें डिस्टर्ब न किया जाए और उनका टाइम जाया न किया जाए।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, ये तो खुद मरे पड़े हैं, क्या हमारा मरना भी जरूरी हैं? हंसी

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, अब मैं गवर्नर ऐड्रैस में जो बाते कहीं गई हैं उन पर आता हूं। गवर्नर साहब के अभिभाशण में हरियाणा की समस्याओं को ही आइडेन्टीफायी नहीं किया गया हैं, यह बड़े ताज्जुब की बात हैं। हरियाणा के अन्दर

कितने लोग बेरोजगार हैं, उस के बारे में ऐड्रैस में कोई जिक्र नहीं हैं और न ही इस बात का जिक्र हैं कि कितने लोग बोली पावर्टी लाईन हैं तो फिर उनकी समस्याओं का क्या कुछ हल करने जा रहे हैं? हरियाणा में एक हरिजन कल्याण निगम बनी हुई हैं। वह निगम हरिजनों को कर्जा देती हैं। मैं यह बात सी0 एम0 साहब के नोटिस में लाना चाहता हूं कि पिछले 12 सालों में हरिजन कल्याण निगम ने केवल पांच हजार व्यक्तियों को कर्जा दिया हैं। यदि हम इस रफ्तार से चलेंगे तो इन गरीब हरिजनों को कर्जा नहीं दे सकेंगे। हमारी स्टेटे में 24 लाख हरिजनो की आबादी हैं। इनके 4 लाख लोगों को कर्जा देने हो तो 960 वर्श देने में लगेंगे।

श्री अध्यक्षः क्या हर परिवार को कर्जा देना जरूरी हैं?

श्री मूल चन्द जैनः हर परिवार को कर्जा देना तो जरूरी नहीं परन्तु मेरा कहने का अभिप्रायः यह हैं कि गर्वनर साहब के ऐड्रैस में हरियाणा की बड़ी समस्याओं की चर्चा तो होनी चाहिए थी। हरियाणा की समस्याओं को समझा नहीं गया और न ही उनका हल निकालने के लिए कोई उपाय बताये गये हैं। स्पीकर साहब गवर्नर ऐड्रैस के माने यह होते हैं कि सरकार अपनी नीति बताये और यह भी बताए कि हमने पिछले सालों में क्या किया हैं और इस साल क्या करने जा रहे हैं।

स्पीकर साहब हमारे जो हिन्दी भाशी क्षेत्र फाजिल्का और अबोहर के हैं, उनके बारे में कोई जिक्र ऐड्रैस में नहीं किया गया हैं और नही हैडवर्क्स के बारें में कोई चर्चा हैं। पंजाब हरियाणा के पानी को इस्तेमाल कर रहे हैं। इस बारे में कितने दिनों से झगड़ा चल रहा हैं परन्तु यह सरकार इस विशय मैं बिल्कुल चुप हैं। इस प्रकार से तीन हैड वर्क्स के फैसले के बारे में जिक्र नहीं किया गया हैं। पंजाब री–आर्गनाइजे ान ऐक्ट में लिखा हुआ हैं कि इनका कन्ट्रोल भाखड़ा मैंनेजमैंट बोर्ड के पास होना चाहिए लेकिन सरकार कोई कदम नहीं उठा रही हैं। इसी प्रकार सतलुज यमुना लिंक का सवाल हैं, इस पानी को लेना हमारे लिए अत्यन्त आव यक हैं। हमारे किसानों कि जिन्दगी मौत का सवाल हैं। हम इस पानी के 1970 से हकदार हैं लेकिन इस सरकार ने ऐड्रैस में जिक्र नहीं किया। यह जिक्र तो कर दिया कि हरियाणा की हद में जो सतलुज यमुना लिंक कैनाल बननी हैं वह जून तक बन जायेंगी परन्तु पंजाब की हद में कब बनेगी? यहां हाउस में कहा जाता हैं कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा हैं वहां से फैसला होने पर पानी मिल सकेगा। स्पीकर साहब जब श्रीमति इन्दिरा गांधी प्रधानमंत्री थी तो यह कहा जाता था कि चौधरी बंसी लाल और ज्ञानी जैल सिंह का झगड़ा हैं। उस टाईम पर यही कहा जाता था कि इतना पानी हरियाणा का हैं और इतना पंजाब का हैं परन्तु कोई भी फैसला ही न हो पाया। दोनों स्टेट्स में एक ही पार्टी की हकुमत थी फिर भी फैसला नहीं हुआ। जब हरियाणा में देवी लाल जी की सरकार आया तो पंजाब के अन्दर

अकालीदल की सरकार आ गई। इस पानी के मामले में दोनों पार्टियों को झगड़ा हो गया। हरियाणा के लोगों को यह सरकार फायदा पहुंचाना चाहती हैं तो यहां भी कांग्रेस सरकार हैं और पंजाब के अन्दर गर्वनर राज हैं, इसका फैसला हो सकता हैं। सुप्रीम कोर्ट से इस मुकदमें को वापिस ले लो और इस पानी का फैसला करवा लो। (तालियां)

श्री अध्यक्षः जैन साहब आपके केवल दो मिनट ही रह गये हैं। इसलिए आप अपनी स्पीच छोटी करें।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब वह तो आपकी बात ठीक हैं परन्तु जो मेरा टाईम मेरे दोस्तों ले लिया हैं वह टाईम तो मुझे मिलना चाहिए। मैं कुछ ठोस सुजै ांज हाउस के सम्मुख रखना चाहता हूं।

स्पीकर साहब देहातों के अन्दर 100–100 से ज्यादा लड़के मैट्रिक पास बैठे हैं। उन को काम देने के लिए सरकार ने एक रूरल इण्डस्ट्रीज की स्कीम बनाई थी। इस स्कीम के तहत जो देहात के अन्दर मैट्रिक पास या बी0 ए0 पास हैं या अन–एम्पलाएड लड़के हैं उनको इण्डस्ट्रीज लगाने का मौका मिला था। अब ऐसा मालूम हो रहा हैं कि यह सरकार उस स्कीम को बदलेन जा रही हैं। उस स्कीम के तहत इन इण्डस्ट्रीज लगाने वालों को 15 प्रति ात की सबसिडी सरकार की और से मिलती थी। इस स्कीम को बदलने के बाद यह जो सबसिडी इन देहातो वालो को दी

जाती थी, वह अब इन को न देकर इस सबसिडी की रा ि ा को बड़े–बड़े कैपिटलिस्टो को देने जा रही हैं। इसी प्रकार हिसार डिस्ट्रिक्ट को बैकवर्ड करके वहां के बड़े बड़े इण्डस्ट्रियलिस्ट 75–75 लाख रूपये की सबसिडी लेते रहे।

स्पीकर साहब, एक बात मैं ऐजुके ान के संबध में कहना चाहूंगा। जब तक मैंने आफ क्वालिटी नहीं होगे तब तक प्रदे ा का भला होने वाला नहीं हैं। चाहे कितने ही मकान आली ान महल बना लें जब तक इनका करैक्टर ऊंचा नहीं होगा तब तक दे ा ऊंचा नहीं उठ सकता। हमारा तालीम का ढांचा बिल्कुल नाकस हैं। इस ऐड्रैस में तालिम के ढाचें के बारें में एक भाब्द भी नहीं कहा गया हैं इसलिए मैं अलग–अलग सबजैक्ट पर बोलने के लिए टाईम मुकरर्र करने की बात कही थी। अगर चीफ मिनिस्टर साहब चाहें तो मैं उनको लिखकर भी अपना सूझाव दे दूंगा। मैंने कई बार इस हाउस मैं सवाल किया हैं कि क्या सरकार सप्रिच्युलिज्म और धार्मिक ि ाक्षा स्कूलों में इन्ट्रोड्यूस करने जा रही हैं तो उसका जवाब मिला कि एक कमेटी मुकरर्र कर दी गई हैं। पता नहीं अब वह कमेटी क्या करेगी? हमारे नौजवान ग्रेजुएट जो कालेज से निकले हैं वे सिनिक बनते जा रहे हैं। इनके रोजगार को कोई प्रबंधन नहीं हैं। हमारे हरियाणा में यह समस्या कितनी गंभीर हैं, उनके बारे में क्या करने जा रहे हैं, ऐड्रैस में किसी बात का जिक्र नहीं है?

अब मैं ला एव्ड आर्डर के बारें में कहना चाहता हूं। अभी पिछले दिनों इस सरकार के बैठते ही गोहाना में एक लड़की का, जो कि धर्म ाला (हिमाचल) की रहने वाली थी, का कत्ल हुआ। बड़े अफसोस से हाउस में कहना चाहता हूं कि पुलिस ने उस लड़की का दो–तीन तक पोस्ट–मार्टम भी नहीं होने दिया। उसके बाद फरीदाबाद में गोली चली। उसमें एक पुलिस कर्मचारी भी मारा गया। उस पुलिस कर्मचारी की मृत्यु के बारे में हमें भी काफी अफसोस है। वहां से 3 मील आगे किसी एक बस्ती में पुलिस की गोली से एक बच्चे और 1–2 आदमियों का मर्डर हुआ। इसी तरह से रेवाड़ी में दो बावरियों का कत्ल हुआ। इन मरे हुए व्यक्तियों के वारिसान को आज तक कोई मुआवजा भी नहीं दिया गया। इसी प्रकार से पिछले दिनों खानपुर में एक घटना हुई जिसमें औरतों की बेइज्जती की गई। उसके बारे में सरकार ने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की। पिछले दिनों रिवाड़ी में वकीलों को पिटवाया गया और सरकार चुप बैठी रही। इसी प्रकार से करनाल की हवालात में एक आदमी को गला घोंट कर मार दिया गया और बाद में पुलिस ने यह सफाई पे ा की कि वह प्लेटफार्म से गिरकर मर गया। यह कोई भाोभा वाली बात नहीं हैं। इसी प्रकार फरीदाबाद में 17–18 अक्टूबर को जो घटना हुई थी उसकी इंकवारी अब करवाई जा रही हैं। पता लगा हैं कि एक मैजिस्ट्रेट जांच के लिए बैठाया गया हैं। इन सब बातों को देखते हुए कहा जा सकता हैं कि ला एण्ड आर्डर की स्थिति दिन प्रति दिन खराब होती चली जा रही हैं। इसलिए मैंने पुलिस की ट्रेंनिंग

का सवाल उठाया था। जब मैं फाईनैंस मिनिस्टर था और दौरे पर जाता था तो मैं और अफसरों के साथ बातचीत करने के अलावा पुलिस वालों से भी पूछ लेता था कि आपको किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं। पुलिस आफिसर्ज मुझे बताते थे कि ट्रेनिंग सैन्टर में जिन थानेदारों को भेजा जाता हैं, वे प्रायः कंडैम्ड और निकम्मे होते हैं। तो क्या आप समझते हैं कि ऐसे थानेदार या हैड कास्टेबल उन भर्ती ाुदा लोगों को अच्छी ट्रेनिंग दे सकेंगे? जब मैं फाइनैंस मिनिस्टर था तो मैंने आई0 जी0 साहब से तथा होम सैक्रटरी साहब से बतौर फाइनैंस मिनिस्टर होते हुए यह कहा था कि जो एस0 एच0 ओ0 और इन्सपैक्टर्ज ट्रेनिंग के लिए भेजे जायें उनके लिए स्पे ाल अलाउन्स बढ़ाने की व्यवस्था की जाये। इसके लिए जो भी आप डिमांड भेजेंगे वह मैं मंजूर कर दूंगा। लेकिन अफसोस हैं कि मेरे होते हुए उनकी कोई डिमान्ड नहीं आई। यह मामला हरियाणा की पुलिस की बेहतरी के लिए हैं। पुलिस वालों को ट्रेनिंग बेहतर नहीं होगी तो वे सिपाही, हवलदार, ए0 एस0 आई0 या इन्सपैक्टर्ज कैसे अच्छे काम करेंगे। मैं यह बात पार्टी लाईन से ऊपर उठ कर कह रहा हूं।

सरदार सूखदेव सिंहः स्पीकर साहब मेरा प्वाएंट आफ आर्डर यह हैं कि जो ट्रेंनिग के लिए आफिसर भेजे जाते हैं, उनके बारे में जैन साहब ने भद्दे भाब्द इस्तेमाल किए हैं, इसलिए उनको कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए। (विघन)

श्री अध्यक्षः जैन साहब आपको बोलते हुए अब 30 मिनट हो गए हैं इसलिए आप जल्दी खत्म करें।

श्री मूलचन्द जैंनः स्पीकर साहब, हमारी स्टेट का हिस्सा दिल्ली के तीन तरफ लगता हैं इसलिए वहां से लोग उचंती का माल लाते हैं। वे उस माल को करनाल, पानीपत, रोहतक, बहादूरगढ़ आदि नगरों के दुकानदारों को बेचते हैं। उचंती माल अरबों रूपये का हमारी स्टेट के अन्दर बिकता हैं। इस उचती माल से हमारी स्टेट को करोड़ो रूपये का सेल्ज टैक्स और इन्कम टैक्स मिल सकता हैं लेकिन इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं। ऐसे दुकानदार इस माल को अपने वही खातों में नहीं चढ़ाते हैं। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि इस और खास ध्यान दिया जाये।

अब मैं ज्यादा समय न लेते हुए यही कहना चाहता हूं कि मैंने जो अमैन्डमेन्टस दी उन पर सरकार विचार करें। मैं अन्त में अपने साथियों से कहना चाहता हूं कि बोलते हुए कोई सख्त यदि मेरे से निकल गए हो तो उनके लिए मैं क्षमा चाहता हूं लेकिन मैंने जो कंस्ट्रक्टिव सुझाव दिए हैं वे स्टेट के बेहतरी के लिए दिए हैं। यदि सी0 एम0 साहब चाहें तो मैं ये सुझाव लिख कर भी भेज सकता हूं।

चौधरी भजन लालः आप लिख कर भेज दें, विचार कर लिया जायेगा।

श्रीमति डा0 कमला वर्मा (यमुनानगर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, बहुत धन्यवाद। मैं राज्यपाल महोदय का हार्दिक धन्यवाद करती हूं जिन्होंनें अपने भाशण के माध्यम से जनता सरकार के दो वर्शों की कृतियों को विस्तारपूर्वक आप सब को बताया। यह दलबदलू सरकार एक महीने से आई हैं। (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंह: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। वे तो काफी अर्से तक मिनिस्टर भी रह चुकी हैं इसलिए उनको वर्ड बाई वर्ड पढ़ कर नहीं बोलना चाहिए (ाोर)

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर से मैं यह रिकवैस्ट करूंगा कि वे चाहें तो नोट्स को रैफर कर सकती हैं लेकिन कृपया वर्ड बाई वर्ड न पढ़ें।

श्रीमति डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के दूसरे पैरा में यह कहा गया हैं कि सरकार आर्थिक और समाजिक उत्थान करने के बारे में एक चेतना लाना चाहती हैं। समाज में हरके आदमी का कुछ न कुछ चरित्र हुआ करता हैं लेकिन मुझे बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ रहा हैं कि लोकसभ में कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद जिस प्रकार से हरियाणा और हिमाचल प्रदे ा के अन्दर डिफैक ान हुई हैं, उसकी मिसाल हिन्दुस्तान में दूसरी नहीं हैं। आज हरियाणा की जनता ही नहीं बल्कि सारे दे ा की जनता मेरी इस बात से सहमत होगी कि

इतने बड़े पैमाने पर दल बदल करके स्वदे ा में और विदे ाों के अन्दर भी सारे दे ा की प्रतिश्ठा पर एक कलंक लगा दिया हैं। (ोम भोम की आवाजें) (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) इस दे ा का इतिहास व आने वालो संतान इन दलबदुओं की कभी क्षमा नहीं करेगी। आये तो थे जनता पार्टी की टिकट पर चुन कर लेकिन रात ही रात कांग्रेस (आई) के अन्दर चले जाने से हमारे दे ा के अन्दर ही नहीं बल्कि विदे ाों में भी बेइज्जती हुई। क्या यही समाजिक चेतना हैं जिससे हम चरित्र निर्माण चाहते हैं? (व्यवधान एंव भाोर)

श्री उपाध्यक्षः माननीय सदस्या से मैं यह कहूंगा कि वे कृपया गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोलें।

श्रीमति डा0 कमला वर्माः उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जहां यहां पर लोगोंकी द ाा आर्थिक तौर पर ऊपर उठाने की बात कहीं हैं, वहां पर मुझे यह कहते हूए भार्म आती हैं कि पिछले महीने के अन्दर मंहगाई बहुत ज्यादा बढ़ी हैं। मुझे इस बात की प्रसन्नता हैं कि 1977 में जनता सरकार के आने के बाद मूल्यों के अन्दर एक स्थिरता आयी थी हर चीज की कीमतें स्टेबेलाईज हो गयी थी। चाहे आप चीनी ले लीजियें चाहे मिट्टी का तेल ले लीजिए, या वनस्पति घी ले लीजिए, किसी भी व्यक्ति को उस समय रा ान की दुकान पर जाने की जरूरत नहीं थी। चीनी दो रूपये तीस पैसे या अढ़ाई रूपये बजार में खुली मिल जाती थी। किसी को रा ान लाईन में नही लगना पड़ता था। जब

से यह कांग्रेस सरकार पावर में आयी हैं आप देख लीजिए चीजों के भाव बढ़ते ही जा रहे हैं। चीनी साढ़े छः–सात रूपये किलो बिक रही हैं। मनुश्य को जीवित रहने के लिए तीन मूल भूत चीजें चाहिऐं रोटी, कपड़ा और मकान। मनुश्य की पहली और मूलभूत समस्या रोटी की हैं। रोटी कमाने के लिए एक मजदूर कारखाने के अन्दर जाता हैं तो अगर उसे वहां पर वही चाय का कप जो पहले 25 पैस में मिलता था, 40–45 पैसे तक बढ़ गयी हैं। लकड़ी के भाव दुगने, 250 रूपये टन तक लोहे का भाव बढ़ गया हैं। इसी प्रकार सूती कपड़े का भाव 12 आने या एक रूपया प्रति मीटर के हिसाब से बढ़ गया हैं। अभी इनका 20 सूत्री और 5 सूत्री कार्यक्रम लागू नहीं हुआ लेकिन भाव एकदम बढ़ रहे हैं। सीमेंट नदारद । ब्लैक में चाहे जितना ले लो। आप आकड़े उठाकर देख लीजिये। पिछले अढाई–तीन साल के अन्दर हरेक चीज की कीमत कम हुई थी लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद एक हफ्ता के अन्दर प्राईस इन्डैक्स 1.5 प्रति ात बढ़ गया हैं। यह ताना ााही सरकार जो केवल मात्र लोगों को बहका रही हैं, केवल मात्र नारे लगाकर बहुत ज्यादा देर तक बहका नहीं सकती। (व्यधान एंव भाोर) उपाध्यक्ष महोदय, गरीब आदमियों के लिये और तो और साबुन की कीमतें कितनी बढ़ा गयी हैं, यह देखिये। बिनौले का तेल, महुए का तेल, मैं आपको क्या–क्या बातऊ तकरीबन सारी ही चीजों के दाम बढ़ गये हैं। (व्यधान एंव भाोर) उपाध्यक्ष महोदय, सचमुच मै हरियाणा की जनता को बधाई देना चाहती हूं कि वह हर प्राकृतिक आपदा का मुकाबला बड़े साहस के साथ कर सकती हैं। मैं यह

कहे बिन नहीं रह सकती की जबसे हरियाणा बना या जब पंजाब के साथ था बाढ़ एवं सूखा तो तब भी पड़ता रहता था पर कांग्रेस सरकार ने तो कभी लोगों की कुछ भी स्थायी मदद नहीं की, लेकिन जनता सरकार ने चाहे बाढ़ आयी या सूखा पड़ा, लोगों को खूले दिल से हर प्रकार की सहायता की। उनको रा ान दिया स्वास्थ्य चिकित्सा दी और इस काम के लिये ऐसा कार्यक्रम बनाया ताकि इसका मुस्तकिल तौर पर इलाज किया जाये। मुझे यह पढ़ कर खु ाी हुई हैं कि 138 करोड़ कि वह मास्टर प्लान जो जनता ने सरकार ने इस काम के लिए बनायी थी, वह अभी तक कायम हैं और सरकार उस पर अमल करना चाहती हैं (व्यवधान एंव भाोर) उपाध्क्ष महोदय उस समय भी यहां जनता की सरकार थी जिस वक्त इसने बाढ़ से ग्रस्त लोगों को हर प्रकार से राहत पहुचानें के लिये दवाईया दी, रा ान दिया, रिग बाधं बनाये। चाहे 191 करोड़ रूपये वि व बैक से नलकूप लगाने के लिये ग्रामीण विकास के लिये हों, चाहे आयुवैदिक या एलोपैथिक डिस्पैसरियां खोली गई, यह सब जनता राज में हुआ। कांग्रेस सरकार तो पहले जिस तरह से टेलिविजन और रेडियो पर केबल काम का प्रोपेगन्डा किया करती थी, मुझे डर यह हैं कि उसी तरह से लोगों को कहीं गुमराह न कर दें। इनके जिस तरह से काम कागजों पर ज्यादा होते थे, और प्रैक्टिली कम, मुझे डर हैं कि हमारे भी अढ़ाई–तीन वर्शो तजवीज किये गये कामों को यह कागज पर ही न छोड़ दें। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होनें कहा हैं कि 200000 नलकूपों को बिजली के कनैक्ा न दियें जायेंगे लेकिन जब बिजली की

अत्याधिक कमी हैं तो पानी कहां से आयेगा? हमारा हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान दे ा हैं। यहां बिजली की व्यवस्था आव यक हैं। बिजली का जहां तक ताल्लुक हैं, हरियाणा प्रदे ा के दूसरे औद्योगिक क्षेत्रों में से एक यमुना नगर भी हैं। मैं मुख्यमंत्री जी से यह पूछना चाहती हूं कि यमुना नगर को जोकि एक औद्योगिक क्षेत्र हैं, कितना बिजली दी जा रही हैं? केवल 4 या 5 घंटे। डीजल भी मात्र 15 प्रति ात स्माल स्केल इंडस्ट्रीज को दिया जा रहा हैं जिससे केवल सप्ताह में 4 घंटे व 20 घंटे एक महीने से वे लोग डीजल से इंजन चला सकते हैं। इससे क्या उनकी प्रोडेक ान बढेगी। मैं अपने मुख्य मंत्री महोदय को यह बताना चाहती हूं कि मेरे इलाके यमूना नगर में चाहे बड़ी इंडस्ट्रीज हैं या छोटी इंडस्ट्रीज हैं, उनकी प्रोडक ान 60 प्रति ात कम होती जा रही हैं। किस आधार पर उनकी यह प्रोडक ान कम होती जा रही हैं। चूंकि डीजल व बिजली उन्हें पूरी नहीं मिल पा रही हैं। मजदूर बेचारा सुबह कारखाने में जाता हैं, उसको वहां पर पता लगता हैं कि बिजली नहीं हैं, जिस वजह से वापिस चला जाता हैं। उपाध्यक्ष महोदय बेचारा मजदूर घर से घर से काम करने के लिए तैयार होकर जाये और आगे चलकर यह सुनने को मिले की बिजली नहीं हैं, इसएिल आप घर वापस चले जाओ, उसके दिल पर क्या बीतती होगी? आज यह सरकार अपने आपको मजदूर और गरीबों की हमदर्दी कहती हैं। यह किस मुंह से ऐसा कहती हैं? उपाध्यक्ष महोदय, मैं बेरोजगारी क बारे में भी एक बात आपके सामने रखना चाहूंगी। यह सरकार वैसे तो दम भरती हैं

कि वह गरीबों की हमदर्द हैं लेकिन मैं इन्हें यह बताना चाहता हूं कि सैल्फ एम्पलामैंट के अर्न्तगत यमुनानगर में कुछ आई0 टी0 आई0 ि ाक्षित नौजवानों को जो म्युनिस्पल कमेटी ने दुकानें बनाकर दी हैं, उन दुकानों के किराये इनते अधिक यानि 300 रूपये मासिक कर दिये गये हैं कि वह बेचारा, जिसको न तो रा–मैंटीरियन मिलता हैं और न ही बिजली मिलती हैं, बैकों का कर्जा नहीं दे सकता। उपाध्यक्ष महोद, मैं कराधन सीमिति से बात करना चाहती हूं। सरकार ने एक कराधान समिति बनायी थी ताकि वह देखें कि हरियाणा में कर व्यवस्था पड़ौसी राज्यों के समानान्तर हैं या नहीं? सारे भारतवर्श में यमुनानगर नं0 एक पर हैं जो पैंकिग कैंसिज व ऐमुनि ान केसिज बनता हैं। वहां बंसीलाल सरकार ने टिम्बर प्रोडक्टस केसिज बनाता हैं। वहां बंसीलाल सरकार ने टिम्बर प्रोडक्टस व टिम्बर वालों पर जो केसिज बनता हैं। वहां बंसीलाल सरकार ने टिम्बर प्रोडक्टस व टिम्बर वालों पर जो टैक्स 4 प्रति ात लगाया था, वह मैंने जनता राज्य में भाई सतबीर सिंह मलिक , भूतपूर्व वित्त मन्त्री से एक वर्श के लिये 2 परसैंन्ट करवाया था। वर्श के बाद भी इसे बढाया नहीं गया परन्तु अब की सरकार ने उसे रिजैक्ट कर दिया हैं और पुनः उनका डैपुटे ान वर्तमान वित्त मंत्री को **(16.00)** मिला हैं। आज वहां के टिम्बर व्यापारी व आरा वाले हिमाचल में जा रहे हैं, पजांब जा रहे हैं और जम्मू क मीर में जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जम्मू क मीर में और हिमाचल प्रदे ा में टिम्बर प्रोडक्टस पर कोई टैक्स नहीं हैं। कराधान समिति ने टिम्बर व

टिम्बर के ऊपर टैक्स के बारे में 2 प्रति ात करने की अपनी रिर्पोट भी पे ा कर दी थी और मंत्री महोदय ने भी इस सम्बन्धी में आ वासन दिया था लेकिन मुझे यह दुःख के साथ कहना पड़ता हैं कि जिस कांग्रेस सरकार ने टिम्बर पर चार परसेन्ट टैक्स लगाया था और जनता सरकार ने उसको दो परसैन्ट किया और पुनः करने की सोची थी, अब कांग्रेस सरकार ने आते ही दो परसेन्ट टैक्स को रिजेक्ट कर दिया हैं। इस सरकार ने हरियाणा की समृद्धि को नहीं देखा कि यह व्यापार हरियाणा से बाहर न जाये। यहां पर हर फैसला राजनैतिक आधार पर किया जाता हैं। इस तरह करने से जनता का भला कैसे हो सकता हैं? डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंनें हरिजन छात्राओं के लिये एक थोथा नारा दिया। उनको कहा कि हरिजन छात्राओं को दस रूपये प्रति माह छात्र वृत्ति दी जाएगी। यमुनानगर में एक बल्मीकि बस्ती हैं। डी0 ए0 बी0 संस्था की छात्राओं ने उस बस्ती में पन्द्रह दिन का एक कैम्प लगाया और उस बस्ती में काफी सुधार किया। उस बस्ती की डिमाण्ड थी कि वहां पर बच्चों के कोई स्कूल नहीं हैं। डी0 ए0 वी0 संस्था ने वहां पर एक बाल भवन खोला। दस बाई दस का एक कमरा था उसमें यह बाल भवन खोला गया। मैंने वह पर कहा कि मैं दस हजार रूपया अपने डिसकि ान फण्ड से दे दूंगी लेकिन दुःख से कहना पड़ता हैं कि कांग्रेस सरकार ने आते ही वह डिसकि ानरी फण्ड नहीं दिया बल्कि काट दिया जिससे उस हरिजन बस्ती के बच्चे लाभ नहीं उठा पायेंगे। (व्यधान एवं भाोर)

श्री दीप चन्द भटिया: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर हैं। जब लोकदल की सरकार खत्म हुई भाोर एंव व्यधान

श्री उपाध्यक्ष: यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं हैं।

श्रीमति डा0 कमला वर्मा: राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में भाान्ति और सुरक्षा की बात कही हैं। मैं कहना चाहती हूं कि बड़ौपल के अन्दर एक हरिजन की हत्या कर दी गई उसका कुछ पता नही लगा। हिसार के अन्दर बि नोई मन्दिर के पास एक सरपंच की हत्या एक कांस्टेबिल ने कर दी, उसको कोई पूछता नहीं। रिवाड़ी के अन्दर जो वकीलों को अपमान किया गया उसके बारे में जब मैं सोचती हूं कि ऐमरजैसी के अन्दर वकीलों ने ही डैमोक्रेसी के अन्दर हर जगह ताना ाही के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी चाहे वे पी0 एन0 लेखो थे, या तारकुडें थे। बुद्धिजीवियों में वकीलों ने इन्दिरा गांधी के विरूद्ध पूरी आवाज उठाई थी, कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही कहीं वकीलों से बदला लेना तो आरम्भ उठाई थी, कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही वकलों से बदला लेना तो आरम्भ नहीं कर दिया हैं?? हांसी और खानपुर में महिलाओं के साथ जो अत्याचार किए गये हैं उनकी बाबत सुन कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। जब इन बातों का ध्यान आता हैं तो कुछ साल पहले कांग्रेस के राज्य की याद आ जाती हैं जिससे अध्यापकों का अन्दोलन चला, रेलवे कर्मचारियों का आन्दोलन चला.....

श्री उपाध्यक्षः बहन जी आप समाप्त कीजिए। आपका समय हो गया हैं।

श्रीमति डा0 कमला वर्माः डिप्टी स्पीकर साहब, उस समय महिलाओं को पीटा गया अपमान किया गया। उस वक्त रेलवे कर्मचारियों के घरों में जाकर उनकी महिलाओं का अपमान व बलात्कार किया गया। महिला अध्यापकों को खींच–खींच कर सड़को पर मारा गया क्या खानपुर और हांसी में जो कुछ हुआ हैं उसकी पुनरावृत्ति नहीं हैं? यह सरकार सिर्फ 32 प्रति ात वोट नहीं मानती हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, जनतार इन दलबदलुओं की सरकार को नहीं मानती हैं और वक्त आने पर इस सरकार को पता लग जाएगा। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में जिन कामों को बताया गया हैं वह जनता सरकार के द्वारा किए गए कार्य हैं इसलिये डिप्टी स्पीकर साहब महोदय मैं इस का समर्थन नहीं करती।

चौधरी रिजक रामः डिप्टी स्पीकर साहब, राज्पाल महोदय, के अभिभाशण पर अभी बहन कमला वर्मा बोल रही थी और उससे पहले बाबू मूल चन्द जैन ने अपने विचार रखे थे। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात अर्ज करना चाहता हूं कि जिस स्थिति में गवर्नर महोदय का अभिभाशण हुआ उसमें कोई तनाव की सूरत पैदा होने या टकराव होने की आव यकता नहीं थी क्योंकि ऐसी स्थिति 1979–80 के साल से आ रही हैं जिसमें तकरीबन सभी सदस्य चाहे व लोकदल के सदस्य हैं या जनता

पार्टी के सदस्य है या कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं, किसी न किसी समय में राज्य में भागीदार रहें हैं और सरकार चलाने में लगभग सभी सदस्य मदद करते रहे हैं और राज्य में भागीदार रहे हैं। जब चौधरी देवी लाल की सरकार थी तो लोकदल के मैम्बर जो आज विरोधी दल में बैठे है, उसमें भागीदार रहे व्यवधान और जनता पार्टी के सदस्य इस समय अलग बैठे हैं वे भी हिस्सेदार थे और हम भी हिस्सेदार थे। थोड़े भाई थे जो पहले कांग्रेस में थे या कुछ इंडिपेंडेन्ट्स थे। वे ही सिर्फ कह सकते हैं कि 1979–80 में जो कुछ हुआ उसमें वे भागीदार नहीं थे। उसके बाद चौधरी भजन लाल की सरकार बनी उसमें आज भी जो जनता पार्टी के सदस्य हैं चाहे वे डाक्टर मंगल सैन हैं या कोई हैं वे भी भागीदार रहे। इस लिये डिप्टी स्पीकर साहब, किस बुराई करें, किसको दोश दें, यह कोई ठीक बात नहीं हैं। इसमें भलाई बुराई करने की या नुक्ताचीनी करने की कोई बात नहीं हैं। फिर मुझे समझ नहीं आता कि डाक्टर साहब जैसे सजीदां सदस्य और जिनको इनका भारी तजुर्बा हैं वे छोटी छोटी बातों को लेकर नुक्ताचीनी कर रहे हैं जबकि ये अच्छी तरीके से जानते हैं कि एक महीना पहले जो कुछ सरकार में हुआ वह उसमें भागीदार थे और जो बातें हरियाणा प्रान्त में हुई वे सब उनकी सलाह म ाविरा से हुई इस बात को सामने रखते हुए मैं नहीं समझता कि इस सदन में तनाव की परिस्थिति पैदा करने की क्या आव यकता हैं? डिप्टी स्पीकर साहब, हालात को देखते हुए कि प्रान्त में सूखे की अवस्था हैं सारे हरियाणा के लोग चाहे वे किसान हैं और चाहे मजदूर हैं,

सब इस सूखे की स्थिति से परे ाान हैं। महेन्द्रगढ़, भिवानी, रेवाड़ी, सिरसा, गुडगांव आदि बहुत से ऐसे जिले हैं जहां पर वर्शा के अभाव में फसलें नश्ट हो गई हैं। आज थोड़ी बहुत वर्शा हुई हैं। वर्शा क्या हैं इसको बूंदा–बादीं ही कह सकते हैं, इससे कुछ राहत होगी या नहीं यह अभी नहीं कहा जा सकता हैं। परन्तु यह बात सभी मानते हैं कि एक तरफ वर्शा का अभाव हैं और दूसरी तरफ बिजली और पानी की कमी हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके साथ ही डीजल और दूसरे साधनों को भी किसानों की कमी रही। जहां किसानों ने बहुत मंहगे बीज और खाद लेकर अपनी फसल की बिजाई की वहां अब उन्हें सब कुछ अन्धेरा ही नजर आ रहा हैं क्योंकि उनकी फसले पानी के अभाव के कारण नश्ट हो रही हैं। अभी–अभी श्री मूल चन्द जैन जी ने कहा कि हमारे प्रदे ा में बेरोजगारी बहुत हैं और मंहगाई की वजह से सभी लोग परे ाान हैं और वे लोग यहां पर बैठे हुए मैम्बर साहेबान की तरफ देख रहे हैं कि हम लोग उनके लिये क्या क्या हल निकालते है। जिससे कि उनकी मु कलातें हल हों सकें। हमारा सब का यह फर्ज बनता हैं कि हम सब उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिये कोई ठोस कदम उठायें जिससे कि उनकी परे ाानियां दूर हो सकें लेकिन बजाये इन बातों के हम यहां पर ही हरियाणा के लोगों की जो आ ाएं हैं वे विलीन हो रही हैं। लोगों की जो आ ाांए हैं, वे वैसे ही वैसी ही धरा रह जांएगी। इसलिए मेरी मैम्बर साहेबान से रिकवैस्ट हैं कि हमें अपने कीमती समय को यूंही फिजूल की बातों में जाया नहीं करना चाहिए बल्कि आपसी

विचार विम र्श से लोगों की समस्याओं का कोई न कोई समाधान अवश्य निकालना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा साहब ने यह कहा था कि हरियाणा के सामने अभी बड़ी–बड़ी समस्याएं हैं और हम सब मानते हैं कि रावी व्यास के पानी की समस्या अभी तक वहीं खड़ी हैं। 19676 में इन्दिरा गांधी जी के राज में इस समस्या का हल ढूढ़ा गया था और कुछ फैसला भी हुआ था, पर अढ़ाई साल की चौधरी देवीलाल की सरकार ने जिसमें जैन साहब भी मंत्री थे इस और ध्यान नहीं दिया और सभी किये कराये पर पानी फेर दिया। उस वक्त पंजाब में अकाली पार्टी का राजा था। अकाली सरकार और जनता सरकार उस वक्त एक थी और चौधरी देवीलाल को यह विश्वास था कि हम आपस में बैठकर दोस्ती से इस मसले को सुलझा लेंगे पर हुआ यह कि यह मामला सुलझने की बजाये उलटा लटक गया। फिर यह मामला सुप्रीमकोर्ट में चला गया। उस वक्त हर आदमी की जबान पर यह था कि चौधरी देवीलाल और अकाली पार्टी की सरकार आपस में बैठकर इस बात का कोई न कोई हल अवश्य ही निकालेंगे और चौधरी देवीलाल हरियाणा के हकूकों को कभी खत्म नहीं होनें देंगे पर हुआ बिल्कुल इसके उलट। वे कहते रहे कि हम फैसला कर लेंगे, यह तो हमारे घर की बात हैं। हम इसके लिए तारीख मुकरर्र कर रहे हैं। पंजाब की भूमि पर वे जाकर नहर का उद्घाटन करेंगे लेकिन आज उद्घाटन तो क्या बल्कि ये समस्यायें और जटिल रूप धारण

कर गयी हैं और जटिल ही जटिल होती गयी। फिर इस केस को पहली सरकार सुप्रीमकोर्ट में ले गयी लेकिन आज वे कहते हैं कि इसको वापिस ले लिया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, जैन साहब वकील हैं। उनको पता हैं कि अगर एक बार सरकार के खिला दावा हो उसको वापिस ले लिया जाए तो दोवारा दावा नही हो सकता अगर ऐसा किया जाता हैं तो इससे हमे ाा के लिये हरियाणा के हकूक भी चले जाएंगे। इस तरह से इस सरकार को देवीलाल जी की सरकार ने ऐसा काम करके बड़ी भारी उलझन में डाल दिया हैं जिसका रास्ता निकालना बढ़ा मु कल हो गया हैं कि हरियाणा का पानी हरियाणा को अव य मिलना चाहिए। आज भी हम उनसे यह उम्मीद करते हैं कि इस बात का जल्द ही फैसला हो जाएगा।

चौधरी हर स्वरूप बूराः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं कि चौधरी रिजक राम जी भी चुनाव के दिनों में प्रचार करते रहे हैं कि कांग्रेस (आई) को वोट दो। सरकार पानी दिलाने की वे बाते को मानते हैं। तो अब तो कांग्रेस (आइ) की सरकार हैं। अब आप ही हरियाणा को उसके हकूक दिलवा दें।

चौधरी रिजक रामः डिप्टी स्पीकर साहब, जो बात इन्होंनें कही हैं, हमारी उससे सहमति हैं। मैं आपको एक बात बतना चाहता हूं कि अगर जनता पार्टी सरकार दिल्ली में रहते हुए चुनाव के बाद भी ये आ जाते तो फिर भी हरियाणा को उसके

हकूक का पानी वाला नहीं था। अगर हरियाणा को उसका हकूक कोई दिला सकता हैं या पानी दिला सकता हैं तो वह केवल श्रीमति इन्दिरा गांधी दिलवा सकती हैं। (तालियां)

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं। अभी चौधरी रिजक राम जी ने कहा कि चौधरी देवी लाल बाद में इस केस को सुप्रीम कोर्ट में ले गये। अगर चौधरी देवीलाल इस केस को सुप्रीम कोर्ट में ले गये थे तो वह भी चौधरी रिजक राम जी की सलाह पर ले गये थे। दूसरी बात इन्होनें यह कही केवल इंदिरा गांधी ही पानी दिलवा सकती हैं लेकिन जब ये खुद जनता पार्टी में थे तो ये भी पानी के सवाल के बारे में नारा लगा चूके थे।

चौधरी रिजक रामः डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं यहां पर इस कांट्रोवर्सी में नहीं पड़ना चाहता और न ही हमें इस समय पड़ना चाहिए लेकिन जहां तक हरियाणा के हकूक के लिये रावी और व्यास से पानी लेने का सवाल हैं वे सुप्रीमकोर्ट में गये हैं, सरकार के लैवल पर गये हैं इसमें मेरी अपोजी ान वालों से बिनती हैं कि सभी पार्टियों का सहयोग इस बात के लिये जरूरी हैं। दिल्ली सरकार को आज इस बात का एहसास हो रहा हैं कि हरियाणा के लोगों की, हरियाणा की जनता की समस्याएं बड़ी जटिल हैं और उनको सुलझाया जाना बड़ा जरूरी हैं इसलिये कोई कन्ट्रोवर्सी नहीं होनी चाहिए। जो फैक्टस हैं, वे मैंने हाउस के

सामने रखे हैं। इसमें किसी की बुराई या किसी पर कोई कटाक्ष नहीं हैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं एक मसले के बारे में यहां कुछ कहना चाहता हूं। वह हैं हैड वर्कस का मसला। उसके बारे में कानून बने हैं और अब तक वह मामला यू ही लटका रहा हैं। इस मसले में भी समझता हूं कि प्रतिपक्ष को सरकार का पूरा साथ देना चाहिए ताकि यह प्र न सदा के लिये हल हो सके। इससे आगे एक और बड़ा भारी गम्भीर हैं जोकि यू0पी0 सरकार से सम्बन्धित हैं जिसके बारे में यहां पर किसी जे जिकर नहीं किया हैं।

श्री उपाध्यक्षः चौारी साहब, आपका सयम खत्म हो गया हैं। (ाोर)

चौधरी रिजक रामः डिप्टी स्पीकर साहब, यू0 पी0 सरकार ताजेवाला से ऊपर एक चैनल बनाकर यमुना के पानी को हथनी कुन्ड से यू0 पी0 की बाउंडरी मैं ले जाने का सोच रहे हैं ऐसा करने से हरियाणा सरकार को एक बूदं पानी भी नहीं मिलेगा। हरियाणा सरकार की तरफ से जो वहां पर काम हो रहा हैं उस पर कोई लगभग 3 करोड़ रूपया खर्चा हो रहा हैं लेकिन यू0 पी0 की लोकदल सरकार ने वहां पर अपनी पुलिस भेजकर हमारे इंजीनियर्स को जबरदस्ती मारपीट करके, धमकियों देकर निकाल दिया हैं (ाोर एवं व्यधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, दलाल साहब किसी मामले पर भाशण देने से चुकते नही। हाजी पुर ब्रांच किस परिन्दे का नाम हैं, इनको पता नहीं। (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, बाबू मूलचन्द जैन कह रहे थे कि दे ा में लोकदल का प्रोग्राम अपना लेना चाहिएं। लोक दल सरकार मैं यू0 पी0 में श्री बनारसी दास मुख्य मंत्री थे। लोकदल के सदस्य इस हाउस में भी बैठे हैं और उस वक्त भी थे। जिस वक्त यू0 पी0 की सरकार ने हरियाणा सरकार के साथ ज्यादती की तो यहां के लोकदल सदस्य ने एक लफ्ज भी नहीं कहा। आज भी गवर्नर साहब ऐड्रैस पर बोलते हुए, एक लफ्ज भी उनके मुहं से नहीं निकला कि यू0 पी0 की सरकार हरियाणा के हकूक को ग्रास लेना चाहती हैं। (व्यवधान)

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चौधरी साहब कह रहे हैं कि जब यू0 पी0 की पुलिस हमारे इंजिनियर्ज को पीट रही थी यानी हरियाणा के साथ ज्यादती कर रही थी तो लोकदल के नुमायंदो ने कुछ नहीं कहा। उस वक्त चौधरी साहब, चौधरी भजन के लाल के आदमी थे और सारी की सारी टीम भारत द र्ान के लिए गई हूई थी। हम इनको कहां से ढूढ़ कर लाते। (व्यवधान) (**इस समय सभापतियों की सूचरी में से एक सदस्य, चौधरी राम कि ान, पदासीन हुए**)।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैंन साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि हमारे सामने बड़ी जटिल समस्याएं हैं और इन समस्याओं का

सामना करने के लिये सब का संगठित रूप से योगदान प्राप्त होना चाहिए तभी हरियाणा के हकूक की रक्षा हो सकती हैं। लेकिन इन बातों को छोड़कर इन भाइयों ने ज्यादातर डिफैक ान के बारें में चर्चा की हैं। एक सांस निकलता हैं तो डिफैक ान का नाम निकलता हैं। हर स्टेज पर अगर चर्चा हैं तो दल बदलुओं की चर्चा होती हैं। (व्यवधान) चेयरमैन साहब, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि डिफैक ान का प्र न हरियाणा तक ही सीमित नहीं बल्कि यह दे ा व्याप्त प्र न हैं। जनता की सरकार ने अपने घोशणा पत्र में जनता के साथ यह वायदा किया था कि वे अपने भाासन काल में डिफैक ान को खत्म करेंगे। इसके बारें मैं लोक सभा में बिल पे ा हुआ था, लेकिन जनता पार्टी के महा सचिव श्री मधुलिये ने कहा कि इस बिल को वापिस लिया जाए। उस वक्त उन्होंनें इस बिल का विरोध किया था और कहा था कि ऐंटी–डिफैक ान बिल पास नहीं होना चाहिए। आज सारे दे ा में डिफैक ान का प्र न व्याप्त हैं। चेयरमैन साहब, पिछले चुनाव के बाद अढ़ाई तीन साल चौधरी देवी लाल की सरकार रही और उसके बाद चौधरी भजन लाल की सरकार आई। इस दौरान जिन लोगों ने जनता पार्टी के टिकट के लिये कोि ा ा की और टिकट न मिलने की वजह से जनता पार्टी को छोड़ कर चले गये या उनको जनता पार्टी से पांच–छः साल के लिये निकाल दिया गया, उनको इस पार्टी ने भाामिल किया हैं। जनता पार्टी के लीडर यहां बैठे हैं, क्या इन्होंनें इतराज किया हैं कि इनको भाामिल नहीं करना चाहिए? (व्यवधान एंव भाोर) खैर, मैं इस प्वायंट पर ज्यादा बहस नहीं करना

चाहता। लोक सभ में, जनता पार्टी को छोड़कर इधर आए हैं, यह भी डिफैक ान नहीं हैं बल्कि सप्लिट हैं। (व्यवधान) इसको आप सप्लिट कहें या कुछ और कहें, मैं इस झगडे में नही पड़ना चाहता लेकिन जनता के वर्डिक्ट के आधार पर , जनता की भावनाओं का आदर करते हुए जो लोग इधन आ गए हैं, इसको ज्यादा बहस करने की आव यकता नहीं हैं। (व्यवधान) मैं अपनी बात कहना चाहता हूं। चेयरमैन साहब, बाबू मूलचन्द जैन ने कहा कि असैम्बली डिजौल्ब करवा कर नये इलैक ान करवाओ। पता नहीं जो बात यह कह रहे हैं दिल से कह रहे हैं या ओपरे मन से कह रहे हैं। 9 सूबों में असैम्बलीज टूटी हैं और मैं जानता हूं कि जिन सूबों की असैम्बलियो टूटी हैं, उनके ज्यादातर मुख्य मंत्री और लैजिस्टलेटर्ज इनके साथ थे। चेयरमैन साहब, मैं भगवान से पूछ सकता हूं कि इन सब सूत्रों में एक–एक भजन लाल क्यों पैदा नहीं कर दिया? (हंसी)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, चौधरी रिजक राम जी मेरे बुजुर्ग हैं, इस हाउस के सीनियर मैम्बर हैं, ये अपनी बात कह भी जाते हैं। मैं उनको डिफैक ान की वकालत करने पर दाद देता हूं, लेकिन वे जो बात कर रहे हैं, मजबूरी में कह रहे हैं। व्यधान) दिल से बातें कहे चौधरी साहब।

चौधरी रिजक रामः चेरमैन साहब, डाक्टर साहब ने फरमाया कि दिल से बात कहनी चाहिए। दिल की बात वह मेरी जानते हैं और मैं उनकी जानता हूं। (ाोर) चेयरमैन साहब,

डिफैक ान पर इतनी ज्यादा चर्चा नहीं करनी चाहिए। अब मैं दूसरी बात पर आता हूं। जतना पार्टी ने सरकार बनाई थी और इस दौरान इन्होंनें बड़े–बड़े ओहदे और लाइसैंस अपने रि तेदारों में बांटे हैं, वे खत्म होने चाहिए। यह काम चौधरी देवी लाल ने भाुरू किया था और जब भजन लाल ने बांट भाुरू की तो ये सवाल उठाया करते थे कि इनके घटक के खिलाफ मत जाओ.....

श्री सभापतिः आपका टाईम वैसे खत्म हो गया हैं लेकिन आप 5मिनट और बोल लें।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, चुनाव के दिनों ये वोट मांगने के लिए जनता में गए तो जनता की तरफ से बौछार पड़ी। बौछार क्यों पड़ी क्योंकि लोग भूखे मर रहे थे, उनको रोटी नहीं मिलती थी। उनके मकानों का सवाल था लेकिन इसके दूसरी तरफ एक एक मैम्बर के पास दस–दस कारें और कोठियां थी। (व्यवधान) सी0 एम0 को कहते थे कि उनके घर पर टैलिफोन लगवा दो। चेयरमैन साहब, मैं चौधरी भजन लाल जी को सुझाव देता हूं कि उन्होंनें जो कैबिनेट में और दूसरे बड़े ओहदो पर मैम्बर साहेबान को फायदा पहुंचाने के लिए लगाया हुआ हैं यह स्पायल सिस्टम हैं इसको वे खत्म करें। चेयरमैन साहब, अब तो डाक्टर साहब की मेहरबानी से कोई खतरा भी नहीं हैं। हंसी चेयरमैन साहब, मैं आपकी पार्टी का सदस्य होने के नाते मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी का बड़ी मुस्तैदी के साथ देने के लिए तैयार हूं। अगर कोई ऐसी बात हो भी जाए तो हमारे पास डाक्टर

मंगल सैन जी , बाबू मूल चन्द जैन जी और श्री हीरा नन्द आर्य बैठे हैं। (ाोर) चेयरमैन साहब, यहां हाउस में बोलते हुए चौधरी जगजीत सिंह पोहलू साहब फरमा रहे थे कि बाबूजी तो पूराने कांग्रेसी हैं इनका लेकदल से कोई ताल्लुक नहीं हैं, किसी वक्त भी इनकी समझ में यह बात आ सकती हैं। चेयरमैन साहब, मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इनको बड़ी हिम्मत के साथ कदम उठाना चाहिए और कैबिनेट को छोटा करना चाहिए तथा जिन सदस्यों को और रि तेदारों को बड़े बड़े ओहादे दिए हुए हैं उनको वहां से हटाना चाहिए।

डा 0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, चौधरी साहब रिजक राम जी ने कहा कि कैबिनेट छोटी होनी चाहिए। यह बिल्कुल ठीक बात हैं।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, आपको मालूम हैं कि जब चौधरी भजन लाल जी अपनी मिस्ट्री बनाने लगे तो डाक्टर साहब ने कहा कि मेरे कम से कम पांच मिनिस्टर तो होने चाहिए। (हंसी एंव भाोर)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मैं भी चाहता हूं कि लाइट मूड में रहूं और चौधरी रिजक राम जी को भी लाइट मूड में रहना चाहिए। फिर कहीं ऐसा न हो कि मेरा मूड भी गर्म हो जाए और मैं जो कुछ कह बैठू। इनको पता हैं कि हमारा मजबूरी क्या थी?

चौधरी रिजक रामः चेयरमैंन साहब, मैं तो सिद्धान्त पर चलने वाला आदमी हूं। मैंने तो मिनिस्टर रहते हुए भी एक आवाज उठाई थी कि यह स्पायल सिस्टम नहीं होना चाहिए। मेरी भी कई बातें ऐसी हैं जिनके कारण मेरा मुख्यमंत्री से मतभेद है। तो ट्रांस्फर्ज होने चाहिए लेकिन पिछली दफा चौधरी कंवल सिंह ने एक प्रस्ताव हाउस के सामने पे ा किया था उस प्रस्ताव में उन्होंनें कहा था कि जो बड़े–बड़ें अफसरान हैं उनके पास रहने के लिए बड़ी–बड़ी सरकारी कोठियां हैं, टैलिविजन सैट हैं और भी कई प्रकार के ऐ ाो–आराम की चीजें अपने घरों में दे रखते हैं। (ाोर)

श्रीमति सुशमा स्वराजः चेयरमैन साहब, मेरा व्यवस्था का प्र न हैं। रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजनैस के अन्दर जो राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा के लिए नियम बनाया गया हैं उसमें यह लिखा गया हैं कि असैम्बली को कोई भी सदस्य राज्यपाल के अभिभाशण पर बोलते हुए केवल उसी विशय पर चर्चा कर सकता हैं जो अभिभाशण के अन्दर उठाए गए हों। मैंने यह अभिभाशण पूरा का पूरा पढ़ा है इसमें तो कहीं भी ट्रांस्फर्ज का विशय मुझे दिखाई नहीं दिया। चेयरमैन साहब, हमें मालूम हैं कि जितना समय आप चौधरी रिजक राम जी को बोलने के लिए देंगे, वह हमारे समय में काटा जाएगा। यदि इनको ट्रांस्फर्ज के विशय पर बोलना हैं तो जब बजट पे ा होगा तो उसकी जनरल ऐडमिनिस्ट्रे ान की मांग पर विशय में ही बोल

लेंगे। अब ये ट्रांस्फर्ज के विशय पर हाउस का समय क्यों ले रहे हैं?

श्री सभापतिः आपको भी समय मिलेगा। (ाोर)

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, सुशमा स्वराज जी अभी बच्ची हैं। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, यह बच्ची भाब्द अन–पार्लियामैंटरी हैं। श्रीमति सुशमा स्वाराज इस हाउस की आनरेगल मैम्बर हैं। चौधरी रिजका राम जी को ऐसा नहीं बोलना चाहिए। यह ऐक्सपंज होना चाहिए।(ाोर)

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, डाक्अर साहब को मेरे और सुशमा जी के रि ते के बारेमें एतराज नहीं होना चाहिए। भाोर

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, चौधरी रिजक राम जी को किसी आनरेबल मैम्बर को बेटी या बच्ची कहने का कोई अधिकरार नहीं हैं। उन्होंनें यह भी कहा कि डा0 साहब को मेरे और श्रीमति सुशमा स्वराज जी के रि ते का पता नहीं हैं। चेयरमैंन साहब, रि ते की बात तो हाउस से बाहर होनी चाहिए। भाोर

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप बैठिए।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, डाक्टर साहब इस बात से खु ा होते कि मैंने सुशमा स्वराज जी को बेटी कहा। चेयरमैन साहब, असल बात यह हैं कि डाक्टर साहब को बेटा–बेटी या भाई बहन कहने का कोई अधिकार नहीं हैं क्योंकि न ये बेटा–बेटी रखते हैं और नही भाई–बहन रखते हैं। (हंसी एंव भाोर) इसलिए इन्होनें अगर बेटी और बच्ची में कोई फर्क समझा हैं तो कोई बात नहीं।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, चौधरी साहब को इस बात का एहसास होना चाहिए कि मैं भी किसी का बेटा हूं, मैं भी किसी का भाई हूं। सारी बातों की मनोपली उनको नहीं हो सकती हैं।

श्री सभापतिः चौधरी साहब, आपका समय हो गया हैं, अब आप वाइंड–अप कीजिए।

श्री हीरा नन्द आर्यः सभापति महोदय, चौधरी साहब को बोलते हुए काफी समय हो गया हैं। काफी मैम्बर साहेबान बोलना चाहते हैं उनको भी समय मिलना चाहिए।

श्री सभापतिः चौधरी साहब, आप एक मिनट में खत्म करें।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, मैं एक बात कह कर खत्म करता हूं। अभी बाबू मूल चन्द जी ने फरमाया कि लोकदल का प्रोग्राम अपना लेना चाहिए। चेयरमैन साहब, हम इस

बहस में तो पड़ते नहीं लेकिन एक बात डाक्टर साहब को कहना चाहता हूं कि 2 साल तक हरियाणा में चौधरी देवी लाल जी की सरकार रहीं। उस सरकार में और 6–7 महीने चौधरी भजन लाल जी की सरकार में डाक्टर साहब सैकिण्ड रैंक के मिनिस्टर थे। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः चौधरी साहब आप भी चौधरी भजन लाल जी की सरकार में मिनिस्टर रहे हैं। बाद में आपको हटा दिया गया।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, डाक्टर साहब जिस दो साल के अर्से की सरकार में मिनिस्टर थे उस सरकार की और 6–7 महीने की चौधरी भजन लाल की सरकार की अगर तुलना की जाए तो चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने उससे बहुत अधिक काम किया हैं। चेयरमैन साहब, मैं ज्यादा तफसील में न जाता हुआ, चौधरी देवी लाल जी की सरकार के बारे में इतना जरूर कहूंगा कि उन्होंनें कुछ मालगुजारी जरूर खत्म कर दी। चेयरमैन साहब, आपको मालूम हैं कि जब चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर अगले दिन राय होनी थी तो उससे पहले रोज 6 एकड़ तक की मालगुजारी माफ करने का फैसला किया गया था ताकि अगली सरकार के लिए कठिनाई पैदा हो। भाोर)

चेयरमैन साहब, 6–7 महीने के अर्से में यह देख कर कि किसानों की हालत बहुत कमजोर हैं इस सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए कुछ फैसले लिए। उदाहरण के तौर पर खालों को पक्का करने पर जो खर्चा आता था उसके लिए अढ़ाई एकड़ तक के किसानो को सारे खर्च कि छूट दी गई और उसके ऊपर कि जितने बिस्वेदार थे उनको आधे खर्चे की छूट दी गई। इस तरह से, जबकि एक मील का खाल पक्का करने पर एक लाख रूपया का खर्च आता हो तो आप अनुमान लगा सकते हैं कि कई सौ करोड़ रूपये की माफी इस सरकार ने किसानों को दी। विघ्न) श्री वीरेन्द्र सिंह जी जब सिंचाई मंत्री थे तो इनसे बारे–बारे प्रार्थना की गई की बीस गुणे तावान को घटा कर कम दो क्योंकि इतना भारी दंड किसानों की कमर तोड़ रहा हैं लेकिन उन्होंनें बार–बार कहने के बावजूद भी ऐसा नहीं किया लेकिन यह सरकार जब आई तो फैसला किया कि तावान की भारह 20 गुना से घटा कर 6 गुना कर दी जाएगी और मुख्यमंत्री जी ने वि वास दिलाया हैं कि इसी इलजाम में इस बारे में बिधेयक पे ा कर दिया जाएगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर हैं। जिन दिनों मैं आई0 पी0 एम0 था उस समय हरियाणा में नहरों में इतना पानी था कि लोग खुद कह कर नहर बंद करवाते थे, कट करने कि किसी को आव यकता ही नहीं थी और न ही कोई तावान के केस बनते थे। विघ्न)

Mr. Chairmen: No interruption please.

चौधरी रिजक रामः मैं श्री बीरेन्द्र सिंह जी के काम की कोई निन्दा नहीं करता लेकिन एक बात अर्ज करना चाहता हूं कि उनके टाईम में अनेक गांवो के लोगों की नई माईनर्ज बनवाने या बढ़वाने के लिए बहुत सी दरख्वास्तें आई लेकिन चौधरी साहब ने हुक्म दिया कि नई माईनेज के बनाने या बढ़ाने का खर्च किसानों से वसूल किया जाए। (ोम, भोम की आवाजें)

श्री वीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, यह गलत बात हैं क्योंकि जिस केस का जिक्र चौधरी रिजक राम जी कर रहे हैं वह केस एक गांव से सम्बन्धित है ंजिसके लिए मैंनें सिफारि ा की थी कि किसानों के ऊपर जो खर्चा डिपार्टमैंट डालना चाहता हैं वह उनसे न लिया जाय और इसी सिफारि ा के साथ फाईल मैंने फाइनैंस डिपार्टमैंट में भेजी थी।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, इनके अपने गोत का एक गांव हैं 'गुलियाना' जहां हजारों एकड़ जमीन बगैर आबप ाी के पड़ी हैं। माईनर के लिए उन लोगों की दरख्वास्त पर स्वंय चौधरी साहब ने आदे ा दिया कि 68 हजार रूपये यदि गांव के लोग दें तो माईनर बनाई जाएगी। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, यह बात भी गलत हैं। गावं वालों ने एक दरख्वास्त दी थी कि उनसे डिपार्टमैंट 68 हजार रूपया वसूल करना चाहता हैं। उस रिप्रैजेन्टे ान को मैंने

रिकोमैन्ड किया। मैंने यह लिखा कि चूंकि यह पैसा गांव वाले नहीं दे पाएगे इस लिए फाइनैन्स डिपार्टमैन्ट बिना पैसा गांव वाले नहीं दे पाएंगे इसलिए फाइनैन्स डिपार्टमैन्ट बिना पैसा लिए माईनर निकालने की आज्ञा प्रदान करें। (विघन)

श्री हीरा नन्द आर्यः चेयरमैन साहब, अगर हाउस का सारा टाईम चौधरी रिजक राम को ही अलौट होना हैं तो बाकी सदस्य क्या बोलेंगे? भाोर

चौधरी गंगा रामः चेयरमैन साहब, अगर आप हमें समय नहीं देते तो हम एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करते हैं। भाोर

श्री सभापतिः आप बैठिए। सबको समय मिलेगा। चौधरी साहब, आप एक मिनट में अपनी आउट करते हैं। (ाोर)

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि इस सरकार ने फैसला किया हैं कि किसी गांव के रकबे को सिचांई की सुविधा देने के लिए यदि नई माईनर बनाना या बढ़ाना आव यक हैं तो वहां सरकार के खर्च पर माईनर्ज बनाई जाएं और किसानों से कोई पैसा वसूल न किया जाए। (विघ्न)

चौधरी गंगा रामः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, चेयरमैन साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं कि चौधरी रिजक राम, जो आज किसानों के लिए आसूं बहा रहे हैं, * * * *

* * * * * * * * * * *

* * * * * * भाोर * * * इन्हें तो असेम्बली से इस्तीफा देना चाहिए। भाोर मैं इस बात के लिए इन्हें चैलेन्ज करता हूं। मैं इस बात को साबित कंरूगा। अगर साबित न कर सकूं तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी खुर ाीद अहमद): चेयरमैन साहब, चौधरी गंगा राम जी ने जो बगैर परमि ान के बोला हैं और गलत इल्जाम लगाए हैं, वे सारी बातें हाउस की कार्यवाही से ऐक्सपंज होनी चाहिए। भाोर

चौधरी गंगा राम: मैं तो कहता हूं कि यह मामला प्रिविलेज कमेटी में लाया जाए। (विघ्न)

श्री सभापति: वे रिमार्कस ऐक्सपंज कर दिए जाएं। (विघन)

चौधरी रिजक राम: चेयरमैन साहब, चौधरी गंगा राम जी ने फरमाया उसका जवाब मैं अलग से दूंगा क्योंकि इस समय मैं उसका जिक्र करना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री भले राम: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। चौधरी रिजक राम जी ने हजारों रूपये के मालायें किसानों से लो हैं और आज हाउस मेंये जमीदारों की बात करते हैं। जो भी इन्होंनें मालायें लीं वे डाल लों। (विघ्न)

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, ये तो ज्यादा बोलते हैं। मैं इन बातों में पड़ना नहीं चाहता परन्तु भाई गंगा राम जी से पूछना चाहता हूं। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः चेयरमैन साहब, मैं आपकी इजाजत से प्रार्थना करना चाहता हूं कि दोनों तरफ के मेम्बरान को हाउस को डेकोरम रखना चाहिए, मर्यादा को कायम रखना चाहिए। जिस ढंग से हाउस में हो रहा हैं ऐसा नहीं होना चाहिए। प्रैस गैलरी और विजिटर गैलरी में लोग बैठे हुए हैं। ये मैम्बरान के बारे में क्या सोंचेंगे? हर बात पर प्वायंट आफ आर्डर उठाना उचित नही। हमारा यह फर्ज हैं कि हम हाउस के वकार को ऊंचा रखें।

श्री मूल चन्द जैनः चेयरमैन साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने जो कुछ कहा हैं उसके साथ मै भी अपने आपको ऐसोि िएट करता हूं और अपनी पार्टी तथा जनता पार्टी के दोस्तों से अपील करता हूं कि वे हाउस में डिस्पिल मैनटोन करें और हाउस में डैकोरम रखे।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मुख्य मंत्री जी ने बात कही हैं मैं उसका वैलकम करता हूं। हाउस का डेकोरेम रखना बड़ा जरूरी हैं। चौधरी रिजक राम जी से भी मैं कहूंगा कि वे अब इस बात को खत्म करें।

श्री सभापतिः मैम्बरान साहेबान से मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि जब भी कोई बोले तो उसको डिस्टर्ब न किया जाये।

चौधरी रिजक रामः चेयरमैन साहब, छः सात महीने के अर्से में इस सरकार ने 36 माइनर्ज मंजूर की हैं जिन पर करोड़ो रूपया खर्च होगा। इन माइनर्ज को पूरा करने के लिए किसानों से कोई भी पैसा नहीं लिया जायेगा। पहली सरकार के टाईम पर बैनिफि ारीज से पैसा लिया जाता था लेकिन इस सरकार ने उसको माफ कर दिया हैं। पहले पुलों के बारे में यह नियम था कि एक पुल का दूसरे पुल से अढ़ाई मील का फासला हैं तो वहां पर भी जमींदारों से पुल बनाने पर खर्चा लिया जाता था परन्तु हमारी सरकार ने यह फैसला किया हैं कि बड़ी नहर पर पुल बना हो और उससे एक मील के फासले पर नया पुल बनना हो तो भी खर्चा नहीं लिया जायेगा और छोटी नहर पर एक किलोमीटर के फासले पर कोई दूसरा पुल बनाना पड़े तो भी सरकार अपने खर्च से ही बनायेगी। चेयरमैन साहब, कोई पार्टी हो, चाहे लोकदल हो या कांग्रेस पार्टी हो सभी को किसानों का ख्याल हैं। यह कहना कि लोकदल हो या कांग्रेस पार्टी हो सभी को किसानों का ख्याल हैं। यह कहना कि लोकदल वालों के दिल में जयादा दर्द हैं यह बिल्कुल गलत बात हैं। इस सरकार के आने के बाद छः सात महीने में जो कायम हुए हैं वे भाायद दो साल में भी नहीं हो पाये होंगे।

चौधरी उदय सिंह दलाल (बादली): चेयरमैन साहब, इस गवर्नर ऐड्रैस में भाुरू में ही इन्दिरा गान्धी की तारीफ की गयी हैं। मैं इस बारें मे ज्यादा क्या कहूं वे हमारे दे ा के प्रधानमंत्री हैं

लेकिन मैं इतना कहना चाहता हूं कि जितने अन–डेमोक्रेटिव तरीके से चुनाव के दिनों में गलत बातें और भ्रश्टाचार हुआ हैं उसकी मिसाल सारी दुनियां के इतिहास में नहीं मिलेगी।

चेयरमैन साहब, इस गवर्नर ऐड्रैस के पैरा पांच के अन्दर किसानों की पैदावार बढ़ाने की बात की गई हैं। यह बड़ी अच्छी बात है। अगर कोई भी सरकार पैदावार बढ़ाने की बात करती है तो मैं उसकी तारीफ करूंगा लेकिन आज के दिन किसानों का जितना नुकसान हो रहा हैं वह बेमिसाल हैं। किसानों को बिल्कुल डीजल नहीं मिल रहा हैं। डीजल न मिलने के कारण किसानों की फसल सूख रही हैं। किसानों ने किसी न किसी तरीके से डीजल लेकर ट्यूबवैल से अपनी फसल में पानी दिया हैं परत्नु आज आखिरी पानी के बिना उनकी फसलें सूख रहीं हैं। आज डीजल न मिलने से किसान तड़प रहा हैं, उसके जवान बच्चे और लड़कियां डीजल लेने के लिए लाइनों में लगे हुए हैं लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही हैं। अगर कोई ट्रक वाला राजस्थान, पंजाब या मध्यप्रदे ा का डीजल लेना चाहता है तो उसको पांच रूपये लीटर के हिसाब से पैट्रोल पम्प वाले उसी समय डीजल दे देते है। चेयरमैन साहब, नागर साहब भी देहात के रहने वाले हैं। उनको जमींदारो की तकलीफों को समझना चाहिए। मैं उनको चिड़ाने या नुक्ताचीनी के नाते से नहीं कह रहा हूं। बल्कि जो सही दिक्कत हैं वह बता रहा हूं। मैं यहां पर दावे से कहता हूं की डीजल की हरियाणा में ब्लैक हो रही हैं। अगर

ब्लैक न हो रही हैं तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। अगर किसान को डीजल नहीं मिलेगा तो उनकी पैदावर कैसे बढ़ेगी? नजरबन्दी कानून भी हैं लेकिन उसके बाद भी डीजल ब्लैक में बिक रहा हैं। जो लोग डीजल ब्लैक में बेचते हैं उनको नजरबन्दी कानून के तहत गिरफ्तार करना चाहिए। अब सरकार मेरे से पूछेगी कि डीजल की ब्लैक किस भाहर में हो रही हैं। मैं उनको बताना चाहता हूं कि मेरे झज्जर भाहर में ब्लैक हो रही हैं। सारे के सारे पैट्रोल पम्प वाले ब्लैक कर रहे हैं। मैं सारे हरियाणा का तो टूर नहीं कर सकता लेकिन झज्जर में रहता हूं वहां कि बात मैंने हाउस के सामने बता दी हैं। आपके जरिए सरकार से निवेदन हैं कि इस गलत काम को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिएं। चेयरमैन साहब, मैं उनको एक और सबूत देने के लिए तैयार हूं। वे इसे बे ाक पड़ताल करा लें। चुनाव के दिनों में जो इस सरकार की राय देने की हां भरता था उसको पांच–पांच सौ लीटर डीजल मिल जाता था लेकिन जो हां नही भरता था उसको बिल्कुल नहीं मिलता था। ठाकुर बीर सिंह जी को भी पता होगा कि कुतानी गांव के किसानों ने ब्लैक में डीजल खरीदा और वे बयान भी देने के लिए तैयार हैं। तो आप अन्दाजा लगाएं कि बिना डीजल मिले उनकी पैदावर कैसे बढ़ सकती हैं। एम0 एल0 ए0 और मिनिस्टरों के रि तेदारों को तो डीजल मिल जाता हैं या बड़े बड़े साहूकारों को मिल जाता हैं लेकिन गरीब किसानों को बिल्कूल डीजल नहीं मिलता हैं। चेयरमैंन साहब आपके जरिए मेरी सरकार से गुजारि ा है कि हरियाणा भवन को छोड़कर वे लोग

गांवो के टूर कर लिया करें। इनके गांवो में जाने से लोगों को ज्यादा फायदा होगा। आज लागों को बड़ी भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा रहा हैं।

हरियाणा में नहरों पर करोड़ो रूपया खर्च किया जा रहा हैं। अब एक नई नहर एस0 आई0 एल0 बनायी जा रही हैं। मैंने चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को भी था कि इस नहर पर जो पैसा लग रहा हैं यह बेकार ही जा रहा हैं। आप इस नहर की कितनी ही खुदाई करायें या इस पुल आदि बनवांए लेकिन इसका किसानों को कोई लाभ नहीं होगा। इस नहर के अन्दर चूहे पैदा हौंगे और आपका करोंड़ो रूपया बेकार जाएगा। पहले आप इस पानी के बारे में फैसला कर लें तभी इस नहर को खुदवाया जाये। आप इस पैसे से और बहुत से काम कर सकते हो जो लोगों की भलाई के है। इस रूपये से वाटर सप्लाई स्कीम बनायें, हस्पताल बनायें, सड़के बनायें, मंडियों ताकि लोगों को सुविधा हो।

चेयरमैन साहब, चौधरी रिजक राम जी मेरे बाप के बराबर हैं और वे हमारे से काफी सीनियर एम0 एल0 ए0 हैं। हम तो पुलिस में घूमने वाले आदमी हैं। वे सन् 1952 से चले आ रहे हैं परन्तु वे आज तक यह फैसला नहीं कर पाया हैं कि कौन सी पार्टी में जायें। मैं अपनी सारी जिन्दगी में एक ही सियासतदान देखा हैं जिसकी मंजिल का आज तक पता नहीं चला पा रहा हैं कि वे कहां और किस पार्टी में जाना चाहते हैं। चौधरी साहब आपको कहीं भी जगह न मिले तो हम सर झुकाते हैं, हमारी तरफ

आ जाओ। हम आपको कभी न कभी मुख्य मंत्री भी बना देंगे। हंसी)

चेयरमैन साहब, यहां हाउस में गेहूं के भाव में भी जिक्र आया। गेहूं के भाव के बारे में तो चाहे कोई भाई रूलिंग पार्टी में या अपोजी ान में हैं सभी की एक रास हैं कि किसानों को अधिक से अधिक भाव दिलायें जायें परन्तु सरकार ने यह क्वालिटी इंस्पैक्टर लगा रखे हैं ये जमीदारों को बढ़ा तंग करते हैं। जो क्वालिटी इंस्पैक्टर को पैसे दे देता है तो वे क्वालिटी इन्सपैक्टर दाने दाने को गिनने लग जाते हैं और पचासों किस्म की बातें करते हैं कि यह गेहूं 115 रू0 क्विंटल के भाव से नही खरीदा जा सकता हैं। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जहां आप किसानों को बढिया भाव दें वहां पर क्वालिटी सिस्टम को खत्म करें। यह तो सांप किसानों के गले मे लटक रहा हैं इसलिए इस सिस्टम को खत्म करें।

(17.00 बजे) चेयरमैन साहब, जितने भी दु:ख देने वाले महकमें हैं वह सभी मेरे दोस्तो श्री नागर साहब के पास हैं चाहे क्वालिटी इन्सपैक्टर का हो, चाहे तेल का हो या डीजल को हो। मुझे बड़ी खु ाी हैं कि मेरे दोस्त इस राज में भी राज में भी वजीर हैं। लोग मुझे कहते हैं कि नागर साहब का क्या हाल हो रहा हैं? मैं चाहता हूं क वे क्वालिटी इन्सपैक्टर वाली बात की तरफ तथा डीजल वगैरह की जो कमी हैं उसकी तरफ भी ध्यान

दें। हरियाणा भवन में तो उन्होंनें बहुत मौजे ले ली हैं अब वे गांव की तरफ भी ध्यान दें।

अब मैं को–ओप्रेटिव डिपार्टमैंट के बारे में भी अर्ज करना चाहता हूं। इस गवर्नर ऐड्रैस के पैरा 13 में को–आप्रेटिव डिपार्टमैंट के बारे में काफी कुछ कहा गया हैं। को–आप्रेटिव डिपार्टमैंट ने बड़ी तरक्की की हैं, उससे लोगों को काफी राहत मिली हैं। किसानों को भी अपनी तरक्की मैं काफी बढ़ावा मिला हैं। लेकिन हमारी बदकिस्मती यह हैं, जो महकमें की बदनामी की लहर है इसको हम आज तक खत्म नहीं कर सके है। इस सरकार ने तो अभी 15 दिन पहले ही नया जनेऊ पहना हैं। हंसी) मेरी इनसे प्रार्थना हैं कि को आप्रेटिव सोसाईटियों मे गलत तरीके से जो काम होते है उनको ये खत्म करें और जो बदनामी इस डिपार्टमैंट की है, इस मे पर्सनल इंट्रैस्ट ले कर इस बदनामी को भी खत्म करे। चेयरमैन साहब, यह जो इंजन खरीदने वाला सिस्टम है यह सरकार ने बहुत ही अच्छा काम किया है कि किसानो पर जो पाबंदी होती थी उसको खत्म कर दिया है। किसानों को जो कर्जा देगें उससे वे अपने बढ़िया इंजन कहीं से भी खरद सकते हे और महकमे को सिर्फ रसीद ला करके दे देंगे।

चेयरमैंन साहब, यह दहाने पुखता करने की जो स्कीम है इससे नहरो के अंदर पानी बढ़ेगा और आबप ाी भी बढ़ेगी। जितना खर्चा किया हे वह जनता सरकारने किया या किसी और सरकार ने किया है मैं उसकी सराहनाकरता हूं। इस के साथ ही

साथ मै अपील करता हूं कि इस पर जो मैटीरियल लगे उसकी तरफ ज्यादा से ज्यादा निगरानी की जाये। यह महकमा मेरे पड़ोसी मिनिस्टर के पास है। अगर सीमेंट वहां पर बिकेगी तो वे दाहने खराब बनाएंगे और सरकार को इससे काफी नुक्सान होगा क्योंकि दाहने वालो के आसपास मकान वाले घूमते रहते है ताकि किसी तरीक से उन्हे सीमेंट मिल जाये। इसलिये हमें भी उनसे सतर्क रहना चाहिएं (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये हाउस को बताना चाहता हूं कि 13 लाख रूपये रोहतक के प्लांट का बकाया है। यह प्लांट गरीबों का दूध लेने वाला प्लांट हैं इसका रूपया अभ डयू है। वह दिखाया जाये। यह महकमा आरणीय सरदार तारा सिंह जी के पास है। मेरी इंफर्मे ान यह है कि यह बहुत बड़ा अमाउंट नही है, इसलिये यह अमाउंट जल्दी से जल्दी दिया जाना चाहिए।

स्पीकर साहब, अब मैं इण्डस्ट्रीज के बारे मे कुछ कहना चाहता हूं। लिखने को तो हर साल लिख दिया जाता है कि इण्डस्ट्रीज बड़ी डिवैल्प कर रही है। लिखने का यह सिस्टम पहले से ही चला आ रहा है। यही सिस्टम पहली सरकारों का भी रहा है और इस सरकार का भी है। मैंने डॉ. मंगल सैन जी को भी बताया था कि दुलेहड़ा के अंदर जो रूरल इण्डस्ट्री लगाई है उसमे किसी को भी रा मैटिरीयल नही मिल रहा है। वहां पर एक साबुन की फैक्टरी है। वे 9 रूपये के हिसाब से सोड़ा कास्टिक खरीद रहे है। और अपनी फैक्टरी चला रहे है और यह सारे के सारे नए

लड़के है। इनको सरकार की तरफ से न कोई गाईड लाईन मिलती है और न ही कोई मार्किट मिली है। पुरानी फैक्टरी वाले इनको कामयाब नही होने देते । मैं आपकी मार्फत यह कहूंगा कि इस मामले मे आप स्वयं दिलचस्पी ले।

जनता पार्टी के राज मे गांवों मे फैक्टरी लगाने वाले लोगों मे हरिजना भाइयों को भी भाामिल करके फैक्टरी चलाने का सिस्टम लागू किया गया था । वइ इसलिये किया था ताकि भाहरो के आ दमी ही इस माल को न खा जायें और अमीर आदमी अपनी ब्रांचे गांवों के अंदर न खोल ले। इसलिये गांवो के अंदर जो लोग फैक्टरी लगाते है उनको भी ट्रेन्ड किया जाना चाहिए ताकि वह भी अपना माल ठीक दामों पर बेच सके। (घंटी) स्पीकर साहब, मैं एक ही मिनट मे खत्म कर देता हूं। यह जो राज्यपाल महोदय का अभिभाशण है, यह जनता पार्टी के राज की किताब छपी हुई है। इस मे जो योजनाएं है वे हमारे समय की है। इसयिले मैं उन बातो को तो ध्यान मे रखते हुए इनको मुबारिकबाद देता हूं। अगले साल जो गवर्नर ऐड्रैस आयेगा वह कांग्रेस सरकार की तरफ से आयेगा उस ऐड्रैस को ये पढ़ पायेंगे या उससे पहले ही यह सरकार खत्म हो जायेगी। मैं उस बात मे जाना नही चाहता । (हंसी एंव विघ्न)

स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी से मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि चुनावों के दिनों मे जिन सरपंचो को सस्पैंड किया गया था। उनको अब बहाल किया जाये। जब आपकी यह सरकार

सस्पैंड नही हो सकती तो उन सरपंचो को क्यों सस्पैंड यिका हुआ है ? वे भी जनता के नुमाइंदे है। उनको बख्भा दो।

स्पीकर साहब, एक सबसे जरूरी बात जो मैं कहना चाहता हूं वह यह हे कि अनाज के बदले जो काम को स्कीम चालू की गई यह सबसे बेहतरीन स्कीम है। इस स्कीम के तहत गांवों के जो रास्ते है या और कोई काम है वे भी पूरे हो जायेगे और लोगो कों अनाज भी मिल जायेगा। अब मैं सरकार को एक सुझाव दूंगा कि यदि किसी गांव मे कहीं पर मिट्टी डालनी है और उस गांव के पास मिट्टी नही मिलती है तो वहां पर मिट्टी डालने के लिये ऊंट रेहड़ी या बैलगाड़ी द्वारा मिट्टी ला कर डालनी चाहिएं सिर पर इतनी दूर से मिट्टी नही लाई जा सकती। मेरा इस संबंध मे यह सुझाव है कि यह जो मस्टरोल का कानून आपने बनाया हुआ है इसको खत्म किया जाये। मस्टरोल पर ऊंटगाड़ी, रेहड़ी या बैलगाड़ी नही दिखाई जा सकतीं जिस प्रकार से पी.डब्ल्यू.डी. वाले अपने ट्रकों से मिट्टी डालते है उसी प्रकार से गांवो वालों को भी अपने रास्तों के लिये ऊंट गाड़ी, रेहडी या बैलगाड़ी से मिट्टी डालने की इजाजत होनी चाहिए ताकि गांवो के लोगो को अधिक मात्रा मे काम के बदले मे अनाज मिल सके। अंत मे मैं फिर कहना चाहूंगा कि सरपंचो पर जो झूठे मुकदमें बनाए हुआ है वे खत्म किये जाये।

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद देना चाहती हूं कि आपने

सदन मे आने के फौरन बाद मुझे बोलने के लिये समय दिया। इसके साथ ही मैं एक गुजारि ा भी आपसे करना चाहूंगी कि जैसे रबड़ का एक मिनट चौधरी रिजक राम जी को बोलने के लिये दिया गया था जो बढ़ते बढ़ते तक घण्टे का हो गया वैसे ही रबड़ का एक मिनट मुझे भी दे तो मैं आपकी आभारी हूंगी ताकि मै भी आपनी सारी बाते कह सकूं। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः आपके बोलते समय कोई और नही बोलेगा। आप कृपया करके 10 मिनट के समय मे ही अपनी बात समाप्त करें।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, इस बार बड़ी ही हास्यामद स्थिति मे राज्यपाल महोदय ने अभिभाशण पर चर्चा हो रही है। वास्तव मे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे जिन उपलब्धियों का या जिन योजनाओं का जिक्र किया गया है, वे तमाम की तमाम उपलब्धियां चौधरी भजन लाल की जनता सरकार के समय की है और वे योजनायें जब केंद्र मे जनता सरकार थी, तब की है। अध्यक्ष महोदय, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बन गयी है जिन लोगो को इन उपलब्धियों को मुखालफित करनी थी या आलोचना करनी थी, उन्ही को इसकी प्र ांसा करनी पड़ी है। अगर वे आज अपनी पहले वाली जगह पर होते हो तो वे इसकी आलोचना करते और इन उपलब्धियों की प्र ांसा न करते । अगर आज स्थिति ऐसी आ गयी है कि जिन लोगो को इसकी आलोचना करनी चाहिए थी, उनको इसकी प्र ांसा करनी पड़ी है और

जिन्होंने स्वयं इन उपलब्धियों को प्राप्त किया है, योजनाएं बनाने मे सहयोग दिया है उन्हे इनकी मुखालफित करनी पड़ रही है। यह एक अजीब संयोंग हैं कल जब चौधरी भोम ोर सिंह जी धन्यवाद प्रस्ताव पेश करने के लिये बड़े हुए तो मुझे ऐसा लगा कि जैसे वे बड़े अनमने मल से अपनी बात कह रहे हों मैं मूल चंद जैन जी की इस बात से भात प्रति ात सहमत हूं कि उन्होंने इस तरह से धन्यवाद प्रस्ताव पे ा किया जैसे कि उनको कोई अन प्लैजैंट डियूटी निभानी पड़ रही हो। वे जब कल बोल रहे थे तो ऐसा लग रहा था जैसे अनमने भाव से वे भाब्द अपनी गली से नीचे उतार रहे हो और भाब्द उनके गले मे अटक रहे हो। और ऐसा हो भी क्यो न ? अध्यक्ष महोदय, जिन लोगो ने चुनावों के दौरान इनकी उपलब्धियों का और इनके कामो का विरोध किया, वे कैसे इनकी प्र ांसा कर सकते है। आप यह मानेंगे कि अब उन तमाम बातो को अपने गले के नीचे उतारना ओर उनकी प्र ांसा करना, किसी आदमी के बास की बात नही है। खैर, उन्होंने बीच का रास्ता निकाल ही लिया। जो उपलब्धियां थी, वह तो उन्होंने यह कहा कि जो वाल्मीकियों के 50 रूपये बढ़ाये, वह तो हमारी सरकार ने बढ़ाये और जो हरिजनो पर ज्यादती की, वह जनता सरकार ने की, उन्होंने तो ऐसे किया कि मोठा मोठा गप्प और कड़वा कड़वा थू। मैं काफी देर तक सोचती रही हूं कि इन लोगा को कैसे डिफरैं ीयट करूं कांग्रेसी नंबर वन और दो कहूं या नकली असली कांग्रेसी कहूं। मगर यह भाशा सदन के अनुकूल नही दीखती। तो अंत मे मैंने यही सोचा कि ओरिजनल कांग्रेसी और

एडॉप्टिड कांग्रेसी ही कहूं तो अच्छा रहेगा यानी मूल रूप से और गोद लिये हुए कांग्रेसी । चौधरी भजन लाल सरकार पहले तो कभी ऐसी गलती नही करती थी पता नही इस बार कैसे हो गयी। मेरा कहना यह है कि उनको किसी गोद लिये हुए कांग्रेसी को धन्यवाद प्रस्ताव पे ा करने के की डयूटी लगानी चाहिए थी ताकि यह (हंसी और भाोर) अपनी बात पुरजौर तरीके से और अच्छे तरीक से कहते। चौधरी भाम ोर सिंह जी ने तो केवल मात्र फारमैलिटी पूरी करनी थी जो उन्होंने रूक रूककर कर दी। उनको भाब्द बड़े चबाने पड़े। अध्यक्ष महोदय, मुझे कम से कम इस बात का सौभाग्य प्राप्त नही है कि मुझे कभी भी भाब्द चबाने नही पड़ते है। जब जनता पार्टी की सरकार थी यानी जब मैं सत्ताधारी पार्टी मे थी तब कभी मैंने समर्थन के लिये समर्थन नही किया। आज विपक्षी बैंचों पर बैठी हूं तो विरोध के लिये विरोध नही करूंगी। मैं मानती हूं, अध्यक्ष महोदय, कि व्यक्ति का न तो समर्थन अंधा होना चाहिए न विरोध अंधा होना चाहिए। समर्थन मे आलोचनात्मक पुट हो और विरोध मे रचनात्मक तो लोकतंत्र मजबूत होता है। मैं हमे ाा से इस बात मे वि वास करती हूं कि स्पोर्ट क्रिटिकल हो और अपोजी ान कांस्ट्रक्टिव और उसी कसौटी पर मैं आज भी राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे उठाये गये कुछ विशयों पर अपने विचार सदन के सामने रखना चाहूंगी। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के पृश्ठ 4 पर उन्होंने यह कहा है कि हरियाणा क्षेत्र मे सतलुज यमुना लिंक कैनाल के निर्माण का कार्य जून, 180 तक पूरा होने की प्रत्या ाा

है। मैं इसके बारे मे किसी कंट्रोवर्सी मे नही पड़ना चाहती। केवल यही कहूंगी कि इससे इस प्रदे ा की समृद्धि का प्र न जुड़ा है। यह पानी जब तक इस प्रदे ा को नही मिलेगा ब तक यहां पर प्रगति नही हो सकती। आपको पता है इस प्रदे ा मे कितने ही मुख्य मंत्री आये और चले गये कितने ही दलों की सरकारे बनी और चली गई लकिन यह मसला आज तक यों का यों बना हुआ है। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे यह भी लिखा हुआ है कि यह मसला अब सुप्रीम कोर्ट मे चला गया है। जब कोई केस सुप्रीम कोर्ट मे चला जाये तो जल्दी से उसका निपटाना नही हो सकता। आपको पता है आज केंद्र मे, जो हमारे पहले यहां कृशि मंत्री होते थे और लीडर आफ दी अपोजी ान भी रहे है, राव बीरेंद्र सिंह, कृशि मंत्री के पद परी सु ाोभित है। गृह मंत्री ज्ञानी जेल सिंह जी के साथ चौधरी भजन लाल जी के साथ भी इनके संबंध अच्छी रहे है। (व्यवधान व भाोर) श्रीमती इंदिरा गांधी के साथ भी इनके संबंध अच्छे थे लेकिन बाद मे टूट गये और दुबारा संबंध बनने मे कुछ समय लगता है। लेनिक मुझे इतना जरूर पता है कि इनके ज्ञानी जैल सिंह जी के साथ अच्छे संबंध है। इसलिये मैं चौधरी भजन लाल जी से यह कहना चाहूंगी कि आप राव बीरेन्द्र सिंह जी से और ज्ञानी जैल सिंह जी से अपने संबंधों की सहायता से इस मसले को जल्दी से जल्दी सुलझाये। अब तो पंजाब मे भी कोई सरकार नही है। इसलिये इसका वहां पर भी विरोध नही होगा। मैं यह चाहूंगी कि इस मामले मे सुप्रीम कोर्ट के वरडिक्ट की इंतजार किये बिन इसको हल करने के प्रयत किये जाये। हरियाणा की

जनता इससे सुखी होगी और आपको बधाई देगी। आप तो ठीक है 1980 मे ही अपने हिस्से की चैनल बना लेंगे लेकिन इसको तब तक फायदा नही है जब तक वहां पर पानी न आये। इसी पृश्ठ 4 पर पैरा 10 के बारे मे चौधरी रिजक राम जी ने डिटेल मे बात कह दी है। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगी कि सूखे व वर्शा के अभाव के कारण पानी और बिजली की कमी पूरी नही हो सकती। थर्मल प्लांटों के साथ एक वि ाियस सर्किल जुड़ा हुआ है। इनको चलाने के लिये कोयला चाएिह, कोयला लाने के लिये रेलवे वैगन्ज चाहिये। पहले तो कोयला मिलला ही नही है और अगर मिल भी जाये तो रेलवे वैगन्ज नही मिलती है। मार ओवर, थर्मल प्लांटो के द्वारा पैदा की हुई बिजली महंगी पड़ती है और यदि हम प्लांट एक बार खराब हो जाये तो जल्दी से ठीक भी नही होते। मैं एक बात यमुना नगर पन बिजली योजना के बारे मे कहना चाहूंगी। केवल मात्र यही एक हरियाणा मे हाईडल प्रोजैक्ट है। हमारा यह तो दुर्भाग्य है कि हमारे यहां पर कोई बड़ी नदी नही है। जो एक नदी है—साहबी, वह वैसे सूखी रहती है और बरसाल मे वह सिर्फ बाढ़ और तबाही लाती है। यमुना नगर हाईडल प्रोजैक्ट मे चार फेसिज मे 16—16 मैगावाट बिजली का उप्तादन किया जोयगा। हमने पिछले दिनो अखबारो मे यह पढ़ा था कि यू.पी. गवर्नमैंट के साथ इस बारे मे कोई झगड़ा है। वहां पर भी आजकल कोई सरकार नही है। यू.पी. गवर्नमैंट भी आजकल राश्ट्रपति भाासन लागू है। मैं यह चाहूंगी कि इस बारे मे यदि कोई समस्या है तो उसका तत्काल हल ढूंढा जाये। अगर इस तरह की कोई योजना

सिरे न चढ़ी तो बिजली का संकट और भी ज्यादा होने वाला है। अगर सरकार वाकई किसान को राहत देना चाहती है, तो इसको सिरे चढ़ाना चाहिए। यमुना नगर पर बिजली परियोजना के बारे मे वहां के राज्यपाल से बात करके कोई न कोई ऐसा तरीका निकाले जिससे कि हम इस योजना को बना सके । पृश्ट 7 पर पैरा 15 मे काम के बदले अनाज कार्यक्रम का जिक्र किया गया है। काम के बदले अनाज देने वाली योजना एक बहुत अच्छी योजना है। इस योजना को गांवों मे पक्की सड़कें बनाने व गांवो मे अस्पताल बनाने के लिये लागू किया जा रहा है। भाायद चौधरी भजन लाल जी के नोटिस मे एक बात नही है। मैं उनके नोटिस मे यह बात लाना चाहती हूं कि इस काम के बदले अनाज योजना ने गांव के अंदर तनाव पैदा कर दिया है। वहां के हरिपन लोग यह समझते है कि यह योजना केवल उन्ही लोगो के लिये बनाई गयी है। हमारी सामने बहुत ज्यादा ि ाकायतें आई कि गांव का जो सरपंच होता है वह जो हरिजन है या गरीब लोग है, उनके अतिरिक्त दूसरे लोगो को लगा देता है। जो दूसरे लोग लगाए जाते है वे काफी सम्पन्न होते है। उनके पास ट्रैक्टर होते है, उनके पास गाड़ियां होती है, सरपंच उनको कह देता है कि काम मे विलम्ब हो रहा है इसलिये अपने ट्रैक्टर लगाकर काम समाप्त कर दो। अध्यक्ष महोदय, ऐसा करने से यह होता है कि जो अनाज हरिजनो को जाना चाहिए था, वह सारे का सारा अनाज उन सम्पन्न लोगा को चला जाता है और इस तरह से जो योजना बनाई जाती है तो वह बहुत अच्छी होती है लेकिन जब उस योजना पर अमल आरम्भ

होता है तो गड़बड़ आरम्भ जो जाती है। इसलिये मैं कहना चाहती हूं कि काम के बदले अनाज की जो योजना है, यदि उस पर उसी ढंग से अमल किया जाये जिस उदे य से यह योजना बनाई गई है तो उससे हरिजनो को तथा समाज के दूसरे गरीब लोगा को बहुत लाभ मिल सकेगा। अध्यक्ष महोदय पृश्ठ 9 पर पैरा 18 मे कहा गया है कि सरकार ने एक साहित्य अकादमी की, जो एक स्वायत ाासी निकाय है, स्थापनी की है। अध्यक्ष महोदय, इसके आदे मे मैं एक बात कहना चाहती हूं कि सरकार ने यह तो कह दिया कि एक साहित्य अकादमी की स्थापना की है लेकिन यह जिक्र नही किया कि कौन से विभागो का गला घोंटकर यह साहित्य अकादमी स्थापित की गई है अध्यक्ष महोदय, भाायद आप यह नही जानते कि दो प्रमुख विभागो का गला घोटकर इस अकादमी को बनाया गया है। हरियाणा प्रांत मे एक भाशा विभाग होता था और 1970 मे एक ग्रन्था अकादमी बनाई गई थी। उस समय हर सूबे मे एक एक ग्रन्थ अकादमी बनाई गई थी और पंचवर्शीय योजना मे हकरेक के लिये एक एक रूपया निर्धारित किया गया था ताकि वे ग्रन्थ अकादमियों पुस्तक छपवाकर रूपया रिइम्र्बस कराएं। यू.पी. बिहार, उड़ीसा, इन सभी प्रान्तों की ग्रन्थ अकादमियों ने पूरी एक करोड़ रूपये का प्रयोग किया जबकि वहां की हमारे यहां की ग्रन्थ अकादमियों ने केवल 27 लाख रूपये का प्रयोग किया। अध्यक्ष महोदय, यहां पर यह लिखा गया है कि यह एक स्वायत ाासी निकाय है यानी औटानोमस बौडी है लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इसकी संरचना, इसकी कम्पोजी ान

बताना चाहती हूं। ऐजुके ान मिनिस्टर इसके एक्स औफि ायो चेयरमैन है, ऐजुके ान सेक्रेटरी इसके ऐक्स औफि ायो वाइस चेयरमैन है, डायरैक्टर अकादमी जो कि सरकार आधिकारी है, वे इसके मैंबर सैक्रेटरी है और दस सरकार सदस्य है तथा आठ गैर सरकारी सदस्य है। अब आप ही बताईये कि कौन सा मापदंड है कि यह औटानोमस बौडी कहलाई जा सकती है। इस आकादमी की केवल वर्श मे एक मीटिंग होती है। अभिभाशण मे लिखा है कि यह अकादमी साहित्यिक, स्तर ऊंचा करेगी। सभी भाशाओं मे साहित्यिक गतिविधियों का समन्वय करेगी तथा हरियाणा की साहित्यिक और सांस्कृतिक परम्परा मे भाोध को प्रोत्साहन देगी। अध्यक्ष महोदय, आज इस अकादमी को बने हुए सात महीने हो गये है, मैं मुख्य मंत्री महोदय से पूछना चाहती हूं कि पिछले सात महीने मे इस अकादमी ने इस दि ाा मे क्या काम किया है? मैंने अखबारे मे पढ़ा है कि भाशा विभाग द्वारा चलाई जा रही बहुत सी योजनाओ को इसने समाप्त तो कर दिया है लेकिन काई नई योजना आज तक प्रतिपादित नही की। भाशा विभाग दो साहित्यिक पत्रिकाएं निकालता था जन साहित्य और सप्त सिंधु। इन दोनो पत्रिकाओ का प्रका ान बंन कर दिया गया है। राज्य और जिला स्तर पर सभी गतिविधियां बद कर दी गई है। भाशा विभाग के समय मे एक और योजना थी कि हरियाणा से छपने वाली पत्रिकाओ को अनुदान दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, वह अनुदान भी बंद कर दिया गया है। इसलिये मैं मुख्य मंत्री महोदय से कहना चाहूंगी कि यदि वह वाकई मे हरियाणा के साहित्य और

संस्कृति को बढ़ावा देना चाहते है तो हमारे बराबर का सूबा पंजाब है, उसकी वे नकल करे ? उसमे भी और कई सूबों मे भी आर्ट कौंसिल्ज बनाई गई है जिसने तीन बिंग्ज है–साहित्य अकादमी, नाटय संगीत अकादमी और ललित कला अकादमी। इस क्षेत्र के नामी लोग इन अकादमीज के मुखिया है जैसे पंजाब मे डाक्टर एम.एस. रंधावा ललित कला अकादमी के चेयरमैन है। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहूंगी कि हरियाणा की संस्कृति को भी बढ़ावा देने के लिये इसी किस्म की एक आर्ट कौंसिल यहां पर भी स्थापित की जाये जिसके तीन विंग्ज हो और साथ ही तोड़े हुए भाशा विभाग को फिर रिवाईव किया जाये ताकि साहित्यिक गतिविधियां बढ़ सके।

स्पीकर साहब पैराग्राफ 23 मे एक बात कही गई है कि मेरी सरकार हरिजनो और पिछड़ी श्रेणियों के कल्याण मे प्रबल रूचि रखती है और छूआछूत को हटाने के लिये जहां हर संभव प्रयास किया जा रहा है वहां इन श्रेणियो की सामाजिक आर्थिक द ाा सुधारने के लिये भी कारगार कदम उठाये जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, मुझे समय नही आता कि राज्यपाल महोदय जब अपना अभिभाशण पढ़ रहे थे तो उनके नोटिस मे धनाना कांड क्यों नही लाया गया ? अध्यक्ष महोदय, भिवानी जिले मे धनाना एक गांव है। वहां पर पिछले बीस दिनों से स्वर्ण जाति के लोगो ने हरिजनों का बाइकाट किया हुआ है और यह बाईकाट काम के बदले अनाज योजना जो है, उसी को लेकर हो रहा है। स्वर्ण

जाति के लोग हरिजनों को अपने खेतों मे काम नही करने दे रहे है और उनको निकलने नही दे रहे है। एक तरफ यह कहा जा रहा है कि हम छुआछुत मिटा रहे है और दूसरी तरफ हरिजनों पर यह अत्याचार हो रहा है। मैं इस बात को सदन के नोटिस मे लाना चाहती हूं कि इस तरह की बाते हमारे प्रदे ा मे हो रही है। पिपरा मे या दूसरी जगहों पर हरिजनो पर जो अत्याचार हो रहे है, यह भी एक कलंक है। लेकिन कम से कम अपने प्रदे ा मे बढ़ रहे छुआछुत को तो समाप्त करने का प्रयत्न किया जाये।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहती हूं क्योंकि उसको कोई भी दूसरा सदस्य नही कहेगा। अभिभाशण के पैराग्राफ 24 मे कुरूक्षेत तीथस्थल का वर्णन आया है। अभी वहां पर सूर्य ग्रहण मेला लगा था, मैं उस मेले मे किये गये प्रबंध के लिये सरकार को बधाई देना चाहती हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहती हूं कि कुरूक्षेत्र के विकास के लिये सरकार ने एक कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड की स्थापना की है लेकिन अध्यक्ष महोदय कुरूक्षेत्र का मतलब लोग केवल कुरूक्षेंत्र नगर से लेते है यानी पीपली के करीब कुछ ही किलोमीटर क्षेत्र मे यह फैला हुआ एक नगर है जबकि वास्तविकता यह है कि कुरूक्षेत्र किसी नगर का नाम नही है बल्कि एक भूखण्ड का, एक टैरीटरी का नाम है। कुरूक्षेत्र यानी कौरवो का क्षेत्र, वह सारी भूमि जहां पर कौरवो की गतिविधियां फैली हुई थी, उस सारे ही भूखण्ड को कुरूक्षेत्र कहा जाता है। कुरूक्षेत्र के नजदीक एक स्थल है रामराय, एक है

फलगू, जहां पर महाभारत के दौरान मरने वाले सभी पैतृक बुजुगों को पिण्डदान करने के लिये पाण्डव आए थे और स्वयं श्री कृश्ण भी यहां आए थे, ऐसी भी माइथोलोजिकल स्टेरी है। कुरूक्षेत्र के आसपास के सारे ही इलाके मे हमारी सांस्कृतिक धरोहर के चिन्ह मिलते है। मैं चाहूंगी कि केवल मात्र कुरूक्षेत्र नगर को ही नही बल्कि आसपास फैले हुए ऐसे क्षेत्र को भी कुरूक्षेत्र की परिभाशा मे लिया जाये और कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड उनकी तरक्की पर ध्यान दे।

अध्यक्ष महोदय, पृश्ठ 13 पर मेवात क्षेत्र मे विकास की गति तीव्र करने और इस प्रकार जन साधारण वि ोशतः समाज के कमजोर वर्गो के जीवन स्तर को उन्नत करने हेतु उच्च अधिकारमय मेवाल विकास बोर्ड बनाया गया। यह बड़ी खु ाी की बात है। यह काफी पिछड़ा हुआ इलाका है और अब इस की उन्नति की तरफ बहुत कम ध्यान दिया गया है। मैं चाहूंगी कि यह मेवात विकास बोर्ड केवल कागजों पर ही न रह जाये और इस इलाके का पूरी तरह विकास किया जाये।

श्री अध्यक्षः अब आप खत्म करिये। आपका समय हो चुका है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, अभी तो मुझे बहुत सी महत्वपूर्ण बातों पर बोलना है जैसे कि औद्योगिक संबंध और कानून तथा व्यवस्था की स्थिति । खैर, बजट पर चर्चा करते हुए होम डिपार्टमैंट की डिमांड पर जब बोलूंगी तो इनके बारे मे

जिक्र करूंगी। इस वक्त मैं इतना कहना चाहूंगी कि खानपुर, डहिना, करनाल, हांसी, फरीदाबाद और एन.के. सिंह की गिरफतारी जैसे मामले प्रदे ा मे कानून और व्यवस्था की स्थिति के दीलवालिएपन को घोशित करते है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं ऐसैनि ायल कमोडिटीज के बारे मे कहना चहाती हूं और उसके प चात अपनी बात समापत करना चाहूंगी। आज खाद्य एवं पूर्ति मंत्री ने भाई हर स्वरूप बूर के आकर्शण प्रस्ताव के उत्तर मे डीजल की कमी की ओर ध्यान दिलाया। दूसरे ध्यानाकर्श प्रस्ताव का जवाब वे एक दो दिन मे देंगे। अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात कहते हुए बड़ा खेद होता है कि मंत्री लोग बड़े सहज भाव से यह बात कह देते है कि जब यह ि ाकायत मेरे नोटिस मे लाई जायेगी तो मैं उस पर ऐक ान लूंगा। मुझे समझ मे नही आता कि जो ि ाकायत एक एक एम.एल.ए. क नोटिस मे है और बहुत बाद तो यह देखने मे आया है कि अध्यक्ष महोदय आप भी क्वै चन आवर मे कह देते है कि ऐसी ि ाकायतें आ रही है यानी जो ि ाकायत स्पीकर साहब के नोटिस मे है, हर एम.एल.ए. के नोटिस मे है, जनता के हर आदमी के नोटिस मे है, तो मंत्री लोग जिनके पास इतना पैराफरनेलिया है और आफिसर्ज की इतनी बड़ी टीम है, उसके नोटिस मे यह ि ाकायते क्यों नही आती है ? यह किसी भी मंत्री की कार्यकु ालता का अच्छा प्रमाण नही है और अपनी जिम्मेवारी से बचने की एक कोि ा ा है। मैं चाहूंगी कि हमारे मंत्री महोदय सदन मे यह कहने की जुर्रत करें कि हमारे नोटिस मे यह ि ाकायत आई है जिसका हल मैं सोच रहा हूं या हमारे

नोटिस मे यह ि ाकायत आई है और इसका हल ढूंढा नही जा सकता। इस तरह से इवेसिव जवाब देना डरपोकपन और कायरता की बात है। मैं चाहूंगी कि आगे से मंत्री महोदय जब भी सदन मे जवाब दें तो वह तसल्ली देने वाला जवाब होना चाहिए। ऐसे अहम मसलो पर इस तरह का जवाब देना चाहिए जिससे कि सदस्य संतुश्ट हो सकें।

श्री अध्यक्षः अब आप समाप्त करें। आपको बालते हुए बीस मिनट हो गये है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दों के साथ मैं यह कहना चाहूंगी कि जो सं ाोधन लोक दल के नेता और दूसरे कुछ साथियों ने पे ा किया है उन सं ाोधनों को भी राज्यपाल महोदय ने इन को धन्यवाद संदे ा भेजते समय इंक्लूड कर लिया जाये।

स्वामी आदित्यवे ा (हथीन): अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय राज्यपाल महोदय को अपना अभिभाशण हिन्दी मे पढ़ने के लिये हार्दिक धन्यवाद देता हू। उस समय प्रतिपक्ष वालो ने जो नग्न प्रद र्ान किया और उनके नग्न प्रद र्ान पर ध्यान न देते हुए राज्यपाल महोदय ने इन की बात को टाल दिया। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मेरा पवायंट आफ आर्डर है। स्वामी जी से यह पूछा जाये कि नग्न प्रद र्ान का

क्या मतलब हुआ ? सभी लोग तो यहां पर कपड़े डाल कर बैठे थे।

Mr. Speaker: I disallow this point of order because this is not point of order.

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, ये भाब्द अन पार्लियामैंटरी है इसको कार्यवाही मे से निकाल देना चाहिएं

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इस हाउस के सभी मैंबर साहेबा से प्रार्थना करूंगा कि वे बार बार यूं ही प्वायंट आफ आर्डर रेज न करे, इससे हाउस का समय खराब होता है (ाोर) अध्यक्ष महोदय, जब इनको आपकी तरफ से बोलने का मौका दिया जाये, तो उसी वक्त ये अपनी बात कहे। (ाोर)

आवाजेंः स्पीकर साहब, यह 'नग्न प्रद र्ान' वाला भाब्द अनपार्लियामैंटरी है, इनको कार्यवाही मे से निकाल देना चाहिए। (ाोर एंव व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं फिर आनरेबल मैंबर्ज से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे बीच मे न बोले। हाउस को मर्यादा मे चलने दे तो उनकी बड़ी मेहरबानी होगी।

श्री अध्यक्षः 'नग्न प्रद र्ान' को अंग्रेजी मे 'Naked display' कहते है। आनरेबल मैंबर्ज, हरेक चीज को लिटरल सैंस मे नही लेनी चाहिए।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, किसी भाायर ने खूब कहा है कि–

हम आह भी भरते है तो हो जाते है बदनाम,

वे कत्ल भी करते है तो चर्चा नही होती।

(ाोर)

इनको अच्छी तरह से पता होना चाहिए कि 27 जुलाई, 1979 को जब चौधरी चरण सिंह जी श्रीमती इंदिरा गांधी की सहायता से प्रधान मंत्री बने थे तो उस वक्त चौधरी चरण सिंह की कोठी पर लोगों ने नारे लगाये थे कि दे ा की नेता इंदिरा गांधी, जिन्दाबाद। लेकिन आज ये लोग किस मुहं से यहां पर बातें करते है और किस बता का दम भरते है?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपने हुक्म किया था कि प्वायंट आफ आर्डर रेज करते वक्त उन बातो का ध्यान रखे जोकि रूल्ज मे दी हुई है। आपके आदे ा के मुताबिक हम जो प्वायंट आफ आर्डर रेज करेंगे, वह अव य प्वायंट आफ आर्डर बनेगा। स्वामी जी ने जो भोर अभी पढ़ा है वह बड़ा रोमांटिक थी। स्वामी जी ने बाप की जगह पर महार्शि दयादन्द जी का चेला अपने आप को लिखवाया है, इसलिये यह भोयर उनके काम का नही है।

Mr. Speaker: This is no point of order. I over rule this point of order. If this sort of points of order are raised then I will be constrained to entertain any point of order.

स्वामी आदित्यवे I: अध्यक्ष महोदय, यहां और कुछ न कहता हुआ, किसान भाईयो के लिये कुछ कहना चाहता हूं । ये यहां पर किसानो का बहुत दम भरते है जो किसानो की भलाई के लिये बहुत कुछ किया है। मैं इस सरकार की तरफ से जो किसानो की भलाई के लिये काम किये गये है, उसका एक नमूना आपके सामने पे ा करना चाहता हूं। हमारी इस सरकार के किसानो का मालिया तो माफ किया ही है बल्कि यहां तक भी किया है कि किसानो का जितना नुक्सान भी हुआ है उसी के अनुसार किसानों का मालिया एवं आबियाना माफ कर दिया गया है। इस काम के लिये हमारे प्रतिपक्ष को भी हमारा साथ देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, किसान रैली के नाम पर किसानो के कफन बेच बेच कर इन्होंने करोड़ो रूपया इकट्ठा किया है, गरीब लोगो का खून चूसा है और आज यहां बैठकर किसानो का दम भरते है कि हमने किसानो के लिये यह किया है, हम ने किसानो के लिये बहुत किया है। हमारी सरकार ने यहां तक भी किया है किसानो को उनकी जरूरत के अनुसार बिजली और पानी देने का भी पूरा प्रबंध किया है। हमारी सरकार ने सारे हरियाणा प्रदे ा से कटौती करके 60 प्रति ात बिजली किसानो को दी है और ये कह रहे है कि किसानो को किसी प्रकार की सहूलियते नही दी जा रही है। इस वक्त हरियाणा मे 9 करोड़ 40 लाख यूनिट की मांग है

और हमारी सरकार ने साथ वाले प्रदे ाो से , राजस्थान से, यू.पी. से, हिमाचल वालो से और दिल्ली वालों से बिजली लेने का हर सम्भव प्रयास किया है ताकि हमारे किसानो को किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े जिससे कि उनकी फसलो को नुकसान न हो। इस प्रकार कुल 80 लाख युनिट के करीब बिजली इस समय उपलब्ध हो गई है और सारे हरियाणा मे दो लाख के करीब टयूबवैल्ज है। अध्यक्ष महोदय, आप ही देखे कि 80 लाख यूनट बिजली कहां कहां सप्लाई की जा सकती है ?

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है (ाोर व व्यवधान)

Mr. Speaker: No point of order please when a hon. Member is speaking. Let it come on record that I refused to entertain the point of order. Please sit down.

स्वामी आदित्यवे Iः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का मतलब यह है कि प्रतिपक्ष को यहां पर सही तस्बीर रखनी चाहिए थी। उनका यह कर्तव्य था कि वे यहां परसही रूप से लोगो के सामने अपने विचार प्रकट करते परन्तु उन्होंने ऐसा नही किया। अध्यक्ष महोदय, लाठी इनके हाथ मे है पर इनके हाथ मे है पर अभी तक इनका * * * * नही उतरां रस्सी जल गई पर ऐंठन नही गया। अभी प्रांतो के चुनाव भी होने वाले है, उन मे भी इनको पता लग जायेगा कि ये कहां पर खड़े है।

*चेयर के आदे ाानुसार रिकार्ड नही किया गया।

श्री अध्यक्षः न ो वाली बात रिकार्ड न की जायें Swamiji, do not use such words.

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, अब मैं विद्यालयों को अप ग्रेड करने की बात कहता हूं। आर्य जी जब ि ाक्षा मंत्री थे, तो ''अंधा बांटे रेवड़ी, मुड़ अपने अपने को दे'' वाली बात उन्होंने की है। अपने ही हल्के मे 12, देवीलाल के हल्के मे 10, जगदी ा बैनीवाल के हल्के मे 10 स्कूलो को अपग्रेड किया गया । प्राथमिक से मिडल तक 191 और मिडल से हाई तक 158 स्कूल अप ग्रेड कर दिये । मतलब कि कुल 349 स्कूलो को अपग्रेड किया गया । इसी तरह से चौधरी उदय सिंह दलाल के हल्क मे 6 स्कूलों को अपग्रेड किया गया है।

चौधरी उदय सिंह दलालाः अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गल्त कह रहे है। सिर्फ 3 स्कूल अपग्रेड हुए है। स्पीकर साहब, हमें भी जवाब देने का मौका मिलना चाहिए।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने अब यह किया था जहां बहुत ज्यादा स्कूल अपग्रेड किये गये थे, वहां से कटौती करके 90 हल्को मे ठीक अनुपात सें स्कूल अपग्रेड किये गये है और कांस्टीच्यूंसी वाईज 4–7 स्कूल आपग्रेड किये गये है। (ाोर व व्यवधान)

मास्टर वि ा प्र ाादः अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गलत कह हरे है। (ाोर एंव व्यवधान)

स्वामी आदित्यवे I: अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो कसम खा रखी है कि सच तो बोलना ही नही है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, डाक्टर मंगल सैन जी का मैं बड़ा आदर करता हूं। उन्होंने जो कुछ कहा, मुझे उनसे ऐसी उम्मीद न थी। बूरा साहब ने जो कि उन से काफी जूनिअर मेंबर है, बहुत संदर ढंग से यहां पर अपने विचार रखे हैं। डॉ. साहब तथा अन्य प्रतिपक्ष के सभी सदस्याो को यहां पर फोबिया हो गया है। अध्यक्ष महोदयख मैं सन्यासी हूं, मेरी पास आ जाऐ मैं उन्हे गायत्री मंत्र का जाप करवा कर ठीक करवा दूंगा। उससे उनको जो फोबिया हो गया है, वह दूर हो जायेगा। इन्होंने हर बात पर यह कहा कि हमने कभी किसी को धोखा नही दिया, ये अपने दिलोदिमाग पर हाथ रखकर देखे तो इन्हें पता चल जायेगा कि इन्होंने किस ढंग से अपनइा काम किया हैं कितने आदमियो के साथ इन्होंने धोखा किया है। किसतने आदमियो को मोम का गलत कोटा दिया गया है, किसी गरीब आदमी को मोम का कोटा नही दिया गया। किसी बाजीगर, तपड़ीवास, सिंगलीगर और दूसरे आदमी को इन्होंने अगर कोटा मोम का दिया हो, तो मुझे बताए। सभी मोम का कोटा इन्होने बड़े बड़े सरमायेदारो को ही दिया है पर हमारी सरकार ने बहुत अच्छा प्रोग्राम दिया है ''बहुजन हिताय, बहुगन सुखाये।'' हमारी सरकार ने एडहाक कर्मचारियों को रैगुलर कर दिया। सरकार यह चाहती थी कि जिन कर्मचारियो के सर्विस मे दो साल पूरे हो गये है, इन्े रैगूलर कर दिया जो, पर डाक्टर मंगल सैन जी जब मंत्री थे तो उन्होंने तो .....(ाोर एवं व्यवधान)

डॉ. मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, मेरे बारे मे बहुत कुछ कहा गया है, मुझे भी पर्सनल ऐक्पलेने ान देने का मौका मिलना चाहिए।

श्री अध्यखः डाक्टर साहब, आपको भी कहने का मौका दिया जायेगा।

डॉ. मंगल सैनः ठीक है जी।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि जब डा. साहब मंत्रीमण्डल मे थे तो इन्होंने इन सारी बातो की तारफ कोई ध्यान नही दिया। उनमे इस बात की भाक्ति ही नही थी। वे बंधुओ की सेवा करने मे ही लगे रहे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अपनी इस सरकार के क्या क्या कारनामे बतालाऊं ? हमारी सरकारने मेवाल के सारे इलाके को पूरी तरह से खु ाहाल और आबाद करने का फैसला किया हैं सरकार ने मेवाल डिवैल्पमैंट बोर्ड की स्थापना की ताकि इन गरीब इलाके के लोगो को पढ़ाई लिखाई के लिये स्कूल खोले जाये। इसके अतिरिक्त सरकार ने दो आई.टी.आई. खोलने का भी फैसला किया है। इसके दूसरी तरु अध्यक्ष महोदय मेरे इन भाईयो ने अपने बंधुओ को बसाने की ही कोि ा ा की लेकिन इन सरकार ने बिना किसी भेदभाव से, सारे मेवात क्षेत्र के चार विकास खण्डो मे औद्योगिक केन्द्र का निर्माण किया है। चौधरी भजन लाल जी को मैं अपने मेवात के साथियो

की तरफ से धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने बड़ा सराहनीय कार्य किया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल कहा करते है कि हम लड़कियो को पढ़ाना चाहते है लेकिन वास्तव मे कोइ रचनात्मक कदम नी उठाया। यह पहली सरकार है जिसने सदियो से अपेक्षित हरिजन वर्ग की कन्याओ को ऊंचा उठाने के लिये 10 रूपये महीने का स्कौलरि ाप देने का फैसला किया है। (व्यवधान) ये सदन मे बैठकर असत्य बोलते है। यहां पर लिखा हुआ है कि सभा मे जो व्यक्ति आये, वह सत्य बोले। जो व्यक्ति सत्य नही बोलेगा वह पाप का भागी है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय सरकार ने यही नही किया बल्कि इससे बहुत अगे बढ़ गई है। गैर सरकारी भौक्षणिक संस्थाएं जो आर्थिक संकट के कारण नही चल रही थी, उन की ग्रांट 25 प्रति ात से बढ़ा कर 75 प्रति ात कर दी है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैंने सोचा था कि मूल चंद जैन जी बहुत बड़े सांसाद है, लोक सभा मे पहुंचे थे, यहां आकर कुछ तो मतलब की बात करेंगे लेकिन इन्होंने बगैर सोचे समये लोकदल के मैनीफैस्टो का प्रचार करना भुरू कर दिया हैं इनको तो पता ही नही कि गवर्नर ऐड्रैस पर बोलना है या लोक दल के मैनीफैस्टो पर बोलना है। (व्यवधान) इस मैनीफैस्टो को लेकर ये जनता मे गये थे, जनता ने इनको रिजैक्ट कर दिया, इनकी थोथी आवाज है, जनता मे इनकी कोई आवाज नही । (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मुझे उम्मीद थी कि ये हमारे साथी है, उनकी कुछ बातो की सराहना की जा सकती है लेकिन जो हमारे वरिश्अ साथी है उनको सब्र ही नही है। ये कहते है कि जो कुछ सरकार कर रही है वह

गलत करती जा रही है। आप देख ही रहे है कि सरकार कितना आगे बढ़ कर काम कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय नही लेना चाहता। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं और राज्यपाल के अभिभाशण का समर्थन करता हूं। अंत मे मैं कहना चहूंगा कि राज्यपाल महोदय का अभिभाशण संस्कृत मे इस भलोक के अनुकूल है–

सर्व भवन्तु सुखिनः सर्व सन्तु निरामयः

सर्व भद्राणि प यन्तु मा कि चद् दुःख भाग भवेत्।

व्यक्तिक स्पश्टीकरण–

डॉ. मंगल सैन द्वारा

डॉ. मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान, सर। अध्यक्ष महोदय, आदणीय, पून्य स्वामी आदित्यवे ा से मैं निवेदन करना चाहता हूं कि उनके वस्त्रो के लिये तो मैं आदरणीय भाब्द प्रयोग करता हूं लेकिन व्यक्ति के लिये नही। उन्होंने मुझ पर लांछन लगाया है कि मैंने पूंजीपतियो को मोम के कोटे दिये है। मुख्य मंत्री जी यहां बैठे है, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जिस कांग्रेस मे वे और उनके साथी भाामिल हुए है, उन्होंने अपने धर्म को दगा दिया क्योंकि वे जनता पार्टी के टिकट पर जीत कर सदन मे आये थे। (व्यवधान) ये उस कांग्रेस पाटी मे भाामिल हुए है जिस पाटी ने 1975–76 मे, केवल 22 आदमियो को 900 टन मोम का कोटा दिया था जबकि जनता

पार्टी के राज मे 260 आदमियो को यह कोटा दिया गया । (व्यवधान) स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उस वक्त ये सब साथी जनता पार्टी मे इकट्ठे थे। हमने जो योजनाएं बनाई और उनमे हरिजनो को ग्रामीण योजना विकास के कार्यक्रम मे भागिल किया और फैसला किया कि हरिजन का एक बेटा उस स्कीम मे भागिल होगा। (व्यवधान)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी गंगा राम (गोहाना): स्पीकर साहब, सब से पहले मैं सदन को यह बताना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान मे एक रिवाज रहा है कि गुरू को अगर कोई नंगा कर सकता है तो उसका चेला ही नंगा कर सकता है। मिसाल के तौर पर * * * *

* * * * * * * * * * *

* (व्यवधान) (ाोर)

*चेयर के आदे ाानुसार कार्यवाही से निकाल दिये गये।

श्री अध्यक्षः ऐसी बात करना भाोभा नही देता। ये हाउस के लीडर है, मुख्य मंत्री है और अगर मुख्य मंत्री ने भी हो और साधारण एम.एल.ए. हो, तब भी ऐसे भाब्द कहना भाोभा नही देता, आप इन भाब्दो को वापिस ले ले (व्यवधान) ये भाब्द एक्सपंच कर दिये जाये। (व्यवधान)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, गवर्नमैंट ने खुद माना है कि अकाल के कारण हरियाणा के किसान चाहता हूं कि

हरियाणा के किसान को, जिसको दो टाईम रोटी नही मिलती, बच्चे की स्कूल की फीस देने के लिये पैसा नही मिलता, जिसकी नौजवान बेटियां कपड़ा न मिलने के कारण नंगी रहती है और वह किसान जो 24 घंटे अपना खून पसीना एक करके धरती का पेट चीर कर अनाज पैदा करता है, आज उसकी बूरी हालत है.....
.....(व्यवधान)

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी खुर ीद अहमद): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, इन्होंने कहा है कि किसान की जवान लड़कियां नंगी रहती । ऐस सैंटैसिज रिकार्ड मे नही आने चाहिए। This is unparliamentary. (Interruptions)

डॉ. मंगल सैन: स्पीकर साहब, आपने कहा था कि कोई प्वायंट आफ आर्डर एंटरटेन नही किया जायेगा। (व्यवधान)

Mr. Speaker: If a point of order is not justifiable then I will over rule it and will not allow any point of order during any body's speach.

Chaudhri Khurshid Ahmed: Sir, my point of order is that what the hon'ble Member is saying is not parliamentary and should not from part of the preoceedings. This should be expunged.

Mr. Speaker: It should not be taken literally, (Interruptions)

Dr. Mangal Sein: Mr. Speaker, was it a point of order?

Mr. Speaker: It is somethings evenly balanced.

मुख्य संसदीय सचिव (श्रीमती भाांति देवी): स्पीकर साहब, ऐसे भाब्द प्रोसीडिग्ज मे से हटा दिये जाने चाहिए। जवान लड़कियों के लिये नंगा भाब्द बिल्कुल ठीक नही है। (व्यवधान)

Mr. Speaker: I have already said that it should not be taken literally.

चौधरी गंगा राम: स्पीकर साहब, ये ऐ ा की जिन्दगी लिये जा रहे है। नंगा भाब्द मैंने इस लिये कहा है क्योंकि किसान आज ब्लैक मे डीजल खरीद रहा है। मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि हरियाणा कि किसान को 165 करोड़ का नुक्सान नही बल्कि 300 करोड़ रूपये का नुक्सान इस भजन लाल की सरकार के टाईम मे हो रहा है और यह नुक्सान इसलिये हो रहा है कि आज किसान को डीजल, पानी खाद और बीज वगैरह सब जरूरी चीजे ब्लैक मे मिलती है। किसान ने बीज ब्लैक मे डाला जिसकी वजह से पैदावार नही हुई। ब्लैक को पैसा डाल कर और किसान की फसल का सारा खर्चा डाल कर हिसाब लगाया जाये तो किसान को 300 करोड़ रूपये का नुक्सान है। किसान को राहत देने की इस अभिभाशण मे कोई बात नही कही गई। स्पीकर साहब, मुझे वह दिन याद आते है जिन दिनो चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री हुआ करते थे उस समय जिन किसानो की फसले आलो से पिट गई थी और फ्लड से पिट गई थी उन किसानो को उन्होंने 300 रूपये किले के हिसाब से मुआवजा दिया । मैं इस बात के लिये

चौधरी देवी लाल जी, लोकदल के नेता को धन्यवाद देना चाहता हूं । चौधरी देवी लाल जी के समय मे गांव गांव मे पीने के पानी की टंकिया बनाई गई, हस्पताल बनाए गए, गांव गांव मे स्कूल बनाए गये और सड़के बनाई गई। अध्यक्ष महोदय, मैं इस सरकार से पूछता हूं कि जो पीने के पानी की टंकिया चौधरी देवी लाल जी ने मंजूर की थी उनको क्यों बंद किया गया है ? चौधरी देवी लाल जी ने गांवो मे जो सड़कें मंजूर की थी उनको क्यों बंद किया गया ? चोधरी देवी लाल जी ने गांवो मे जो स्कूल खोले थे इस बात पर स्वामी जी ने कहा कि 14 स्कूल इन्होने अपने ही हल्के मे खोल दिये थे। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि ये स्कूल देहात के अंदर खुले थे, ये स्कूल हरियाणा के अंदर खुले थे। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को भार्म आनी चाहिए कि इसने उन स्कूलो को डाउन ग्रेड कर दिया जिन स्कूलों ाके उस चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने अपग्रेड किया था। अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि जितने कोल्ड स्टोरेज थे, उनके लिये चौधरी देवी लाल जी ने एक आर्डिनैंस जारी किया था, एक कानून बनाया कि 10 रूपये क्विंटल के हिसाब से किसान अपना आलू कोल्ड स्टोरेज के अंदर रख सकते है। उस आर्डिनैंस के खिलाफ कोल्ड स्टोरेज वाले हाई कोर्ट मे हारे और सुप्रीम कोर्ट मे हारे और वह आर्डिनैंस इस सरकार ने वापिस ले करके साढ़े 12 रूपये क्विंटल किसानो के लिये कर दिया, अध्यक्ष महोदय, अभी स्वामी जी कह रहे थे कि लगान माफ कर दिया, मालिया माफ कर दिया। मैं स्वामी जी से

यह पूछता हूं कि क्या स्वामी जी ने कभी खेती करके देखी है ? स्वामी जी को यह भी पता नही है कि खेती चीज क्या होती है ? अध्यक्ष महोदय, आबियाना उस समय लिया जाता है जब सरकार सिंचाई के लिये पानी दे। कांग्रेस पार्टी की सरकार की नहरो मे पानी तो है ही नही यह सरकार आबियाना किस नाम का मांगती है और किस नाम का माफ करती है ? अध्यक्ष महोदय, ये हम लोगो की बात करते है। जब से हरियाणा मे कांग्रेस (आई) की सरकार बनी है, हरियाणा मे बारि ा भी नही हुई है। आज अगर किसान बेचारा पानी मांगता है तो वह रो कर अपने आंसुओ को देख सकता है। भगवान ने भी जब से यह सरकार बनी है बारि ा बंद कर दी है। इसके अलावा मैं बिजली के बारे मे कुद कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, बिजली की आज हालत यह है कि न बादलो मे बिजली है। न बिजली के खम्बों मे बिजली है और न ही बिजली के तारों के अंदर बिजली है। बिजली की अगर कोई चिंगारी देखनी है तो रेल की पटरी पर पड़ी हुई रोड़ियो को आपस मे धिसाने से दीख सकती है। जिसे बच्चे आम तौर पर गांवो मे धिसाते है। अध्यक्ष महोदय, अब मै कुछ डीजल के बारे मे भी कहना चाहता हूं। आज डीजल ब्लैक के अंदर बेचा जा रहा है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि सारे का सारा डीजल ब्लैक मे बेचा जा रहा है और डीजल के लिये किसान नंगा और भूखा है। किसान डीजल के लिये लाईन लगाए हुए बड़े रहते है। डीजल वाले रात के 6 बजे डीजल बेचना भाुरू करते है और रात के 8 बजे डीजल बेचना बंद कर दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, रात के

9 बजे से लेकर 11 बजे तक डीजल ब्लैक मे बेचा जाता है और * * * * *

* * * * * * *

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, माननीय सदस्य चौधरी गंगा राम जी जो भाशा बोल रहे है, क्या ऐसी भाशा बोलने की आप इन्हे इजाजत देंगे ? माननीय सदस्य सदन की मर्यादा से बाहर बोल रहे है। ये तो ऐसी गलत भाशा बोल रहे है, जैसे कि गांवों मे प ा चराने वाला पाली बोल रहा हो। अभी इन्होंने कहा कि * * * * *

* * * यह बिल्कुल गलत बात है। अध्यक्ष महोदय, इनको कंट्रोल मे रहना चाहिए नही तो हमें इनके खिलाफ एक प्रस्ताव लाना पड़ेगा ओर इनको हाउस के बाहर निकलना पड़ेगा।

श्री अध्यक्ष: यह सारा पैसा सरकार की जेब मे जाता है। यह गलत बात है। यह एक्सपंज होगी। मैं चौधरी गंगा राम जी से कहूंगे कि गलत भाब्दों का प्रयोग न करे। यदि आप गलत भाब्द इस्तेमाल करेंगे तो मैं आपको नेम कर दूंगा।

डॉ. मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, जो मुख्य मंत्री जी ने कहा कि पाली की तरह बात कर रहे है यह भी एक्सपंज किया जाये।

चौधरी गंगा रामः अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी भजन लाल जो को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे जो पाली का टाईटल दिया है वह बहुत अच्छा है। मुझे फक्र है कि मैं हरियाणा का पाली बन करके आया हूं और जितने हरियाणा के किसान है उन पर हम कोई आंच नही आने देंगे। अध्यक्ष महोदय, अभी स्वामी जी बहुत लम्बी लम्बी बाते कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अभिभाशण के अंदर लिखा गया हे कि इनकी सरकार मितव्ययता के साथ चलेगी। लेकिन मुझे बड़ा अफसोस है कि स्वामी जी को जो वैस्टर्न कंट्रीज है, उनकी सैर के लिये भेजा गया था और जो इनकी सैर के लिये पैसा खर्च हुआ वह सरकार का हुआ। स्वामी जी का वेस्टर्न कंट्रीज की सैर का खर्चा 40 हजार रूपये आया है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि * * *

* * स्वामी जी को सरकार कार मिली हुई है और सरकारी कोठी मे ये रहते है।

श्री अध्यक्षः चौधरी गंगा राम जी, ये बाते कहना आपको भाोभा नही देता। ये भी एक्सपंच की जायें।

*चेयर के आदे ाानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गये।

Chaudhri Khurshid Ahmed: There are totally wrong and unparliamentary words. These should be expunged.

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मुझे महर्शि दयानंद के भाब्द याद आ रहे है। उन्होंने कहा था कि संसार के अंदर जो

आदमी संयास ग्रहण करके चलता है उसको अपना घर छोड़ देना चाहिए, अपनी कोटी छोड़ देनी चाहिए और ऐ ाो आराम छोड़ देना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, मुझे कहते हुए भार्म आती है कि हमारे हरियाणा के जो संयासी है स्वामी आदित्यवे ा जी, वे एयर कंडी ांड कारों मे चलते है ओर 500—500 रूपये किराये की कोठी मे रहते है।

श्री अध्यक्षः चौधरी गंगा राम जी अब आप खत्म कीजिये।

चौधरी गंगा रामः अध्यक्ष महोदय, इस सरकारने बड़े बड़े वायदे किये है कि गांव गांव मे ि ाक्षा दी जायेगी। इस बात पर मुझे गालिब का वह भोयर याद आता है किः—

क्या जाने हम जन्नत की हकीकत को,

दिल बहलाने को ख्याल ही काफी है।।

अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि आज अगर हरियाणा के किसान का मजदूर का और हरिजनो का कोई भला कर सकता है तो वह लोकदल कर सकता है जोकि चौधरी चरण सिंह की पार्टी है। यह पार्टी हरियाणा के 90 फीसदी किसानो का भला कर सकती है। अध्यक्ष महोदय, मुझे आपने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने के लिये जो समय दिया, उसके लिये धन्यवाद।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

स्वामी आदित्यवे ा द्वारा

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी चौधरी गंगा राम जी ने आरोप लगाया कि सैर करने के लिये मुझे विदे ा भेज दिया गया। मैं इस संबंध मे सदन के सामने एक निवेदन करना चाहता हूं। मुझे यह बताते हुए पसन्नता हो रही है कि जब से कृशि उद्योग निगम बना है तब से लेकर आज तक इतने रूपये का माल विदे ाो मे कभी एक्सपोर्ट नही किया गया जितना पिछले 6 महीनो मे किया गया। (विघ्न) 35 लाख रूपये का माल हरियाणा से बाहर भेजा गया है। (ाोर) सभापति महोदय, 35 लारक्ष रूपये का सामन बेचने के बादे भी कृशि उद्योग निगम को लाभ नही हो रहा था क्योंकि निर्यातकर्ता सारे का सारा मुनाफा उठा लिया करते थे। इसी तरह से जो माल स्टेट ट्रेनिंग कार्पोरे ान के माध्यम से भेजा जाता था, उसका मुनाफा वह लिया करता था। इस मामले पर गम्भीरता से विचार किय गया और फैसला हुआ कि विदे ाो से सीधे व्यापार किया जाये। विदे ाो से मार्किअ ढूंढने के लिये यह टूर प्रोग्राम बनाया गया था और मुझे इस बात का गौर है कि वहां से मैं 30 लाख रूपये का अग्रिम आर्डर लेकर आया हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ऐसा लगता है कि चौधरी गंगा राम जी को वे दिन याद आ रहे होंगे जब ये सैंट्रल कोआप्रेटिव बैंक सोनीपत के चेयरमैंन की हैसियत से साउथ ईस्ट

ऐि ाया के एक महीने के दौरे पर गऐ थे और एक फूटी कौडी का आर्डर भी नही लाए थे। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, आपको यह सुनकर हैरानी होगी की * * * * * *

* * (ाोर)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह चाहता हूं कि इन्होंने जो आरोप लगाए है, उनको वि ोशाधिकार समिति को सौंप दिया जाये। अगर वे साबत हो जाये तो मैं इस्तीफा दे दूंगा वरना ये इस्तीफा दे दे।

चौधरी गंगा रामः मैं तैयार हूं। बे ाक सौंप दो। (विघ्न)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, हम चैलेंज करते है कि स्वामी आदित्यवे ा एक नए पैसे का आर्डर रिटन मे नही लाए है। (विघ्न)

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, माननीय संत कंवर जी ने तो ऐग्रो इंडस्ट्रीज कार्पोरे ान मे जितना घपला किया है उसकी कोई मिसान नही मिलती। (विघ्न)

चौधरी संत कंवरः मैं इस बात को चैलैंज करता हूं। अगर ये मेरा एक पैसे का घपला भी पकड़वा दे तो मैं इस्तीफा देने के लिये तैयार हू वरना ये इस्तीफा दे दे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज।

राजयपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू (पाई): अध्यक्ष महोदय, कल से गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर बहस हो रही है लेकिन बड़े अफसोस से कहना पड़ता है कि बहुत से मैंब्र साहबान कोई कांस्ट्रक्टिव सुझाव नही दे रहे है। चेयरमैन साहब, आपको मालूम है कि पाहलेटी भैंस से दूध निकालने के लिये जो कटड़ा छोड़ा जाता है उसको अगर दूध पीते हुए हम हटा दे तो वह कभी खूंटे से टक्कर मारता है, कभी दीवार से टक्कर मारता है और कभी आदमी से टक्कर मारता है। ऐसा लगता है कि चौधरी भजन लाल ने कटड़ों को पकड़ कर थनों से पीछे हटा दिया है इसलिये वे टक्कर मार रहे है। (हंसी) लेकिन मैं मैबर साहबान से कहना चाहता हूं कि हरियाणा भारतवर्श का सबसे बढ़िया प्रदे ा है। इसकी तरक्की के लिये हम सबको मिल कर काम करना चाहिए।

*चेयर के आदे ाानुसार कार्यवाही से निकाल दिये गये।

स्पीकर साहब, गवर्नर साहब का एड्रैस मैंने थौरोली कंवर राम पाल सिंह जी की कोठी पर बैठ कर पढ़ा है। अगर इस ऐड्रैस को सारे भाई बड़े आराम से पढ़ते तो साफ जाहिर होता कि

पिछली सरकार ने हरियाणा की तरक्की के लिये जो काम किया था वह इस सरकार के कामो के मुकाबले मे जीरो था। इस गवर्नर ऐड्रैस से तो यह साफ जाहिर होता है कि इस सरकार के राज मे हमारा प्रांत दिन दुगुनी और रात चौगुनी तरक्की करेगा और हरियाणा का नाम दे ा के पहले नंबर पर होगा।

स्पीकर साहब, मैं सरकार को एक बात के लिये मुबारिकबाद देना चाहता हूं। गाय को हरियाणा का बच्चा बच्चा माता मानता है। लेकिन हमारे लिये यह बड़े कलंक की आत थी कि हमारी गऊओं को बहुत बड़ी तादाद मे इकट्ठा करके सलाटर हाउस मे ले जाया जाता था। इस सरकार ने उनकी ऐक्सपोर्ट पर पाबंदी लगा कर बहुत बड़ा काम किया है जो कि आज तक पिछली किसी सरकार ने नही किया था।

स्पीकर साहब, एस.वाई.एल. प्रोजैक्ट की मैं बड़ी प्र ांसा करता हूं, पहले भी किया करता था लेकिन अफसोस की बात है कि बादल साहब की दोस्ती मे पिछली सरकार ने इसके बारे मे कुछ नही किया। कहते थे कि कस्सी लगा करके नहर का उद्घाटन होगा लेकिन दु:ख की बात है कि आज तक वह उद्घाटन नही हुआ। चौधरी बीरेंद्र सिंह जी मेरे भाई है। उनके गोत का एक गांव है गुलियाना। चौधरी साहब से प्रार्थना की कि भूखे मर गये इसलिये वहां कोई रजवाहा निकाल दो। इन्होने उद्घाटन भी कर दिया लेकिन आज तक वहां कस्सी भी नही लगी। स्पीकर साहब, मैं आपके जरिए सरकार से और अपने चीफ

मिनिस्टर साहब से यह कहना चाहता हूं कि बाकी मदों से पैसा आप बे ाक काट लो लेकिनि पानी के बारे मे आप इतना काम कर दो कि एक खुद भी बिना पानी के हरियाणा मे न रहे। ड्रेनज काफी बन चुकी है। ज्यादा ड्रेनज खोदने की अब जरूरत नही है। ड्रेनज खोद कर अब ज्याद जमीन खराब न की जाये बल्कि पानी का प्रबंध करने का इंतजाम किया जाये। स्पीकर साहब, फ्लड की वजह से सावनी की फसल हो पाती है और न रबी की। इस सूखे से तो फ्लड ही अच्छा था। इसलिये मेरा अपनी सरकार से निवेदन है कि किसानों को पानी मुहैया करने का जल्दी इंतजाम किया जाना चाहिए। (विघ्न) मेरे भाई इस बात को तो मानेंगे कि अपनी सरकार का सै ान भाुरू होते ही बरसात भाुरू हो गई है।

स्पीकर साहब, बिजली पानी का महकमा बहुत जरूरी महकमा है। इसकी तरफ सरकार ने काफी ध्यान दिया है, यह अच्छी बात है।

एग्रीकल्चर का महकमा सरदार तारा सिंह जी के पास बहुत ठीक दिया गया है लेकिन मैं उनसे प्रार्थना करूंगा कि हरियाणा मे और भाूगर मिल्ज बनाए जाये। कैथल के लिये एक भाूगर मिल मंजूर हुआ था लेकिन हमारे एक दोस्त उसे करनाल उठा कर ले गये। अब मेरी सरकार से यही प्रार्थना है कि कैथल के लिये जल्दी से जल्दी एक भाूगर मिल मंजूर की जाये।

स्पीकर साहब, सरकार ने हरिजन लड़कियों को जो दस रूपये महीना वजीफा देने का फैसला किया है, इसकी तारीफ किये वगैर मैं नही रह सकता लेकिन साथ ही साथ मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि क्या ही अच्छा हो यदि यह वजीफा 36 की 36 बिरादरियो की लड़कियों को दे दिया जाये चाहे आपको कारखानो के ऊपर और टैक्स लगाने पड़े क्योंकि मैं समझता हूं कि लड़कों के पढ़ने का सारा घर बढ़ सकता है और समाज का सुधार हो सकता है। मेरी सरकार से यह भी प्रार्थना है कि हर गांव की लड़कियों की पढ़ाई के लिये प्राईमरी स्कूल खोले जाने चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहते हुए इतना निवेदन करन चाहूंगा कि कल जैन साहब ने जो कुद कहा वह ठीक नही कहा। (विघ्न) इन्होन सन् 67 मे कांग्रेस से संयुक्त विधायक दल मे जाने की गलती को स्वयं मान है। मेरा तो इनको सुझाव है कि बागू जी अगर आप उस गलती को मानते हो तो अब आपको इधन आ जाना चहिए। फाईनैंस मिनिस्टर बनाने का वायदा मैं करता हूं। (हंसी) स्पीकर साहब, यह डिफैक्टर्ज की सरकार नही हैं ये तो बड़ी सूझ बूझ वाले और समझदार लोग है। (ोर) अगर इलैक ान हो जाता है तो ये लोग (विरोधी दल) यहां नही आते। (विघ्न) स्पीकर साहब, इनको मालूम होना चाहिए कि अगर एम.एल. एज. की मैजोरिटी किसी एक पार्टी से दूसरी पार्टी मे जाने का फैसला करे तो वह मर्जर होता है डिफैक ान नही। (विघ्न) जब

सारे दे ा मे ही माहौल बदल गया था तो हम बावले थे जो पीछे रहे जाते ? (हंसी और भाोर)

स्पीकर साहब, यहां कहा गया कि एम.एल.एज. को मकान और कार के लिये कर्जा देने के बारे मे जो पिछले सै ान मे बिल पास किया गया था उसका बड़ा मखौल हो रहा है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि जब आम मुलाजिम इस तरह का कर्जा ले सकते है, कोई भी दूसरी व्यक्ति इस तरह का कर्जा ले सकता है, तो एम.एल.एज. ने क्या कसूर कर दिया कि वे इस तरह का कर्जा नही ले सकते ? मैं तो सरकार से कहूंगा कि यह हर एम.एल.ए. को मकान के लिये एक एक लाख रूपया दे दे और एक एक कार दे दे और वे इस कर्जे को आहिस्ता आहिस्ता देते रहेंगे।

स्पीकर साहब, चीफ मिनिसटर साहब जो भी एलान करें उसका सारे हाउस को एहतराम करना चाहिए। चीफ मिनिस्टर साहब के मुह से जो वर्ड निकल जाता है वह हुक्म बन जाता है। चौधरी भजन लाल जी कैथल के पब्लिक जनसे मे यह एलान करके आये थे कि पहल अप्रैल से कैथल को जिला डिक्लेअर किया जाये। अब तक कैथल के साथ बड़ी बे इंसाफी होती रही है इसलिये इसको जल्द से जल्द जिला बनाया जाये।

स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये चीफ मिनिस्टर साहब से कहना चाहता हूं कि हरियाणा के अंदर कोई भी गांव जिस ब्लाक म`या जिस जिले मे जाना चाहता हेा वह उसके साथ लगा दिया

जाना चाहिएं उस गांव की रिश्तेदारी उस इलाके के लोगो के साथ हो सकती है। इसलिये मेरी गुजारि ा है कि जिन गांवो ने लिख कर दिया है कि हमारा गांव फलां जिले के साथ लगा दिया जाये, उसको उसी के साथ लगा दिया जाये। स्पीकर साहब, एक बात मैं सरदार तारा सिंह जी के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि जमींदारों को ज्वार, बाजरा आदि का पूरा भाव मिल रहा है। इसके भाव वही होने चाहिए जो राव सरकार के समय थे। उस समय यह नारा दिया गया था कि राव आया, भाव आया, राव गया भाव गया। उस समय की सरकार ने किसानो की पैदावार के भाव बढ़ाये और गरीबो को आठ आने किलो के हिसाब से आटा दिया। सस्ते दामों पर जो आटा दिया जाये उसका घाटा सरकार उठाये।

स्पीकर साहब मैं चीफ मिनिस्टर साहब से यह अर्ज भी करना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से यह प्रचार किया जाये कि भाादी विवाह के अवसर पर कम से कम खर्च किया जाये और दहेज प्रथा को बंद किया जाये।

श्री अध्यक्षः अब आप वाइंड अप करे।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः अभी खत्म कर रहा हूं। एक दो बाते ही रह गई है। स्पीकर साहब, आज हरियाणा की जनता बहुत बुरी तरह से सरकारी कर्जे और प्राइवेट कर्जे के नीचे दबी हुई है। जो भी प्रावेट तौर पर कर्जा देते है वे चाहे किसी भी जाति के हों, नाजायज कर्जा लिखते है। मैं तो सरकार से

रिक्वैस्ट करूंगा कि कर्जा बिल पास होना चाहिए । सरकार अगर ठीक समझती है तो जो चौधरी छोटू राम ने कर्जा बिल पास कराया था उसी को नकल यों ही यों पास कर दें या कोई अमैंडमैंटस करनी हो तो वे अमैंडमैंटस करके कर्जा बिल पास करवायें ताकि गांवो के गरीबों को राहत मिल सके। अगर सरकार यह भी नही करती तो सरकार तहसील हैडक्वार्डर पर एक गजटिड आफिसर को लगा दे और प्राइवेट आदमी जब किसी को जर्ा दे तो वह उसके थ्रू दिया जाये ताकि कोई आदमी हेरा फेरी न कर सके। गवर्नमैंट का आदमी अपने सामने कर्जा दिलायेगा तो कोई हेराफेरी नही कर सकेगा।

मैं चीफ मिनिस्टर साहब के नोटिस मे यह भी लाना चाहता हूं कि जो भाई सोसाइटीज के या बैंको के कर्ज नही दे सकते है उनके साथ बहुत जयादा सख्ती हो रही है। डी.सी. साहब और दूसरे अफसरान भी उनके साथ सख्ती का बर्ताब कर रहे है क्यौंकि उन्होंने भी सरकार के आर्डर को मानना है इसलिये सी. एम. साहब की तरफ से एलान किया जाना चाहिए कि अगली फसल तक उनसे कर्जा वसूल न किया जाये। इन लफ्जो के साथ मैं इस ऐड्रैस की पूरजोर भाब्दों मे ताईद करता हूं।

श्री मांगे राम गुप्ता (जींद): स्पीकर साहब, आज विधान सभा मे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो चर्चा हो रही है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब हरियाणा के अंदर सन् 1977 मे चुनाव हुए । हरियाणा मे जनता

पार्टी की सरकार आयी। दो साल तक चौधरी देवी लाल जी यहां पर मुख्य मंत्री रहे। उन दो सालों मे भी हमने अपने गवर्नर साहब के ऐड्रैस को पढ़ा और उस पर अपने विचार दिये। आज जो, अभिभाशण हम पढ़ रहे है, यह चौधरी भजल लाल की सरकार ने जो काम किये है उनके बारे मे है। स्पीकर साहब, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जो पिछले अभिभाशण थे उनके मुकाबले मे यह कई गुणा अच्छा है। उस समय पर चौधरी देवी लाल ने यह नारा दिया था कि 'भ्रश्टाचार बंद और पानी का प्रबंध'। उनका वह नार गूंजता ही रहा परंतु उस पर कोई अमल नही किया गया। स्पीकर साहब, आप ने भी सुना होगा यहां पर एक आम बात कही जाती है कि हरियाणा के अंदर चौधरी देवी लाल की पहली किसान सरकार बनी थी जिसने किसानो का ख्याल किया हैं वे कहते है कि आज तक किसानो की सरकार नही बनी थी। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि हरियाणा मे जनता पार्टी की सरकार बने और उसके बारे मे यह कहा जाये कि यह किसानो की सरकार है। उस टाईम पर हरियाणा के हर वर्ग के लोगो ने उनको वोअ दिया था खाली किसानो ने ही वोट नही दिये थे। सब लोग वोट दे और फिर यह कहा जाये कि यह किसानो की ही सरकार है तो इससे ज्यादा वि वासघात अन्य वर्गो के साथ क्या हो सकता है?

हमारी भारत सरकार यह मानती है कि भारतवर्श कृशि प्रधान दे ा है। इसमे कोई दो राय नही हो सकती है कि हमारी केंद्र की सरकार, स्टेट की सरकार, चाहे कोई भी प्रधानमंत्री रहा

हो या मुख्य मंत्री रहा हो और किसी भी पार्टी का हो, किसानो की ज्यादा से ज्यादा पैदावार बढ़ाना चाहती रही है और कृशि के लिये ज्यादा से ज्यादा पैसा खर्च करना चाहती रही हैं आजादी मिलने के 15–16 साल बाद तक भी हम अनाज के मामले मे आत्म निर्भर नही बन सके थे। हमारी सरकार अमेरिका से और रूस से अनाज मंगाती रही थी। श्रीमती इंदिरा गांधी के भाासन मे ये बात नही हुई कि हमे रूस और अमेरिका से अनाज मांगना पड़े। इंदिरा गांधी के भाासनकाल मे अनाज सरप्लस हो गया था। जब हमारे यहां सूखा पड़ा उस समय मे भी हमने दूसरे दे ाो से अनाज नही मंगाया। इसलिये यह बात मैं कहना चाहता हूं कि कोई पार्टी अगर यह कहे कि फलां वर्ग की सरकार होगी तो वह किसानो का अधिक ध्यान रखेगी, ठीक नही है। स्पीकर साहब, देवी लाल जी की सरकार ने एक नारा दिया था कि ''भ्रश्टाचार बंद पानी का प्रबंध।'' उस सरकार ने यह जो नारा दिया था वह बिल्कुल उल्ट हो गया। कही पर भी किसी चीज का कोई प्रबंध नही हुआ। इंसान तो हर बात पर काबू पाने की कोि ा ा करता है परन्तु कुदरत ऐसी ताकत है कि वह इंसान की एक भी नही चलने देती। जिस समय चौधरी देवी लाल जी इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री थे, उस समय बद किस्मती से हमारे हरियाणा के इलाके मे ऐसी जगहो पर भी बाढ़ें आ गई जिन जगहों पर पीने का भी पानी नही मिलता था। उस बाढ़ ने वहां की फसलों की तबाही की। उस समय पर जो भी सरकार हो, उसका फर्ज बनता था कि बाढ़ का प्रबंध करे। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि बाढ़

हरियाणा के अंदर काफी समय से नुकसान करती आ रही है। जहां पर पीने का भी प्रबंध नही था वहां पर इस तरीके से बाढ़ का प्रबंध करे। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि बाढ़ हरियाणा के अंदर काफी समय से नुकसान करती आ रही है। जहां पर पीने का भी प्रबंध नही था वहां पर इस तरीके से बाढ़ आई कि वहां पर सब कुछ तबाह करके रख दिया। उस समय विरोधी पक्ष की कोइ बात नही सुनता था। ये सारे के सारे एम.एल.एज. और मिनिस्टर्ज दूसरे पक्ष मे होते थे और हमारी बात का कोइ ध्यान नही देता था। लेकिन मुझे आज बड़ी खु ी है कि हमारी विरोधी पार्टी मे जो एम.एल.एज. बैठे हे वे बहुत ही तुजर्बेकार हैं ये हरि बात को समझते है और अपना मत दे सकते है। सपीकर साहब, यह छिपी हुई बात नही है कि लोक दल की सरकार ने गांव मे बांध बांधने के नाम से कितना पैसा बर्बाद किया हैं मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे उस समय के मंत्री महोदय फोटो खिंचवाने की गरज से वहां चले जाते थे। हमारे डाक्टर मंगल सैन जी ने भी उस टाईम पर अपने सिर पर टोकरी उठाये हुए फोटो खिंचवाया था। सपीकर साहब, दलाल साहब ने मिट्टी की टोकरी भर दी और डॉ. साहब ने उठा ली, वे उस टोकरी को कैसे ले जा सकते थे, क्योंकि उन्होंने तो मोम के कोटे बांटे थे। उन्होंने 50 किलो की टोकरी कभी नही उठाई थीं इस प्रकार से हमारी बहन सुशमा जी ने भी सिर पर टोकरी उठा कर अपना फोटी खिंचवाया था। बहन सुशमा जी ने तो बकालत की पढ़ाई की थी, मिट्टी की टोकरी जीवन मे कभी नही उठाई थी।

वह तो जनता पार्टी की लहर मे एम.एल.ए. बन गई थी और फिर मिनिस्टर बन गई थी। उन्होंने अपने सिर पर 50 किलो वजन की टोकरी तो उठा ली उन्हे क्या मालूम था कि इसमे इतना अधिक वजन होता है।

स्पीकर साहब, उस टाईम की सरकार के भ्रश्टाचार के बारे मे क्या बताऊं, जीतीजागती दीवारे भी बोलती है कि इन लोगो का उस टाईम पर क्या हाल था ? स्पीकर साहब, उस टाईम की सरकार ने हर भाहर के अंदरा एक दो को मुख्यमंत्री जैसा बना कर छोड़ रखा या और उनको यह अधिकार था कि जहां पर सरकार की जमीन पड़ी हो, वहीं पर कब्जा कर लिया जाये लेकिन हमने उन लोगो का मुकाबला किया और उस जमीन कब्जा नही होने दिया। यह बात तो दूसरी है कि मुख्यमंत्री महोदय विरोधी पक्ष के हलको मे कुछ काम न होने दे लेकिन वे हमारी इलाके की जनता के ठेकेदार नही बन सकते ओर हमारे इलाके के अंदर लूअ मार करके जमीनो पर कब्जा हनी कर सकते। हमारे ऊपर झूठे मुकदमे बनाये गये थे। मेरे रि तेदारो पर और भाइयो अनेक किस्म के झूठे मुकदमे बनाये गये और हमें गिरफतार किया गया था। स्पीकर साहब, मैंने डीजल की कमी की बात कही थी और सुशमा बहिन जी कह रही थी कि जो नाजायज तौर पर डीजल बेचे उसको कानूनी तौर पर बंद करना चाहिए। में इस बात के हक मे हूं कि वह जरूर बंद होना चाहिए। जिस समय चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी तो हमारे जींद के अंदर रातो रात जमीन

पर कब्जा करके एक नया पैट्रोल पंप दिया गया और उस पैट्रोल पंप से डीजल का एक टोपा भी किसी आदमी कोन नही मिलता था। सारे का सारा वह डीजल ब्लैक मे बेचा जाता था। मैंने उस टाईम पर मुख्यमंत्री को लिख कर दियाथा, परंतु मेरे लिख कर देने के बाद भी कोई इंकवायरी नही हुई। मैंने आपको यह एक मिसाल दी है। मेरे द्वारा दी हुई एप्लीके ान रिकार्ड मे मौजूद है। इनको फाईल मे भी है। इस बारे मे जब इंकवायरी नही हुई तो मैंने डी.सी. साहब से पूछा कि किसान लुट रहे है और तेल नही मिल रहा है। तो उन्होनें कहा कि हम क्या करें सरकार इन्क्वायरी नही होने दे रही ।

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी जो हाउस मे मौजूद नही है, उनके बारे मे कहना उचित नही है।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी को पता है कि जो मैंबर्ज बंसी लाल जी की ज्यादा खु ाामंद करते थे, उन का मिनिस्टरी मे नंबर आ जाया करता थां

श्री मांगे राम गुप्ताः चौधरी राम लाल जी को तो एक दो बार पहले भी एम.एल.ए. बनने का मौका मिला है। उन्होंने तो देवी लाल जी को बड़ी खु ाामद की है। खु ाामद करने से ही इन्होंने ढाई साल तक राज किया । हमने इस अर्से के दौरान किसी को सलाम नही किया।

श्री अध्यक्षः अब सदन कल दिनांक 6–3–1980 को सुबह 9.00 बजे तक के लिये स्थापित किया जाता है।

18.30 बजे

(तत्प चात सदन वीरवार दिनांक 6–3–1980 को प्रातः 9.00 बजे तक के लिये* स्थापित हुआ)